सूर्योदय 5:53 सूर्यास्त 6:53

आज का तापमान

शिमला	16.8 न्यू	25.6 अधि
धर्मशाला	17.2 न्यू	29.0 अधि

बाजार

सेंसेक्स	77,369
निफ्टी	24,219
सोना 1,62,000	चांदी 2,45,000

भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | मंगलवार, 25 अगस्त 2026 | 9 भाद्रपद, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 120, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

न्यूज शॉर्ट्स

मलेशिया से भारत लाए बंबीहा गैंग के 3 गैंगस्टर

एजेंसी, नई दिल्ली। देविंदर बंबीहा गैंग से जुड़े तीन कथित प्रमुख आरोपियों को मलेशिया से डिपोर्ट कर भारत लाया गया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के अनुसार, पंजाब पुलिस ने केंद्रीय एजेंसियों की मदद से यह कार्रवाई की। मलेशिया से भारत पहुंचने के बाद तीनों को नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर गिरफ्तार किया गया। इसके बाद उन्हें पंजाब ले जाकर आगे की जांच शुरू की गई। गृह मंत्री कार्यालय के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सुरक्षित भारत के लक्ष्य के तहत भारतीय एजेंसियों ने साल 2026 में अब तक 51 कुख्यात अपराधियों को विदेशों से वापस भारत लाने में मदद की है।

तमिलनाडु में सालाना मुफ्त मिलेंगे तीन गैस सिलेंडर

एजेंसी, चेन्नई। तमिलनाडु सरकार 2027 में पोंगल पर्व से पात्र परिवारों को

सालाना तीन मुफ्त रसोई गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने की योजना लागू करेगी। सीएम विजय ने सोमवार को विधानसभा में नियम 110 के तहत इसकी घोषणा की। योजना 'अन्नपूर्णी सुपर 6' के तहत लागू होगी श्र इसके लिए हर वर्ष करीब 4,000 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। सरकार के अनुसार, योजना से 1 करोड़ 38 लाख 16 हजार 104 परिवार लाभान्वित होंगे। इसमें 2.5 लाख रुपए तक वार्षिक आय वाले आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के साथ छोटे एवं सीमांत किसान तथा दिव्यांग व्यक्तियों के परिवार शामिल होंगे।

वंधामा नरसंहार की दोबारा खुली फाइल

एजेंसी, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर स्टेट इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने 35 साल पुराने वंधामा नरसंहार की जांच दोबारा शुरू कर दी है। साल 1998 के इस हत्याकांड में 23 कश्मीरी पंडितों की हत्या कर दी गई थी। मरने वालों में 9 महिलाएं और 4 बच्चे शामिल थे। एसआईए ने मामले से जुड़े सबूत जुटाने के लिए कश्मीर घाटी में कई जगहों पर तलाशी ली है। एजेंसी कश्मीरी पंडितों की दूसरी हत्याओं के मामलों की भी फिर से जांच कर रही है। इनमें कश्मीरी पंडित नेता टीका लाल टपलू और जस्टिस नीलकंठ गंजू की हत्या के मामले भी शामिल हैं। जांच एजेंसी हमलों में शामिल आतंकियों व ओवरग्राउंड वर्कर्स की पहचान कर उनकी भूमिका का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

गेहूं के निर्यात पर लगी रोक तत्काल प्रभाव से हटाई

एजेंसी, नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने गेहूं और इसके उत्पादों के निर्यात पर लगी रोक तत्काल प्रभाव से हटा दी है, जिसमें 'ड्यूरम' किस्म भी शामिल है। सरकार ने गेहूं के आटे और मैदा एवं सूजी जैसे अन्य उत्पादों के निर्यात की भी अनुमति दे दी है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) की ओर से जारी अधिसूचना में गेहूं और इसके उत्पादों (जैसे आटा, मैदा, सूजी और ड्यूरम गेहूं) के निर्यात पर लगे प्रतिबंध को तत्काल प्रभाव से हटाने की जानकारी दी गई है। अधिसूचना में कहा कि गेहूं की निर्यात नीति को तत्काल प्रभाव से 'प्रतिबंधित' की जगह 'मुक्त' श्रेणी कर दिया गया है।

जंतर-मंतर पर यौन उत्पीड़न के मामलों की पहले होगी जांच

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- उच्चाधिकार कमेटी प्राथमिकता के आधार पर करेगी कार्रवाई

एजेंसी, नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस हिंसा के आरोपों की जांच के लिए बनाई गई उच्चाधिकार प्राप्त जांच कमेटी (एचपीईसी) को महिला प्रदर्शनकारियों के साथ हुए यौन उत्पीड़न की शिकायतों पर प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई करने के लिए कहा है।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने यह स्पष्टीकरण तब दिया, जब वरिष्ठ वकील शोभा गुप्ता ने उनसे जंतर-मंतर पर 20 जुलाई को हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान महिलाओं के साथ यौन उत्पीड़न और छेड़छाड़ के आरोपों पर स्वत: संज्ञान लेने का आग्रह किया। सुनवाई के दौरान शोभा गुप्ता ने एक ऐसा सिस्टम बनाने का आग्रह किया, जिसके जरिए कथित पीड़ित अपनी शिकायतें सीधे पड़ताल के लिए भेज सकें। इस पर मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि उच्चाधिकार कमेटी प्रदर्शनकारियों की यौन उत्पीड़न की शिकायतों पर प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई करेगी। उन्होंने कहा कि पिछले हफ्ते जारी आदेश के मुताबिक कमेटी से अनुरोध किया गया है कि वह इसे प्राथमिकता के आधार पर देखे और तुरंत एक अंतरिम रिपोर्ट सौंपे। नई याचिका में 20 जुलाई के विरोध प्रदर्शन के दौरान महिलाओं के साथ यौन उत्पीड़न और छेड़छाड़ के आरोपों पर स्वत: संज्ञान लेने की मांग की गई है। सोशल मीडिया पर बड़े पैमाने पर फैली कथित हमलों की रिपोर्ट और बयानों का जिक्र करते हुए गुप्ता ने कहा कि इन आरोपों में एक महिला के कमर के नीचे लाठी से प्रहार किए जाने की बात भी शामिल थी।

तरुण तेजपाल को पहले सरेंडर करना चाहिए था : गोवा सरकार

गोवा सरकार ने कहा है कि दुष्कर्म मामले में दोषी करार दिए गए तहलका के पूर्व पत्रकार तरुण तेजपाल को उच्चतम न्यायालय में अपील दाखिल करने के पहले सरेंडर कर देना चाहिए था। तेजपाल ने इस मामले में दी गई दस साल की सजा को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी है। दूसरी ओर, गोवा सरकार ने तेजपाल की सजा बढ़ाने की मांग की है। गोवा सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने उच्चतम न्यायालय में ये बातें कहीं।

महाराष्ट्र के सरकारी अस्पताल में आग, 3 बच्चों की मौत

36 को बचाया; परिजन बोले- धुएं से भरे वार्ड में सबसे पहले गार्ड और नर्स पहुंचे

एजेंसी, अमरावती। महाराष्ट्र के अमरावती जिला महिला अस्पताल के एनआईसीयू में सोमवार सुबह करीब 3:30 बजे आग लग गई।

तीसरी मंजिल पर स्थित इस चाइल्ड केयर यूनिट में उस समय 39 नवजात भर्ती थे। इनमें 3 नवजातों की मौत हो गई। 36 को बचाया गया। अमरावती के पुलिस कमिश्नर राकेश ओला के मुताबिक, एनआईसीयू के तीन कंपार्टमेंट में से एक में 9 नवजात भर्ती थे। आग इसी हिस्से में फैली, जिसमें 3 बच्चे उसकी चपेट में आ गए। बाकी 6 बच्चों को इलाज के लिए दूसरी जगह शिफ्ट किया गया है। अचलपुर के रहने वाले योगेश सावर्कर ने बताया कि उनकी पत्नी और 8 दिन का बच्चा अस्पताल में भर्ती था। वह रात में अस्पताल के बाहर सो रहे थे। एनआईसीयू में आग और धुआं फैलते ही अस्पताल में अफरा-तफरी मच गई। योगेश ने बताया कि वे पहली मंजिल पर पहुंचे और अपने बच्चे को गोद में लेकर नीचे भागे। उन्होंने बताया कि वहां मौजूद दूसरे बच्चों के शरीर पर काली राख जमी हुई थी। परिजन अपने बच्चों को बचाने के लिए वार्ड की ओर दौड़ रहे थे। योगेश के मुताबिक, गार्ड सबसे पहले बच्चों को बचाने के लिए वार्ड में पहुंचे। उन्होंने बच्चों को बाहर निकालना शुरू किया। एक नर्स भी बच्चों की जान बचाने में मदद कर रही थी। आग तेजी से फैल रही थी और वार्ड में धुआं भर गया था, जिससे कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था। परिजनों का दावा है कि आग लगने के बाद वॉटर स्प्रे सिस्टम काम नहीं कर रहा था। उनका कहना है कि सिस्टम तुरंत सक्रिय होना चाहिए था, अब परिवार अस्पताल की फायर सेफ्टी व्यवस्था की जांच और जिम्मेदारी तय करने की मांग कर रहे हैं।

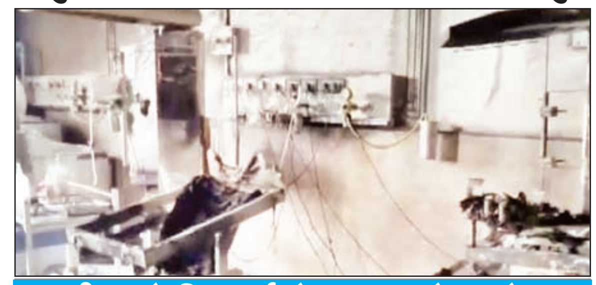

सीएम ने दिए हाई लेवल जांच के आदेश

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने घटना के हाई लेवल जांच के आदेश दिए हैं। फडणवीस ने कहा कि लापरवाही के लिए जिम्मेदार लोगों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य मंत्री और स्वास्थ्य विभाग के सचिव को अमरावती जाकर स्थिति का जायजा लेने के निर्देश दिए हैं। साथ ही मृत नवजातों के परिवारों को राज्य सरकार की ओर से 5 लाख की आर्थिक सहायता देने का ऐलान किया है।

सीएम सुक्खू का अटैची के साथ प्रदर्शन पर पलटवार

भाजपा ने नौ विधायक खरीदने को शुरू की परंपरा, खाली होने पर नाटक कर रहे

◆ कहा- प्रदेश की संपदा को लूटने नहीं दिया जाएगा

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल विधानसभा के मानसून सत्र में भाजपा के अटैची लेकर प्रदर्शन को लेकर मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने भाजपा पर तीखा हमला बोला।

वाराणसी से शिमला लौटने के बाद सीएम ने कहा कि जब नौ विधायक बिके थे, भाजपा ने उस दौरान अटैची की परंपरा शुरू की थी, जब अटैची खाली हो गई, तब अटैची लेकर आए। सीएम सुक्खू ने कहा कि प्याज-चीनी के आसमान छू रहे दामों से ध्यान भटकाने के लिए भारतीय जनता पार्टी अटैची का नाटक कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार के साढ़े तीन साल के कार्यकाल में किसी भी मंत्री पर भ्रष्टाचार के आरोप नहीं लगे। सरकार ने भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ी है और प्रदेश की संपदा को लूटने नहीं दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि करीब एक साल पहले ईडी ने नादौन में उनके एक समर्थक के यहां रेड की थी। उनके अनुसार, उनके समर्थक को एक साल तक गिरफ्तार रखा गया और उनके भाई की जमीन की भी जांच की गई, लेकिन उनका दामन पाक साफ है। सीएम ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि अटैची की जरूरत उन्हें पड़ती है, जिन पर हिमकेयर, पीपीई किट और शराब ठेकों की नीलामी में घोटाले के आरोप लगे हैं।

सीजेपी का 5 सितंबर को फिर दिल्ली मार्च

कहा- छात्रों पर दर्ज केस खत्म नहीं हुए, हमारे धैर्य को कमजोरी न समझें

एजेंसी, नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी 5 सितंबर को दिल्ली में विरोध मार्च निकालेगी। पार्टी का आरोप है कि केंद्र सरकार ने 25 जुलाई को युवाओं से किए गए वादों को पूरा नहीं किया है। इन्हीं वादों के भरोसे पर जंतर-मंतर का प्रदर्शन वापस लिया गया था।

मार्च इंडिया गेट से शुरू होकर नई दिल्ली पुलिस मुख्यालय तक जाएगा। इसमें उन स्टूडेंट्स के परिजन भी शामिल होंगे, जिन्होंने नीट पेपर लीक के बाद सुसाइड किया था। इससे पहले सीजेपी ने 20 जुलाई को भी जंतर-मंतर से संसद तक मार्च निकाला था। सोमवार को सीजेपी ने अपनी वर्किंग कमेटी की वर्चुअल मीडिंग के बाद ये फैसला लिया। पार्टी ने कहा कि सरकार ने कहा था कि छात्रों पर दर्ज केस खत्म होंगे, पर ऐसा नहीं हुआ। उन्हें हमारे धैर्य को कमजोरी नहीं समझना चाहिए। सीजेपी ने नीट पेपर लीक, परीक्षा में गड़बड़ी की मांगों को लेकर 20 जून से जंतर-मंतर पर आंदोलन शुरू किया था। 25 जुलाई को सरकार से आश्वासन मिलने और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद अपना आंदोलन खत्म किया था।

वादे पूरे होने तक पीछे नहीं हटेंगे

सीजेपी नेता सौरव दास और रत्ना सिंह ने कहा कि सरकार को आंदोलन खत्म होने के बाद किए गए वादे पूरे करने चाहिए। सभी एफआईआर वापस लेनी चाहिए और शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई रोकनी चाहिए। वहीं, सीजेपी फाउंडर अभिजीत दीपके ने सभी राज्यों के शिक्षा मंत्रियों को लेटर लिखा है। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों को बेहतर बनाने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं, इसकी जानकारी दें।

ईरान की संसद ने होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों पर टोल को दी मंजूरी

◆ रियाल व पसंद की करेंसी में पेमेंट लेगा, बदले में सुरक्षा और इंश्योरेंस देगा

◆ अमेरिका बोला- ईरान के खिलाफ आर्थिक जंग शुरू

एजेंसी, वॉशिंगटन। ईरान की संसद ने होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों से टोल यानी टैक्स या फीस लेने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

ईरान की मेहर न्यूज एजेंसी के मुताबिक, जिन देशों के जहाजों को होर्मुज से गुजरने की अनुमति होगी, उनसे समुद्री सेवाओं के बदले शुल्क लिया जाएगा। ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति समिति के प्रवक्ता हसन काशकवी के मुताबिक, फीस के बदले समुद्री सेवाएं, सुरक्षा और इंश्योरेंस जैसी सुविधाएं दी जाएंगी। इसके अलावा पर्यावरण संबंधी सेवाएं और खास परिस्थितियों में ईंधन भी दिया जाएगा। भुगतान ईरानी रियाल या ईरान की पसंद की किसी दूसरी करेंसी में किया जा सकेगा। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा कि ट्रंप प्रशासन अब ईरान के खिलाफ आर्थिक जंग के आखिरी दौर में पहुंच गया है।

बेसेंट के मुताबिक अमेरिका का मकसद ईरान की कमाई के बड़े रास्ते बंद करना है। बेसेंट ने कहा कि अमेरिका ईरान पर दबाव बढ़ाने के लिए अपनी सभी सरकारी एजेंसियों और अधिकारों का इस्तेमाल करेगा। इससे पहले ट्रंप ने इसे किसी विरोधी देश के खिलाफ सबसे बड़ी आर्थिक कार्रवाई बताया था और दूसरे देशों से ईरान को अलग-थलग करने में साथ देने की अपील की थी।

सीएम सैनी ने मुंबई में 20 से अधिक कंपनियों संग की राउंड टेबल कॉन्फ्रेंस, कहा-

उद्योगों के साथ दीर्घकालिक साझेदारी चाहती है सरकार

एजेंसी, पंचकूला। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अपने मुंबई दौरे के दूसरे दिन 20 से अधिक कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ राउंड टेबल कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान हरियाणा में ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी, लॉजिस्टिक्स, कृषि उद्योग समेत विभिन्न क्षेत्रों में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री ने उद्योगपतियों को अप्रैल 2027 में आयोजित होने वाले हैपनिंग हरियाणा ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के लिए आमंत्रित करते हुए कहा कि सरकार केवल निवेश पर चर्चा करने नहीं, बल्कि उद्योगों के साथ दीर्घकालिक साझेदारी का प्रस्ताव लेकर आई है। सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार प्रदेश को निवेशकों के लिए और अधिक अनुकूल बनाने की दिशा में लगातार काम कर रही है। उद्योग जगत से मिलने वाले सुझावों को गंभीरता से लेकर सरकार सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ेगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में औद्योगीकरण को गति देने के लिए सरकार ने 140 गैर जरूरी नियमों को समाप्त किया है। इसके साथ ही राज्य में 10 नए इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग टाउनशिप स्थापित करने की योजना पर काम किया जा रहा है।

गुरुग्राम में 1.10 लाख करोड़ रुपए के एमओयू, 108 कंपनियों को मिली जमीन

मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरुग्राम में आयोजित इंडस्ट्री पॉलिसी लॉन्च कार्यक्रम के दौरान करीब 1 लाख 10 हजार करोड़ रुपए के एमओयू पर हस्ताक्षर हुए थे। इनमें एमओयू साइन करने वाली 123 कंपनियों में से 108 कंपनियों को जमीन उपलब्ध कराई जा चुकी है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार के लिए एमओयू केवल साइनिंग सेरेमनी नहीं, बल्कि निवेशकों के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है। सरकार का फोकस फाइलों की आवाजाही पर नहीं, बल्कि परियोजनाओं को जमीन पर उतारने पर है। 'हमारा उद्देश्य फाइल मूवमेंट नहीं, प्रोजेक्ट मूवमेंट है।' मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार निवेशकों के प्रोजेक्ट को गति देने के लिए लगातार काम कर रही है।

दिल्ली से पटना आ रही फ्लाइट से पक्षी टकराया

एजेंसी, नई दिल्ली। पटना एयरपोर्ट पर सोमवार सुबह बर्ड हिट का मामला सामने आया है। दिल्ली से 164 यात्रियों को लेकर पटना आ रही एअर इंडिया की फ्लाइट से पक्षी टकरा गया। अधिकारियों ने बताया कि फ्लाइट एआई 1741 सुबह 7:43 बजे सुरक्षित रूप से उतरी। एहतियात के तौर पर एयरपोर्ट अधिकारियों ने इमरजेंसी लैंडिंग प्रोटोकॉल लागू कर दिया था और फायर व अन्य संबंधित सेवाओं को तैनात कर दिया था। एयरपोर्ट अधिकारियों के अनुसार, एआई 1741 के पायलट ने रनवे के पास पहुंचते समय विमान के दाहिने टरबाइन के पास पक्षी के टकराने की आशंका जताई थी। लैंडिंग के बाद की जांच में पक्षी के टकराने की पुष्टि हुई, लेकिन इंजन को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। जरूरी जांच-पड़ताल के बाद विमान को दिल्ली लौटने की मंजूरी मिल गई।

देहरादून में सीएम पुष्कर धामी ने 'सशक्त बहना उत्सव' के स्टॉल का किया उद्घाटन

एजेंसी, देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को देहरादून में मुख्यमंत्री सशक्त बहना उत्सव योजना के तहत स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं की ओर से लगाए गए स्टॉल का उद्घाटन किया।

मुख्यमंत्री ने विभिन्न स्टॉल का निरीक्षण कर महिलाओं से उनके उत्पादों, बिक्री और काम से जुड़े अनुभवों की जानकारी ली। उन्होंने महिलाओं को प्रोत्साहित करते हुए उनके हुनर और मेहनत की सराहना की। रक्षाबंधन से पहले आयोजित इस कार्यक्रम में महिलाओं की ओर से तैयार किए गए विभिन्न उत्पादों को प्रदर्शित किया गया। मुख्यमंत्री ने स्थानीय स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा तैयार की गई राखियां भी खरीदीं। उन्होंने कहा कि स्थानीय स्तर पर तैयार किए जा रहे उत्पादों को बढ़ावा मिलने से महिलाओं को अपने हुनर को रोजगार में बदलने का अवसर मिल रहा है। मुख्यमंत्री सशक्त बहना उत्सव के दौरान एक भावुक पल भी देखने को मिला। स्वयं सहायता समूह से जुड़ी एक महिला ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को राखी बांधी। इसके बाद महिला मुख्यमंत्री के पैर छूने के लिए झुकी, लेकिन सीएम धामी ने तुरंत उसे रोक दिया। मुख्यमंत्री ने महिला को पैर छूने से मना करते हुए खुद हाथ जोड़ लिए। इस दौरान वहां मौजूद लोगों ने भी इस पल को देखा। मुख्यमंत्री ने महिलाओं के प्रति सम्मान जताते हुए उन्हें आगे बढ़ने और आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रोत्साहित किया। मुख्यमंत्री धामी ने स्टॉल पर पहुंचकर महिलाओं से बातचीत की और उनके उत्पादों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने यह भी जाना कि स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाएं किस तरह अपने उत्पाद तैयार कर रही हैं और उन्हें बाजार उपलब्ध हो रहा है।

◆ धामी ने स्थानीय महिलाओं की बनाई राखियां खरीदीं आत्मनिर्भरता को दिया बढ़ावा

मुख्यमंत्री रेखा ने अरुण जेटली को श्रद्धासुमन अर्पित किए, बोलीं-

राष्ट्रसेवा व सुशासन को समर्पित रहा जीवन

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण जेटली की 7वीं पुण्यतिथि पर अरुण जेटली पार्क में उनकी प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित कर नमन किया। यह जानकारी मुख्यमंत्री सोशल मीडिया एक्स अकाउंट एक्स पर साझा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रवादी चिंतक, प्रख्यात कानूनविद्, ओजस्वी वक्ता व कुशल संगठनकर्ता के रूप में अरुण जेटली का सार्वजनिक जीवन राष्ट्रसेवा व सुशासन को समर्पित रहा। वित्त मंत्री के रूप में उन्होंने अनेक महत्वपूर्ण आर्थिक सुधारों के माध्यम से भारत की अर्थव्यवस्था को नई मजबूती व दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। राष्ट्र और संगठन के प्रति उनकी निष्ठा तथा राष्ट्र निर्माण में उनका योगदान सदैव प्रेरणा देता रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि जेटली का विद्यार्थी परिषद से सार्वजनिक जीवन की शुरुआत, आपातकाल के विरुद्ध संघर्ष, संगठन में दीर्घ साधना व संसद में प्रभावी भूमिका, उनका जीवन राष्ट्रनिष्ठ राजनीति की एक प्रेरक यात्रा रहा। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्री के रूप में देश की अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने वाले अनेक महत्वपूर्ण सुधारों में उनका निर्णायक योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। दिल्ली उनकी कर्मभूमि रही। यहां के कार्यकर्ताओं और जनमानस से उनका आत्मीय संबंध आज भी अनेक स्मृतियों में जीवंत है।

संबोधित मुख्यमंत्री ने अवध के नायकों को दी श्रंद्धाजलि, राना बेनी माधव बख्श सिंह सभागार का किया लोकार्पण

राहुल गांधी ने देश की विरासत का किया अपमान : योगी आदित्यनाथ

एजेंसी, रायबरेली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रायबरेली में राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी हमारी विरासत का अपमान कर रहे हैं और युवाओं को गलत दिशा में ले जा रहे हैं। मुख्यमंत्री सोमवार को रायबरेली में राना बेनी माधव बख्स सिंह की 222वीं जयंती के अवसर पर आयोजित भाव समर्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि राहुल गांधी से देश अब कोई अपेक्षा नहीं करता, लेकिन नेता प्रतिपक्ष के नाते उनकी कोई जिम्मेदारी है। बावजूद इसके वह यूपी के बाहर प्रदेश का अपमान करते हैं। देश के बाहर देश का अपमान करते हैं। उनको अपनी विरासत को अपमानित करने का कोई हक नहीं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राहुल को शतपथ ब्राम्हण और मत्स्य पुराण पढ़नी चाहिए, ताकि उनको समझ आ जाए कि हमारे ग्रंथ व विरासत में क्या है। मुख्यमंत्री ने कहा कि रायबरेली में केवल एक परिवार के नाम पर संस्थाओं के नामकरण हुए। शहीदों को भुला दिया गया, अब प्रदेश सरकार अपने शहीदों, नायकों को याद कर रही है।

उन्होंने अयोध्या में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष के दावत पर तंज कसते हुए कहा कि यह सनातन का अपमान है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमें अपनी विरासत को पहचानना होगा। उस पर गर्व करने की जरूरत है। ताकि हम अपनी समृद्ध परंपरा और इतिहास को जान सकें। योगी आदित्यनाथ ने इसके पहले 25 करोड़ की लागत से बने सभागार का लोकार्पण किया व शहीदों के परिजनों को सम्मानित किया।

◆ कहा- 'राहुल से देश को कोई अपेक्षा नहीं' नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी याद दिलाई

राना बेनी माधव सिंह पर जारी किया विशेष आवरण

मुख्यमंत्री ने डाक विभाग द्वारा राना बेनी माधव सिंह पर जारी विशेष आवरण को जारी किया। राना बेनी माधव सिंह स्मारक समिति द्वारा अवध केसरी का विमोचन भी मुख्यमंत्री द्वारा किया गया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के पर्यटन व संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह, मंत्री राकेश सचान, मंत्री मनोज पांडे, राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार दिनेश प्रताप सिंह, विधायक अदिति सिंह, अशोक कोरी, एमएलसी उमेश द्विवेदी, अवनीश सिंह सहित भाजपा पदाधिकारी व नेता मौजूद रहे। रायबरेली के फिरोज गांधी डिग्री कॉलेज मैदान में आयोजित जनसभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रायबरेली के विकास के लिए 879 करोड़ रुपए से अधिक की 346 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास करेंगे। इसमें वह 624 करोड़ रुपए की 185 परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे, जबकि 277 करोड़ रुपए की 162 नई परियोजनाओं का शिलान्यास भी करेंगे।

न्यूज ब्रीफ

एससी/एसटी बजट में हिस्सेदारी की मांग पर सीएम को ज्ञापन

भारतेन्दु संवाददाता,ज्वाली। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति विकास निधि कानून बनाने की मांग को लेकर एससी/एसटी राज्य गठबंधन हिमाचल की ज्वाली इकाई ने प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने मिनी सचिवालय मैदान में धरना दिया और उपमंडलीय दंडाधिकारी कार्यालय तक रोष रैली निकालकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक और राजस्थान की तर्ज पर हिमाचल में एससी/एसटी विकास निधि कानून बनाने की मांग की गई। साथ ही कुल योजना बजट में एससी की करीब 33 प्रतिशत और एसटी की करीब 8 प्रतिशत आबादी के अनुपात में बजट आवंटन अनिवार्य करने तथा राशि का पारदर्शी उपयोग सुनिश्चित करने की मांग रखी गई। भूमिहीन परिवारों को आवासीय और कृषि योग्य भूमि उपलब्ध करवाने की भी मांग की गई। कांग्रेस अनुसूचित प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष रघुबीर भाटिया ने आरोप लगाया कि पिछले पांच वर्षों में एससी/एसटी विकास के लिए बजटीय आवंटन करीब पांच प्रतिशत तक सीमित रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार ने कानून बनाने का वादा किया था, लेकिन अब तक ठोस कदम नहीं उठाया गया। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में समुदाय के लोग मौजूद रहे।

'एक पेड़ मां के नाम' पर स्काउट एंड गाइड ने किया पौधा रोपण

भारतेन्दु संवाददाता, चलवाड़ा। तृप्ता पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल चलवाड़ा के स्काउट एंड गाइड यूनिट ने विद्यालय परिसर में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधरोपण किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रकार के फलदार पौधे लगाए। विद्यालय के प्रधानाचार्य राकेश राणा ने आम का पौधा लगाकर अभियान का शुभारंभ किया। इस दौरान स्काउट मास्टर अजेंद्र सिंह और स्काउट गाइड कप्तान विजय कुमारी भी मौजूद रहे। उन्होंने विद्यार्थियों के साथ मिलकर पौधरोपण करवाया। प्रधानाचार्य राकेश राणा ने विद्यार्थियों को स्काउट एंड गाइड के उद्देश्यों की जानकारी देते हुए कहा कि इसमें सेवा भाव को विशेष महत्व दिया जाता है। उन्होंने विद्यार्थियों को समाज, स्वयं और दूसरों की सेवा के लिए हमेशा तत्पर रहने का संदेश दिया।

श्यामार्क ब्रांड से ग्रामीण उत्पादों को मिलेगी राष्ट्रीय पहचान,महिलाएं भी होंगी सशक्त

भारतेन्दु संवाददाता,शिमला। लोक निर्माण एवं शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने शिमला में श्यामार्क ब्रांड का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इस ब्रांड के माध्यम से हिमाचल के ग्रामीण क्षेत्रों के व्यवसायियों और स्वयं सहायता समूहों को अपने उत्पादों की नई पहचान बनाने के साथ व्यापक बाजार उपलब्ध होगा। मसाले, दालें, घी, सूखे मेवे, हस्तशिल्प सहित विभिन्न स्थानीय उत्पाद ई-मार्ट भारत के माध्यम से ऑनलाइन बेचे जा सकेंगे।

विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि हिमाचल ई-मार्ट ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। ऑनलाइन मंच के माध्यम से प्रदेशभर के स्वयं सहायता समूहों को अपने उत्पादों की बिक्री के लिए व्यापक बाजार मिलेगा। इससे शहरों में रहने वाले उपभोक्ताओं को गांवों के शुद्ध और स्थानीय उत्पाद उपलब्ध होंगे, जबकि उत्पादकों को उनके सामान का बेहतर मूल्य मिलने की उम्मीद है।

उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूह हिमाचल के साथ देश के अन्य राज्यों में भी अपने उत्पाद बेच सकेंगे। इससे स्थानीय उत्पादों को बाजार मिलने के साथ ग्रामीण महिलाओं की आर्थिकी मजबूत होगी। सरकार आने वाले समय में अधिक से अधिक महिलाओं और स्वयं सहायता समूहों को इस मंच से जोड़ने का प्रयास करेगी।

मंत्री ने कहा कि प्रदेश के हस्तशिल्प, कृषि और बागवानी उत्पादों की उचित पैकेजिंग और ब्रांडिंग कर उन्हें राष्ट्रीय बाजार उपलब्ध करवाना जरूरी है। इससे स्थानीय उत्पादों की गुणवत्ता और पहचान को बढ़ावा मिलेगा तथा ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

जैविक उत्पादों की बढ़ती मांग का लाभ उठाएं महिलाएं : विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि कैंसर, उच्च रक्तचाप और मधुमेह जैसी जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां आज बड़ी चुनौती हैं। ऐसे में जैविक और प्राकृतिक उत्पादों की मांग बढ़ रही है। उन्होंने स्वयं सहायता समूहों से जैविक उत्पादों को बढ़ावा देने तथा उपभोक्ताओं को उनके स्वास्थ्यवर्धक गुणों के बारे में जागरूक करने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि गुणवत्ता, पैकेजिंग और विपणन पर विशेष ध्यान देकर महिलाएं अपनी आय बढ़ाने के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूत कर सकती हैं। प्रदेश सरकार ई-मार्ट की इस पहल को सफल बनाने के लिए हरसंभव सहयोग देगी।

जापान-सिंगापुर में फीका पड़ा हिमाचली सेब का स्वाद, कंसंट्रेट निर्यात को झटका

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश बागवानी उत्पाद विपणन एवं प्रसंस्करण निगम (एचपीएमसी) को अपने एप्पल जूस कंसंट्रेट के विदेशी बाजार में अपेक्षित परिणाम नहीं मिलने से झटका लगा है। हिमाचली सेब से तैयार कंसंट्रेट जापान और सिंगापुर के उपभोक्ताओं को ज्यादा मीठा लगा। दोनों देशों में करीब 250 टन एप्पल जूस कंसंट्रेट भेजा गया था, लेकिन बाजार की पसंद के अनुरूप उत्पाद नहीं होने से बड़े पैमाने पर आगे निर्यात की संभावनाएं फिलहाल कमजोर पड़ गई हैं।

जापान और सिंगापुर का अनुभव एचपीएमसी के लिए महत्वपूर्ण संकेत माना जा रहा है। विदेशी बाजारों में निर्यात बढ़ाने से पहले वहां के उपभोक्ताओं की स्वाद पसंद, उत्पाद की गुणवत्ता, पैकेजिंग और कीमत को समझना जरूरी होगा। निगम अब नए बाजारों के साथ-साथ घरेलू थोक खरीदारों और फूड प्रोसेसिंग कंपनियों के जरिए कंसंट्रेट की बिक्री बढ़ाने की रणनीति पर काम कर रहा है।

एचपीएमसी पहले से ही कंसंट्रेट के लिए बाजार तलाश रहा है। जून 2026 में निगम ने थोक खरीदारों के पैनल के लिए एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट (ईओआई) जारी किया था। इसके बाद जुलाई में 2023 फसल वर्ष के कंसंट्रेट की बिक्री के लिए भी ईओआई आमंत्रित किया गया।

पश्चिमी हिमालय में बढ़ते तापमान से बर्फ पिघलने का बढ़ा खतरा

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। पश्चिमी हिमालय में बढ़ते तापमान ने हिमाचल प्रदेश समेत पूरे क्षेत्र के लिए चिंता बढ़ा दी है। एक नए वैज्ञानिक अध्ययन के अनुसार, पश्चिमी हिमालय मध्य और पूर्वी हिमालय की तुलना में तेजी से गर्म हो रहा है। इसके कारण आने वाले दशकों में इस क्षेत्र में बर्फ और ग्लेशियरों के नुकसान का खतरा बढ़ सकता है।

जर्नल ऑफ अर्थ सिस्टम साइंस में प्रकाशित अध्ययन में 1901 से 2020 तक के 120 वर्षों के तापमान आंकड़ों और आठ वैश्विक जलवायु मॉडलों का विश्लेषण किया गया। शोध में भारतीय हिमालय को पश्चिमी, मध्य और पूर्वी तीन हिस्सों में बांटकर वर्ष 2100 तक जलवायु परिवर्तन के संभावित प्रभावों का आकलन किया गया। शोध में बीआईटी मेसरा, भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम), पुणे और अशोका विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक शामिल रहे।

अध्ययन के मुताबिक 1901-30 के औसत की तुलना में वर्ष 2014 तक पश्चिमी हिमालय में सर्दियों का तापमान 1.06 डिग्री और बसंत का तापमान 1.08 डिग्री सेल्सियस बढ़ चुका था। सबसे बड़ी चिंता रात के तापमान में हो रही वृद्धि है। पश्चिमी हिमालय में सर्दियों का न्यूनतम तापमान 1.23 डिग्री और बसंत में 1.25 डिग्री बढ़ा, जबकि दिन के अधिकतम तापमान में वृद्धि क्रमशः 0.87 और 0.91 डिग्री रही।

वैज्ञानिकों के अनुसार, गर्म रातों के कारण बर्फ के दोबारा जमने का समय कम हो जाता है और बर्फ तेजी से पिघलती है। यदि उत्सर्जन मौजूदा ऊंची दर से जारी रहा तो 2081-2100 तक पश्चिमी हिमालय की सर्दियां शुरुआती 20वीं सदी की तुलना में 7.18 डिग्री और बसंत 6.91 डिग्री सेल्सियस तक गर्म हो सकते हैं।

अध्ययन में अनुमान लगाया गया है कि सदी के अंत तक कम उत्सर्जन की स्थिति में भी बसंत के दौरान पश्चिमी हिमालय में 32 किलोग्राम प्रति वर्ग मीटर बर्फ कम हो सकती है। उच्च उत्सर्जन की स्थिति में यह नुकसान 95.9 किलोग्राम प्रति वर्ग मीटर तक पहुंच सकता है।

वैज्ञानिकों ने ग्लेशियर और बर्फ की निगरानी, सैटेलाइट डेटा, उच्च-रिजॉल्यूशन मॉडल, शुरुआती चेतावनी प्रणाली और सतत जल प्रबंधन को मजबूत करने की सिफारिश की है।

कुमारसैन में चिट्टा तस्करी का भंडाफोड़, चार आरोपी गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिमला जिले के कुमारसैन में पुलिस ने नशे के खिलाफ कार्रवाई करते हुए चार लोगों को 11.35 ग्राम चिट्टा (हेरोइन) के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने यह कार्रवाई रविवार शाम राष्ट्रीय राजमार्ग-05 पर सोफा कैंची (किंगल) के पास नाकाबंदी और जांच के दौरान की। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से बरामद नशीला पदार्थ जब्त कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, कुमारसैन थाना की टीम राष्ट्रीय राजमार्ग-05 पर सोफा कैंची के पास वाहनों और संदिग्ध लोगों की जांच कर रही थी। इसी दौरान पुलिस ने चार लोगों को रोककर उनकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान उनके पास से कुल 11.35 ग्राम चिट्टा बरामद हुआ। इसके बाद पुलिस ने चारों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान संजीव कुमार (41) पुत्र गंगा राम निवासी रामपुर, जिला शिमला, विक्रम (26) पुत्र खुब राम निवासी रामपुर, जिला शिमला, ललित कुमार (28) पुत्र बेसर सिंह निवासी सरकाघाट, जिला मंडी और कुलदीप (31) पुत्र गुरदास निवासी रामपुर, जिला शिमला के रूप में हुई है।

पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ कुमारसैन थाना में एनडीपीएस अधिनियम की धारा 21 और 29 के तहत मामला दर्ज किया है। बरामद चिट्टे को कब्जे में लेकर उसकी जांच भी करवाई जा रही है।

हाई कोर्ट : वेबसाइट पर रिजल्ट से ही माना जाएगा परीक्षा पास

◆ वेबसाइट पर रिजल्ट अपलोड होते ही मिली योग्यता

◆ वेबसाइट पर रिजल्ट से मिली योग्यता जूनियरों से पहले पदोन्नति का हक

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट ने कर्मचारियों के हित में एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए कहा है कि विभागीय परीक्षा का परिणाम यदि आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है, तो उसी दिन से कर्मचारी को परीक्षा उत्तीर्ण माना जाएगा। राजपत्र में अधिसूचना जारी होने में हुई देरी के कारण किसी कर्मचारी को पदोन्नति या वरिष्ठता के अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता।

न्यायमूर्ति जिया लाल भारद्वाज ने विजय कुमार शर्मा की याचिका स्वीकार करते हुए यह फैसला सुनाया। याचिकाकर्ताओं ने वर्ष 2011 और 2012 में जारी अंडर सेक्रेटरी पद की वरिष्ठता सूचियों को चुनौती दी थी।

मामले के अनुसार, याचिकाकर्ताओं ने सितंबर 2008 में विभागीय परीक्षा पास की थी। परीक्षा का परिणाम 1 अक्टूबर 2008 को विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया था, जबकि सरकार ने इसकी संयुक्त अधिसूचना 11 नवंबर 2008 को जारी की। इस दौरान 4 नवंबर 2008 को अंडर सेक्रेटरी के पद खाली हुए। विभाग ने यह कहते हुए याचिकाकर्ताओं को इन रिक्तियों के लिए अयोग्य मान लिया कि उनका परीक्षा परिणाम उस तारीख तक आधिकारिक रूप से अधिसूचित नहीं हुआ था।

इसके चलते याचिकाकर्ताओं के जूनियर कर्मचारियों को वर्ष 2008 की रिक्तियों पर पदोन्नति मिल गई, जबकि याचिकाकर्ताओं को वर्ष 2009 की रिक्तियों में पदोन्नत किया गया।

हाई कोर्ट ने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी कानून लागू होने के बाद डिजिटल माध्यम से प्रकाशित आधिकारिक जानकारी को वैध माना जाता है। वेबसाइट पर परिणाम अपलोड होते ही वह सार्वजनिक हो गया था और उसी दिन याचिकाकर्ताओं ने आवश्यक योग्यता हासिल कर ली थी।

कोर्ट ने 8 अगस्त 2012 की अंतिम वरिष्ठता सूची रद्द कर दी और राज्य सरकार को निर्देश दिया कि याचिकाकर्ताओं को उनके जूनियरों की पदोन्नति की तारीख से अंडर सेक्रेटरी पद पर पदोन्नत दी जाए। साथ ही उन्हें सभी परिणामी सेवा लाभ और वरिष्ठता का लाभ भी देने का आदेश दिया गया।

17 सितंबर से शुरु होगा भाजपा का सेवा संकल्प अभियान, घर-घर पहुंचेगा सेवा का संदेश

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। भारतीय जनता पार्टी देशभर में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक 'सेवा संकल्प अभियान' चलाएगी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में 25 वर्षों के सार्वजनिक सेवाकाल को समर्पित यह अभियान 17 सितंबर को उनके जन्मदिवस से शुरू होगा।

डॉ. बिंदल ने कहा कि राष्ट्रीय पदाधिकारी बैठक एवं कार्यशाला में अभियान को लेकर निर्णय लिया गया है। प्रधानमंत्री मोदी के 25 वर्षों के सेवाकाल में विकास, सुशासन, गरीब कल्याण और राष्ट्रहित को प्राथमिकता दी गई। इसी सेवा भावना को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने के उद्देश्य से एक महीने तक देशभर में विभिन्न जनसेवा कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि अभियान की शुरुआत रक्तदान शिविरों से होगी। इसके अलावा 'सेवा ज्योति यात्रा' समेत सामाजिक और जनसेवा से जुड़े कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। प्रधानमंत्री के 25 वर्षों के सेवाकाल के प्रतीक के रूप में लाखों लोग 25 मिनट तक समाजसेवा के किसी न किसी कार्य में योगदान देंगे।

डॉ. बिंदल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की 25 वर्षों की यात्रा सत्ता की नहीं, बल्कि सेवा, सुशासन और विकास की यात्रा रही है। स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क, पेयजल, बिजली, गरीब कल्याण, किसान कल्याण, युवा और महिला सशक्तीकरण सहित विभिन्न क्षेत्रों में समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने का प्रयास किया गया है।

हिमाचल में घर-घर पहुंचेगा सेवा का संदेश : डॉ. बिंदल ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में भी 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक अभियान के तहत व्यापक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसकी विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के लिए भाजपा प्रदेश कार्यालय शिमला में मैराथन बैठक होगी। इसमें कार्यक्रमों की रूपरेखा तय कर उन्हें बूथ और जमीनी स्तर तक पहुंचाने की रणनीति बनाई जाएगी।

उन्होंने कहा कि 'सेवा सर्वोपरि' भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्पष्ट संदेश है। पार्टी कार्यकर्ता प्रधानमंत्री के 25 वर्षों के सेवाभाव को हिमाचल में घर-घर और जन-जन तक पहुंचाएंगे।

हिमाचल विधानसभा के 68 क्षेत्र, छात्रों ने समझी लोकतंत्र की शक्ति

विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानियां ने विद्यार्थियों को सदन की कार्यप्रणाली समझाई

पठानियां ने छात्रों को विधानसभा देखने बुलाया

संवाद कार्यक्रम के बाद विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानियां ने सभी छात्र-छात्राओं को उसी दिन होने वाली विधानसभा की कार्यवाही देखने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र के तीसरे दिन की कार्यवाही देखने पहुंचे हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के राजनीति विभाग के छात्र-छात्राओं से विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानियां ने संवाद किया। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों को विधानसभा की कार्यप्रणाली, निर्वाचन क्षेत्रों, सरकार के गठन और विधानसभा अध्यक्ष की भूमिका के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

पठानियां ने कहा कि हिमाचल प्रदेश 1972 और 2007 के परिसीमन के तहत कुल 68 निर्वाचन क्षेत्रों में बंटा हुआ है। इनमें सामान्य वर्ग के साथ अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित निर्वाचन क्षेत्र भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि विधानसभा लोकतांत्रिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण सदन है, जहां जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधि प्रदेश से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा करते हैं और कानून निर्माण की प्रक्रिया में भाग लेते हैं।

छात्र-छात्राओं से संवाद के दौरान विधानसभा अध्यक्ष ने उनसे सवाल किया कि विधानसभा क्या है और इसका मुख्य कार्य क्या है। विद्यार्थियों ने जवाब देते हुए कहा कि विधानसभा चुने हुए जनप्रतिनिधियों का सदन है। विधानसभा के पास कानून बनाने का अधिकार है और संविधान ने उसे यह जिम्मेदारी प्रदान की है। पठानियां ने विद्यार्थियों के जवाबों की सराहना करते हुए विधानसभा की कार्यप्रणाली को और विस्तार से समझाया।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि चुनाव के बाद जिस राजनीतिक दल के पास आवश्यक बहुमत होता है, वह सरकार का गठन करता है। सरकार का मुखिया मुख्यमंत्री होता है। मुख्यमंत्री अपने मंत्रिमंडल का गठन करते हैं। हिमाचल प्रदेश में मुख्यमंत्री समेत मंत्रिमंडल की अधिकतम संख्या 12 निर्धारित है।

उन्होंने बताया कि विधानसभा अध्यक्ष का चुनाव भी विधानसभा के निर्वाचित सदस्यों द्वारा किया जाता है। अध्यक्ष का प्रमुख दायित्व सदन की कार्यवाही को निष्पक्ष, व्यवस्थित और निर्धारित नियमों के अनुसार संचालित करना है। अध्यक्ष सदन के दोनों पक्षों के बीच सामंजस्य बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

पठानियां ने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष सदन का सर्वोच्च संवैधानिक और प्रशासनिक प्रमुख होता है। वह विधानसभा की कार्यसूची और बहस को निर्धारित नियमों के अनुसार आगे बढ़ाता है। सदन में किस विषय पर कब चर्चा होगी और कौन सदस्य किस समय अपनी बात रखेगा, इसका संचालन भी अध्यक्ष द्वारा नियमों के अनुसार किया जाता है।

उन्होंने कहा कि सदन में अनुशासन बनाए रखना भी विधानसभा अध्यक्ष की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। यदि किसी स्थिति में अनुशासनहीनता होती है तो अध्यक्ष नियमों के तहत आवश्यक कार्रवाई कर सकते हैं। उनका उद्देश्य सदन की गरिमा, मर्यादा और लोकतांत्रिक परंपराओं को बनाए रखना होता है।

संवाद के दौरान विधानसभा अध्यक्ष ने विद्यार्थियों को लोकतांत्रिक संस्थाओं की कार्यप्रणाली को नजदीक से समझने के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि राजनीति और लोकतंत्र का अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों के लिए विधानसभा की कार्यवाही को प्रत्यक्ष देखना उपयोगी अनुभव हो सकता है।

चिड़गांव में अवैध भांग की खेती का खुलासा, मौके पर मिले 1,620 पौधे

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिमला जिले के चिड़गांव थाना क्षेत्र में पुलिस ने भांग की अवैध खेती का पर्दाफाश करते हुए 1,620 पौधे बरामद किए हैं। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान 20 पौधों को नमूने के रूप में कब्जे में लेकर सील कर दिया, जबकि शेष 1,600 पौधों को मौके पर ही नष्ट कर दिया गया।

पुलिस के अनुसार, 23 अगस्त को चिड़गांव थाना की टीम को धाकगांव में एक जमीन पर भांग की अवैध खेती किए जाने की सूचना मिली थी। सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की। इस दौरान जमीन पर कुल 1,620 भांग के पौधे अवैध रूप से उगाए हुए पाए गए।

कानूनी प्रक्रिया के तहत पुलिस ने 20 पौधों को नमूने के तौर पर अपने कब्जे में लेकर सील किया। बाकी पौधों को पुलिस टीम ने मौके पर ही नष्ट कर दिया। कार्रवाई के दौरान पटवारी, वार्ड सदस्य और रोहड़ू के एसडीपीओ भी मौजूद रहे।

पुलिस ने इस मामले में चिड़गांव निवासी 46 वर्षीय दीवान चंद के खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम की धारा 20 के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ जांच शुरू कर दी है।

एसएसपी शिमला गौरव सिंह ने बताया कि मामले की जांच जारी है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि जमीन पर भांग की खेती किस उद्देश्य से की जा रही थी। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि अवैध खेती के पीछे किसी अन्य व्यक्ति की संलिप्तता तो नहीं है। पुलिस मामले से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

विरोध भाजपा कार्यकर्ताओं ने जनविरोधी नीतियों और अधूरे वादों पर जताया रोष

ठियोग में सरकार के खिलाफ भाजपा का जोरदार प्रदर्शन

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश सरकार की नीतियों और कथित तौर पर अधूरे चुनावी वादों के खिलाफ भारतीय जनता युवा मोर्चा जिला महासू के नेतृत्व में संयुक्त मोर्चा ने सोमवार को ठियोग में जोरदार धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में भाजपा कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए जनहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों को उठाया और जनता से किए गए वादों को पूरा करने की मांग की।

प्रदर्शन से पहले ठियोग के सराय हॉल में कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित की गई। बैठक के बाद भाजपा और युवा मोर्चा के कार्यकर्ता सुभाष चौक से शाली बाजार होते हुए ठियोग बाजार पहुंचे। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने प्रदेश सरकार की नीतियों और कथित जनविरोधी फैसलों के खिलाफ नारेबाजी की तथा अपना विरोध दर्ज करवाया।

धरना-प्रदर्शन का आयोजन जिला अध्यक्ष अरुण फल्टा और युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष नवजोत शर्मा की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम में चौपाल विधानसभा क्षेत्र के विधायक बलबीर वर्मा, रोहड़ू विधानसभा क्षेत्र की पूर्व प्रत्याशी शशिबाला, जुब्बल-नावर-कोटखाई के पूर्व प्रत्याशी चेतन ब्राक्टा, ठियोग मंडल अध्यक्ष दुनीचंद कश्यप, जिला उपाध्यक्ष यशपाल शर्मा सहित भाजपा और युवा मोर्चा के कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

इसके अलावा युवा मोर्चा के प्रदेश महामंत्री सुशील कदशोली और प्रदेश उपाध्यक्ष सुनील शर्मा ने भी प्रदर्शन में भाग लिया। जिला महासू के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में धरना-प्रदर्शन में हिस्सा लिया।

कार्यकर्ताओं ने प्रदेश सरकार पर जनहित से जुड़े मुद्दों की अनदेखी करने का आरोप लगाया। उन्होंने सरकार की कथित झूठी गारंटियों और चुनाव के दौरान जनता से किए गए वादों को लेकर भी रोष जताया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि सरकार को जनता से किए गए वादों को गंभीरता से लेते हुए उन्हें पूरा करने के लिए प्रभावी कदम उठाने चाहिए।

भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने कहा कि जनहित के मुद्दों को लेकर उनका विरोध आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने प्रदेश सरकार से जनता की समस्याओं का समाधान करने और लंबित वादों को पूरा करने की मांग उठाई।

बरसात में बढ़ा वायरल संक्रमण, सावधानी और समय पर इलाज जरूरी

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। बरसात के मौसम में सर्दी-जुकाम, खांसी, बुखार और अन्य वायरल संक्रमण के मामलों में बढ़ोतरी देखी जा सकती है। इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल शिमला में भी वायरल फीवर के लक्षणों वाले मरीज पहुंच रहे हैं। अस्पताल प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वायरल संक्रमण को लेकर घबराने के बजाय जागरूक रहें और लक्षण दिखाई देने पर समय पर चिकित्सकीय सलाह लें।

चिकित्सकों ने विशेष रूप से बच्चों, बुजुर्गों और पहले से बीमार लोगों का ध्यान रखने की सलाह दी है। बारिश के मौसम में संक्रमण से बचाव के लिए व्यक्तिगत स्वच्छता पर विशेष ध्यान देना जरूरी है।

खांसी या छींक आने पर मुंह और नाक को ढकें तथा आवश्यकता पड़ने पर मास्क का इस्तेमाल करें। हाथों को साबुन और पानी से नियमित रूप से धोते रहें। बुखार, खांसी या जुकाम होने पर भीड़भाड़ वाले स्थानों पर जाने से बचें और दूसरों से उचित दूरी बनाए रखें।

घर में किसी व्यक्ति को वायरल संक्रमण होने पर बच्चों और बुजुर्गों के सीधे संपर्क को कम रखने की सलाह दी गई है। पर्याप्त मात्रा में पानी और अन्य तरल पदार्थ लें, पौष्टिक भोजन करें और शरीर को पर्याप्त आराम दें। बारिश में भीगने के बाद गीले कपड़े तुरंत बदलें।

चिकित्सकों ने बिना सलाह एंटीबायोटिक या अन्य दवाओं का सेवन न करने की अपील की है। तेज या लगातार बुखार, सांस लेने में परेशानी, अत्यधिक कमजोरी, लगातार उल्टी या स्वास्थ्य बिगड़ने पर तुरंत चिकित्सकीय सहायता लेनी चाहिए।

अस्पताल प्रशासन ने कहा कि वायरल फीवर के अधिकांश मामले उचित देखभाल और चिकित्सकीय सलाह से ठीक हो जाते हैं। लोगों को अफवाहों और अनावश्यक भय से बचते हुए स्वच्छता और सावधानी अपनानी चाहिए।

मॉडल प्रदर्शनी, पोस्टर और प्रश्नोत्तरी से विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच हुई विकसित

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर ठियोग में विद्यार्थियों ने दिखाया उत्साह

भारतेन्दु संवाददाता, ठियोग। राजकीय महाविद्यालय ठियोग में सोमवार को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस-2026 उत्साह और गरिमापूर्ण वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का संयुक्त आयोजन विज्ञान विभाग और भूगोल विभाग की ओर से किया गया। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को भारत की अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हासिल उपलब्धियों से परिचित कराने के साथ उनमें वैज्ञानिक जिज्ञासा और अंतरिक्ष अनुसंधान के प्रति रुचि विकसित करना था।

महाविद्यालय के सम्मेलन कक्ष में आयोजित कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. बी. एस. ठाकुर ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस अवसर पर करीब 70 विद्यार्थियों ने सक्रिय भागीदारी की। कार्यक्रम के दौरान 'जर्नी ऑफ इंडियन स्पेस रिसर्च' शीर्षक से एक वृत्तचित्र प्रदर्शित किया गया। इसमें भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम की विकास यात्रा, इसरो की प्रमुख उपलब्धियों, महत्वपूर्ण अंतरिक्ष अभियानों और अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत की बढ़ती क्षमताओं को दर्शाया गया।

वृत्तचित्र के माध्यम से विद्यार्थियों को भारत की अंतरिक्ष यात्रा के विभिन्न महत्वपूर्ण पड़ावों की जानकारी मिली। इस दौरान विद्यार्थियों को अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में देश की उपलब्धियों से प्रेरणा लेने और वैज्ञानिक सोच विकसित करने का संदेश भी मिला।

कार्यक्रम के तहत विभिन्न शैक्षणिक और रचनात्मक गतिविधियां आयोजित की गईं। विद्यार्थियों ने अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी से संबंधित विभिन्न मॉडलों की प्रदर्शनी लगाई। इन मॉडलों के माध्यम से विद्यार्थियों ने अंतरिक्ष से जुड़े विषयों को रचनात्मक तरीके से प्रस्तुत किया।

इसके अलावा विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा को बढ़ावा देने के लिए पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता आयोजित की गई। अंतरिक्ष विज्ञान, खगोल विज्ञान और भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम पर आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में भी विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया।

इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को अपने ज्ञान का विस्तार करने और वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने का अवसर मिला। मॉडल प्रदर्शनी, पोस्टर प्रतियोगिता और प्रश्नोत्तरी में विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी ने अंतरिक्ष विज्ञान के प्रति उनकी रुचि को प्रदर्शित किया। कार्यक्रम के समापन पर आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले विद्यार्थियों और प्राध्यापकों की सराहना की गई।

न्यूज ब्रीफ

छिद्दरवाला में गुलदार पकड़ने को लगेगा पिंजरा, बंदरों के लिए टीम गठित

अनिल थपलियाल। छिद्दरवाला के ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान गोकुल रमोला के नेतृत्व में ऋषिकेश विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. प्रेमचंद अग्रवाल से मुलाकात कर गुलदार और बंदरों के बढ़ते आतंक की समस्या उठाई।

◗ बंदरों के आतंक से परेशान ग्रामीणों की शिकायत पर विधायक डॉ. प्रेमचंद अग्रवाल ने दिए निर्देश

ग्रामीणों ने बताया कि वन क्षेत्र से सटे होने के कारण बंदरों की संख्या बढ़ रही है, जबकि गुलदार की आवासीय क्षेत्रों में आवाजाही से भय बना हुआ है। विधायक ने मामले का संज्ञान लेते हुए प्रभागीय वन अधिकारी देहरादून से वार्ता की और गुलदार पकड़ने के लिए पिंजरा लगाने तथा बंदरों को पकड़ने के लिए टीम गठित करने के निर्देश दिए।

एक देश, एक चुनाव संघीय ढांचे की भावना के अनुरूप नहीं : गरिमा दसौनी

अनिल थपलियाल। उत्तराखंड कांग्रेस की मुख्य प्रवक्ता गरिमा मेहरा दसौनी ने 'एक देश, एक चुनाव' की अवधारणा का विरोध करते हुए इसे लोकतंत्र और संघीय ढांचे के लिए उचित नहीं बताया। उन्होंने कहा कि भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में केंद्र और राज्यों के मुद्दे अलग होते हैं, इसलिए जनता को अलग-अलग समय पर सरकार चुनने का अधिकार मिलना चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि किसी राज्य की सरकार बहुमत खो दे या विधानसभा भंग हो जाए तो नई सरकार के गठन में देरी कैसे उचित होगी। गरिमा ने कहा कि चुनावी सुधार जरूरी हैं, लेकिन जनता के मतदान अधिकार, राज्यों की स्वायत्तता और संविधान के संघीय ढांचे से समझौता नहीं किया जा सकता।

स्कूल जाने के बाद लापता हुई बालिका 24 घंटे में देहरादून से बरामद

भारतेंदु संवाददाता, उदित नैनवाल। थराली में स्कूल जाने के लिए घर से निकली नाबालिग बालिका के लापता होने की सूचना पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उसे 24 घंटे के भीतर देहरादून से सकुशल बरामद कर लिया। 22 अगस्त को परिजनों की शिकायत पर थाना थराली में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस अधीक्षक चमोली के निर्देश पर गठित टीम ने परिजनों से जानकारी जुटाकर संभावित स्थानों पर तलाश शुरू की। थानाध्यक्ष विनोद चौरसिया के नेतृत्व में पुलिस टीम के लगातार प्रयासों से बालिका का पता चला। आवश्यक काउंसिलिंग के बाद उसे सकुशल परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। परिजनों ने पुलिस का आभार जताया।

उत्तराखंड में अगले पांच दिन भारी बारिश का अलर्ट

ऋषिकेश में चेतावनी स्तर के करीब पहुंची गंगा

◆ मानसून की सक्रियता से उत्तराखंड में बढ़ा बाढ़ और भूस्खलन का खतरा

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून

उत्तराखंड में मानसून सक्रिय रहने के बीच लगातार हो रही बारिश से कई नदियों का जलस्तर बढ़ रहा है। ऋषिकेश में गंगा का जलस्तर चेतावनी निशान के करीब पहुंच गया है। वहीं मौसम विभाग ने राज्य में अगले पांच दिनों तक पर्वतीय क्षेत्रों में तेज से अति तेज बारिश, आकाशीय बिजली और कई जिलों में भारी वर्षा की संभावना जताई है। इसके मद्देनजर प्रशासन और आपदा प्रबंधन तंत्र को सतर्क किया गया है।

मौसम विभाग के अनुसार आज राज्य के पर्वतीय जनपदों में कहीं-कहीं गर्जन के साथ आकाशीय बिजली चमकने तथा वर्षा के तीव्र से अति तीव्र दौर की संभावना है। देहरादून, पिथौरागढ़, नैनीताल और बागेश्वर में कहीं-कहीं भारी वर्षा हो सकती है। हरिद्वार और ऊधमसिंह नगर में गर्जन के साथ आकाशीय बिजली चमकने की संभावना है।

26, 27 और 28 अगस्त को भी पर्वतीय जनपदों में मौसम का यही मिजाज बने रहने का अनुमान है। इससे पहले 23 अगस्त को देहरादून, उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, नैनीताल और बागेश्वर में भारी वर्षा की संभावना जताई गई थी।

> **राज्य** आपातकालीन परिचालन केंद्र की सोमवार सुबह जारी दैनिक जलस्तर एवं बाढ़ पूर्वानुमान रिपोर्ट के अनुसार ऋषिकेश में गंगा का जलस्तर 338.98 मीटर दर्ज किया गया, जो चेतावनी निशान 339.50 मीटर से महज 0.52 मीटर नीचे है। यहां पिछले 24 घंटे में 12 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई और जलस्तर का रुझान बढ़ने का है।

> **हरिद्वार** में गंगा का जलस्तर 291.86 मीटर रहा, जबकि चेतावनी निशान 293 मीटर और खतरे का स्तर 294 मीटर है। देवप्रयाग में गंगा का जलस्तर 456.82 मीटर दर्ज किया गया। श्रीनगर में अलकनंदा 533.40 मीटर पर रही, जबकि चेतावनी निशान 535 मीटर है। बद्रीनाथ में अलकनंदा का जलस्तर 3111.42 मीटर, जोशीमठ में 1374.92 मीटर और रुद्रप्रयाग में 624.75 मीटर दर्ज किया गया।

जनसंवाद में मुख्यमंत्री धामी ने सुनीं समस्याएं

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय स्थित मुख्य सेवक सदन में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों की समस्याएं सुनीं। लोगों ने जनसमस्याओं के साथ क्षेत्रीय विकास से जुड़े मुद्दे और सुझाव भी मुख्यमंत्री के सामने रखे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित और प्रभावी समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनसमस्याओं का समयबद्ध निस्तारण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। इस दौरान दिव्यांग कुलदीप की समस्या सुनकर मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने और ट्राईसाइकिल देने के निर्देश दिए। विभिन्न कर्मचारी संगठनों, शिक्षक संघों, पूर्व सैनिकों और अन्य प्रतिनिधिमंडलों ने भी मुख्यमंत्री से मुलाकात कर अपनी मांगें रखीं। मुख्यमंत्री ने सभी मामलों में नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

◆ दिव्यांग कुलदीप को तत्काल आर्थिक सहायता और ट्राईसाइकिल देने के निर्देश

सांसद माला राज्य लक्ष्मी शाह के जन्मदिवस पर मरीजों को बांटे फल

अनिल थपलियाल

देहरादून में टिहरी गढ़वाल की सांसद माला राज्य लक्ष्मी शाह का जन्मदिवस सेवा, संवेदना और जनकल्याण के भाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर जिला अस्पताल कोरोनेशन और सामुदायिक अस्पताल रायपुर में भर्ती मरीजों को फल वितरित किए गए तथा उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की गई। उपस्थित लोगों ने मरीजों और उनके परिजनों से आत्मीयता के साथ कुशलक्षेम पूछी। वक्ताओं ने कहा कि जन्मदिवस को जरूरतमंदों की सेवा से जोड़ना मानवीय संवेदना और सामाजिक जिम्मेदारी का प्रेरक उदाहरण है। कार्यक्रम में डॉ. यतेन्द्र सिंह, रजनीश कौंसवाल, पारस गोयल, ललित शौर्य, राजेश राणा, आशीष रतूड़ी, सुनील डोभाल और दिवाकर नौटियाल सहित अनेक लोग उपस्थित रहे। सभी ने सांसद को स्वस्थ, दीर्घायु और यशस्वी जीवन की शुभकामनाएं दीं।

जाति और वर्ग के नाम पर नफरत फैलाने वालों पर बरसे रामदेव

बच्चों को आंदोलन में धकेलना लोकतंत्र के मूल्यों के खिलाफ : बाबा रामदेव

◆ हंगामे से नहीं जनता के वोट से बनता है प्रधानमंत्री: बाबा रामदेव

भारतेंदु संवाददाता, हरिद्वार

हरिद्वार में योगगुरु स्वामी रामदेव ने विपक्ष पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि सड़कों और संसद में हंगामा तथा अराजकता फैलाकर लोकतंत्र को बंधक बनाने की कोशिश नहीं होनी चाहिए। उन्होंने विशेष रूप से आंदोलन में छोटे बच्चों को शामिल किए जाने पर आपत्ति जताई। रामदेव ने कहा कि पांच से दस वर्ष के बच्चों को राजनीतिक आंदोलनों में आगे करना लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध है। यदि किसी मुद्दे को लेकर विरोध करना है तो वयस्क नागरिक लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण तरीके से अपनी आवाज उठा सकते हैं।

बाबा रामदेव ने वंदे मातरम् विवाद पर भी रखी बात

वंदे मातरम् को लेकर चल रहे विवाद पर स्वामी रामदेव ने कहा कि इसे केवल धार्मिक दृष्टिकोण से देखने के बजाय भारतीय संस्कृति और इतिहास के संदर्भ में समझने की आवश्यकता है। उन्होंने वंदे मातरम् को भारत माता के प्रति समर्पण, कर्तव्य, विद्या और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक बताया। उनके अनुसार देश और राष्ट्र के प्रति सम्मान की भावना को किसी विवाद का विषय नहीं बनाया जाना चाहिए।

कंगना विवाद पर भी बोले रामदेव

कंगना रनौत के साथ चल रहे विवाद को लेकर पूछे गए सवाल पर रामदेव ने कहा कि वह ओछे लोगों पर टिप्पणी नहीं करना चाहते। इससे पहले रामदेव ने कंगना की ओर से पीढ़ी को लेकर की गई टिप्पणी पर प्रतिक्रिया दी थी। इसके बाद दोनों के बीच सोशल मीडिया के माध्यम से बयानबाजी सामने आई थी। हरिद्वार के संत समागम में अखाड़ा परिषदों के पदाधिकारियों सहित देशभर के कई संत और महामंडलेश्वर मौजूद रहे।

विकास को लेकर सरकार की सराहना

रामदेव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्र सरकार के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि देश को विकास की नई दिशा मिली है। उन्होंने बुनियादी ढांचे, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, अर्थव्यवस्था और तकनीक के क्षेत्रों में किए जा रहे प्रयासों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए विकास की गति को और तेज करने की जरूरत है।

सिलक्यारा सुरंग में फिर भूस्खलन, डेढ़ किलोमीटर अंदर गिरा मलबा

भारतेंदु संवाददाता, उत्तरकाशी

यमुनोत्री हाईवे पर निर्माणाधीन सिलक्यारा-पोलगांव सुरंग में सोमवार को एक बार फिर भूस्खलन होने से मलबा गिरने की घटना सामने आई है। बताया गया कि पोलगांव-बड़कोट छोर से करीब डेढ़ किलोमीटर अंदर सुरंग में मलबा गिरा, जिससे सुरंग के भीतर बड़ी मात्रा में मलबा फैल गया। घटना के बाद निर्माणाधीन सुरंग की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं। हालांकि निर्माण कंपनी ने किसी भी तरह की चिंताजनक स्थिति से इनकार किया है। कंपनी के परियोजना प्रबंधक के अनुसार सुरंग निर्माण के दौरान मलबा गिरना सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा है और गिरे हुए मलबे को बाहर निकालने का काम किया जा रहा है।

गौरतलब है कि वर्ष 2023 में इसी सिलक्यारा सुरंग में सिलक्यारा छोर से करीब 200 मीटर अंदर भारी भूस्खलन हुआ था। इस हादसे में सुरंग निर्माण में लगे 41 श्रमिक अंदर फंस गए थे और उन्हें 17 दिनों तक चले बचाव अभियान के बाद सुरक्षित बाहर निकाला गया था। इसके बाद भी सुरंग में भूस्खलन की घटनाएं सामने आती रही हैं।

सुरंग का निर्माण वर्ष 2018 में शुरू हुआ था। तकनीकी दिक्कतों के कारण इसका काम निर्धारित समय पर पूरा नहीं हो पाया। वर्ष 2024 में सुरंग को आर-पार किया गया और वर्तमान में करीब 90 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा बताया गया है। 4.5 किलोमीटर लंबी इस सुरंग को मार्च 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

अगस्त्यमुनि में 9-10 सितंबर को होंगे क्रीड़ा छात्रावासों के चयन ट्रायल

भारतेंदु संवाददाता, उदित नैनवाल

खेल विभाग के अधीन संचालित आवासीय क्रीड़ा छात्रावासों में प्रवेश के लिए जिला स्तरीय चयन ट्रायल 9 और 10 सितंबर को स्पोर्ट्स स्टेडियम अगस्त्यमुनि में आयोजित किए जाएंगे। प्रभारी जिला क्रीड़ा अधिकारी मनोज सिंह चौहान ने बताया कि फुटबॉल, बॉक्सिंग और एथलेटिक्स में बालक-बालिका दोनों वर्गों के खिलाड़ी प्रतिभाग कर सकेंगे। वॉलीबॉल, क्रिकेट और बैडमिंटन में केवल बालक तथा हॉकी में केवल बालिका वर्ग के खिलाड़ी चयन प्रक्रिया में शामिल होंगे। ट्रायल नौ सितंबर को सुबह सात बजे से शुरू होंगे। प्रतिभागियों की आयु 16 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। इच्छुक खिलाड़ी निर्धारित समय पर आवश्यक प्रमाण पत्रों के साथ स्टेडियम पहुंचें। खेल विभाग ने जिले के प्रतिभावान खिलाड़ियों से अधिक संख्या में चयन ट्रायल में शामिल होने की अपील की है।

सतपाल महाराज ने केंद्रीय मंत्री मांझी से की शिष्टाचार भेंट

अनिल थपलियाल

कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने सोमवार को बीजापुर गेस्ट हाउस में केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने उत्तराखंड में पर्यटन क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों और प्रदेश में संचालित विभिन्न विकास परियोजनाओं की जानकारी केंद्रीय मंत्री को दी। दोनों के बीच प्रदेश के विकास से जुड़े विषयों पर चर्चा हुई।

'पहाड़ होगा, आने वाला कल' कार्यक्रम में युवाओं से मुखातिब हुए विजेन्द्र रावत

भारतेंदु संवाददाता,एल मोहन लखेड़ा

देहरादून के दून पुस्तकालय एवं शोध केंद्र में सोमवार को 'युवा संवाद कार्यशाला : पहाड़ होगा, आने वाला कल' का आयोजन किया गया। कार्यशाला में पहाड़ से पलायन की चुनौती और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ाने पर चर्चा हुई। वरिष्ठ सामाजिक चिंतक एवं लेखक विजेंद्र रावत ने कहा कि रोजगार का अर्थ केवल सरकारी नौकरी हासिल करना नहीं है। पहाड़ की जमीन, जल, जंगल, कृषि, बागवानी, पशुपालन, पर्यटन और स्थानीय ज्ञान को आधुनिक तकनीक तथा बाजार से जोड़कर युवाओं के लिए रोजगार के अनेक अवसर तैयार किए जा सकते हैं। उन्होंने गांव लौटकर उद्यमिता शुरू करने वाले युवाओं के उदाहरण साझा करते हुए कहा कि नई सोच और मेहनत से पलायन की दिशा बदली जा सकती है।

युवा उद्यमी विक्रम पंवार ने कहा कि छोटे स्तर से शुरू किया गया काम सही योजना, तकनीक और बाजार की समझ के साथ अच्छी आय का माध्यम बन सकता है। बागवानी उद्यमी इंद्रसिंह नेगी ने गांवों को रोजगार और उद्यमिता के केंद्र के रूप में विकसित करने पर जोर दिया। संवाद में युवाओं ने कृषि, पर्यटन, स्वरोजगार और स्थानीय उत्पादों के विपणन से जुड़े सवाल उठाए। कार्यक्रम में युवाओं को स्थानीय संसाधनों की पहचान कर उन्हें रोजगार से जोड़ने के लिए प्रेरित किया गया।

नारी निकेतन की बालिकाओं को मिला विशेष ग्रूमिंग प्रशिक्षण

अनिल थपलियाल

देहरादून में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की पहल पर नारी निकेतन और बालिका निकेतन में विशेष हेयर ग्रूमिंग एवं पर्सनल केयर कक्षा आयोजित की गई। कार्यक्रम में 155 संवासिनियों और 18 बालिकाओं ने भाग लिया। आईबीआई इंटरनेशनल की 35 सदस्यीय टीम ने हेयर कटिंग, हेयर ग्रूमिंग, आइब्रो ग्रूमिंग तथा व्यक्तिगत स्वच्छता से जुड़ी जानकारी और सेवाएं प्रदान कीं। पहल का उद्देश्य प्रतिभागियों में स्वच्छता, आत्मसम्मान और आत्मविश्वास बढ़ाना रहा। सचिव सीमा डुंगराकोटी ने कहा कि ग्रूमिंग केवल रूप-रंग तक सीमित नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और मानसिक प्रसन्नता से भी जुड़ी है।

सशक्त बहना उत्सव योजना से महिलाओं को मिल रहा स्वरोजगार का मंच

भारतेंदु संवाददाता, उदित नैनवाल

मुख्यमंत्री सशक्त बहना उत्सव योजना के तहत सोमवार को गोपेश्वर कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वर्चुअल माध्यम से स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं से संवाद किया। उन्होंने महिलाओं द्वारा किए जा रहे स्वरोजगार और आजीविका संवर्धन के कार्यों की जानकारी लेकर उनके प्रयासों की सराहना की। नीरजा पंवार ने बताया कि उनके सिलाई केंद्र में ग्रामीण महिलाओं को प्रशिक्षण देकर रोजगार से जोड़ा जा रहा है। महिलाएं राखी, बिजंती की माला और पिरूल से उत्पाद तैयार कर आय अर्जित कर रही हैं। वहीं नंदी राणा ने बताया कि स्वयं सहायता समूह की महिलाएं संडे मार्केट में हस्तनिर्मित वस्तुओं, कुशन कवर, पंखी और राखियों की बिक्री कर रही हैं।

जिले के विभिन्न विकासखंडों में 30 से अधिक स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं योजना के माध्यम से अपने स्थानीय उत्पादों को बाजार उपलब्ध करा रही हैं। इससे महिलाओं की आय बढ़ने के साथ आर्थिक आत्मनिर्भरता भी मजबूत हो रही है। कार्यक्रम में जिलाधिकारी गौरव कुमार, मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

कुंभ से पहले हरिद्वार में पीएनजी का बुनियादी ढांचा होगा मजबूत

कुंभ-2027 से पहले हरिद्वार में पीएनजी के सभी कार्य पूरे हों : आनन्द बर्द्धन

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून

मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने सोमवार को सचिवालय में प्रदेश में बिछाई जा रही पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) पाइपलाइन और कनेक्शन कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने विभागीय अधिकारियों, गैस कंपनियों और जिलाधिकारियों के साथ बैठक कर कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने गैस कंपनियों और संबंधित एजेंसियों को कार्यों की गति बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बारिश का मौसम समाप्त होने और सड़क खुदाई की अनुमति मिलते ही पीएनजी पाइपलाइन बिछाने का कार्य युद्धस्तर पर शुरू किया जाए। विशेष रूप से हरिद्वार में कुंभ-2027 से पहले पीएनजी से संबंधित सभी आवश्यक कार्य पूरे करने के निर्देश दिए।

उन्होंने सभी जिलों में संबंधित एजेंसियों को अपनी कार्ययोजना प्रस्तुत करने को कहा, ताकि जिन क्षेत्रों में नई सड़कें अथवा अन्य निर्माण कार्य प्रस्तावित हैं, वहां पहले से ही पीएनजी पाइपलाइन का प्रावधान किया जा सके। इससे भविष्य में बार-बार सड़क खोदने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी और समय एवं संसाधनों की बचत होगी।

मुख्य सचिव ने आपूर्ति विभाग को पीएनजी इंफ्रास्ट्रक्चर के विस्तार के लिए गैस कंपनियों को भूमि आवंटन, किराये और लीज पर भूमि उपलब्ध कराने के संबंध में स्पष्ट नीति शीघ्र तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इससे विभिन्न जिलों में पीएनजी प्लांट और अन्य आवश्यक बुनियादी ढांचे के लिए भूमि हस्तांतरण से जुड़ी समस्याओं का समाधान होगा।

उन्होंने प्रस्तावित नीति में रोड कटिंग और रोड डिगिंग नीति को भी शामिल करने के निर्देश दिए। साथ ही सड़कों एवं अन्य सार्वजनिक परिसंपत्तियों को निर्धारित शर्तों के अनुसार पूर्व स्वरूप में लाने का कार्य शीघ्र पूरा करने को कहा।

मोबाइल नेटवर्क के इंतजार में सुतोल गांव, जरूरी संपर्क के लिए गांव से बाहर जाने को मजबूर ग्रामीण

भारतेंदु संवाददाता, गिरीश चंदोला

◆ नेटवर्क के लिए पहाड़ी रास्तों की दूरी तय करते हैं सुतोल के ग्रामीण

चमोली जिले के दूरस्थ सुतोल गांव में मोबाइल नेटवर्क की सुविधा नहीं होने से ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। डिजिटल इंडिया के दौर में जहां गांव-गांव तक संचार सुविधा पहुंचाने के दावे किए जा रहे हैं, वहीं सुतोल के लोग आज भी नेटवर्क का इंतजार कर रहे हैं। मोबाइल कनेक्टिविटी के अभाव में ग्रामीणों को परिजनों से बातचीत करने, अधिकारियों तक शिकायत पहुंचाने और जरूरी सूचनाएं देने के लिए गांव से बाहर जाना पड़ता है। आपात स्थिति में यह समस्या और गंभीर हो जाती है। ग्रामीणों का कहना है कि बैंकिंग, शिक्षा, रोजगार और सरकारी सेवाओं के लिए मोबाइल आज आवश्यक बन चुका है। इसके बावजूद गांव में नेटवर्क नहीं होना विकास के दावों पर सवाल खड़े करता है। ग्रामीणों ने जल्द स्थायी मोबाइल नेटवर्क उपलब्ध कराने की मांग की है।

चमोली पुलिस कार्यालय में बहनों ने बांधी प्यार और सम्मान की राखी

भारतेंदु संवाददाता, उदित नैनवाल। रक्षाबंधन से पहले राष्ट्रीय सेविका समिति और ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की बहनों ने चमोली पुलिस कार्यालय पहुंचकर पुलिस अधिकारियों को राखी बांधी। समिति की बहनों ने अपने हाथों से तैयार हस्तनिर्मित और क्रोशिया की राखियां पुलिस अधीक्षक सुरजीत सिंह पंवार और पुलिस उपाधीक्षक मदन सिंह बिष्ट की कलाई पर बांधी। बहनों ने अधिकारियों के स्वस्थ, सुरक्षित और सुखद जीवन की कामना की। पुलिस अधिकारियों ने उनके स्नेह और सम्मान के लिए आभार जताया। पुलिस ने कहा कि समाज की बहनों का यह प्यार खाकी का हौसला बढ़ाने के साथ भावनात्मक जुड़ाव भी मजबूत करता है।

स्थानीय उत्पाद अपनाएं, मातृशक्ति के हुनर को सम्मान दें: मुख्यमंत्री धामी

मुख्यमंत्री ने महिला समूहों के स्टॉलों का किया शुभारंभ

अनिल थपलियाल

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को सचिवालय में मुख्यमंत्री सशक्त बहना उत्सव योजना के तहत स्वयं सहायता समूहों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का शुभारंभ और अवलोकन किया। उन्होंने महिलाओं द्वारा तैयार राखियों और विभिन्न स्थानीय उत्पादों की जानकारी ली तथा प्रदेश के सभी जिलों से वर्चुअल माध्यम से जुड़ी महिलाओं से संवाद किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगले वर्ष से रक्षाबंधन से 15 दिन पहले सशक्त बहना उत्सव शुरू कर इसे पखवाड़ेभर आयोजित किया जाएगा। इससे स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को अपने उत्पादों की बिक्री के लिए अधिक समय और बेहतर बाजार उपलब्ध होगा, जिससे उनकी आय बढ़ेगी। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों से स्टॉलों से खरीदारी कर महिलाओं को प्रोत्साहित करने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्थानीय उत्पादों को अपनाना ही वोकल फॉर लोकल की वास्तविक भावना है। इससे मातृशक्ति के हुनर को सम्मान मिलने के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि महिलाएं खेती, पशुपालन और अन्य आजीविका गतिविधियों के साथ सफल उद्यमी के रूप में आगे बढ़ रही हैं। सरकार महिलाओं के आर्थिक और सामाजिक सशक्तीकरण के लिए लगातार कार्य कर रही है।

41 लाख चालान के बाद भी नहीं सुधरे पंजाब के वाहन चालक

सख्ती बढ़ी तो चालान हुए दोगुने, कैमरों से कार्रवाई तेज, मगर लंबित चालानों का बढ़ता गया बोझ

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़।

पंजाब में यातायात नियमों का उल्लंघन रोकने के लिए पुलिस की ओर से लगातार सख्ती की जा रही है। सड़कों पर निगरानी के लिए कैमरों का दायरा बढ़ाया गया है और ई-चालान व्यवस्था को मजबूत किया गया है। इसके बावजूद वाहन चालकों की आदतों में अपेक्षित बदलाव नजर नहीं आ रहा है। आंकड़े बताते हैं कि चालान की संख्या लगातार बढ़ रही है, लेकिन नियमों का उल्लंघन भी जारी है।

वर्ष 2026 में छह अगस्त तक पंजाब में 41,37,775 ई-चालान जारी किए जा चुके हैं। यह संख्या वर्ष 2025 में पूरे साल जारी किए गए करीब 20.46 लाख चालानों के दोगुने से भी अधिक है। यानी सात महीने से भी कम समय में पुलिस ने पिछले पूरे साल की तुलना में दोगुने से ज्यादा चालान काट दिए हैं।

कैमरे बढ़े तो कार्रवाई कई गुना बढ़ी : पंजाब में कैमरा आधारित निगरानी और ई-चालान व्यवस्था का विस्तार होने से नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों की पहचान पहले की तुलना में आसान हो गई है। आंकड़ों के अनुसार वर्ष

2021 में प्रदेश में 53,973 चालान जारी हुए थे। वर्ष 2022 में यह संख्या 51,870 और 2023 में 72,790 रही।

वर्ष 2024 में चालानों की संख्या अचानक बढ़कर करीब 3.98 लाख हो गई। इसके बाद 2025 में इसमें बड़ा उछाल आया और पूरे साल में 20.46 लाख चालान जारी किए गए। अब 2026 में छह अगस्त तक ही 41.38 लाख के करीब चालान काटे जा चुके हैं।

इससे स्पष्ट है कि पुलिस और प्रशासन की निगरानी व्यवस्था पहले की तुलना में काफी मजबूत हुई है। कैमरों के माध्यम से लालबत्ती पार करने, तेज गति, गलत पार्किंग और अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की जा रही है।

चालान बढ़े, लेकिन व्यवहार नहीं बदला : चालानों की बढ़ती संख्या का दूसरा पहलू चिंता पैदा करता है। लगातार कार्रवाई के बावजूद बड़ी संख्या में वाहन चालक नियमों की अनदेखी कर रहे हैं। इससे सवाल उठ रहा है कि क्या केवल जुर्माना लगाने से लोगों की आदत बदली जा सकती है।

पहले सड़क पर पुलिसकर्मी की मौजूदगी कार्रवाई का प्रमुख माध्यम थी, लेकिन अब कैमरों के कारण नियम तोड़ने वालों पर निगरानी लगातार बनी रहती है। इसके बावजूद उल्लंघन जारी रहना बताता है कि समस्या केवल निगरानी की नहीं, बल्कि वाहन चालकों के व्यवहार और यातायात अनुशासन से भी जुड़ी है।

चालान बढ़े, राजस्व घटा : आंकड़ों का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि चालानों की संख्या बढ़ने के बावजूद सरकार को मिलने वाला राजस्व उसी अनुपात में नहीं बढ़ा। वर्ष 2025 में 20.46 लाख चालानों से सरकार को करीब 123.04 करोड़ रुपये प्राप्त हुए थे। वहीं 2026 में छह अगस्त तक 41.38 लाख चालान जारी होने के बावजूद राजस्व केवल 49.02 करोड़ रुपये रहा।

प्रति चालान औसत राजस्व में भी लगातार कमी आई है। वर्ष 2024 में यह करीब 1370 रुपये था, जो 2025 में घटकर करीब 601 रुपये और 2026 में अब तक केवल 118 रुपये रह गया है। इससे बड़ी संख्या में चालानों के लंबित रहने या उनकी वसूली नहीं होने की स्थिति का संकेत मिलता है।

सड़क सुरक्षा सबसे बड़ा उद्देश्य: ट्रैफिक चालान का मुख्य उद्देश्य सरकार का राजस्व बढ़ाना नहीं, बल्कि वाहन चालकों को नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित करना और सड़क हादसों को कम करना है। ऐसे में 41 लाख से अधिक चालान जारी होना तभी प्रभावी माना जाएगा, जब इससे यातायात नियमों के उल्लंघन में कमी आए।

बठिंडा में 26 अगस्त को सात जिलों की एनआरआई मिलनी होगी आयोजित

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़।

पंजाब सरकार की ओर से प्रवासी पंजाबियों की समस्याओं के समाधान के लिए आयोजित की जा रही एनआरआई मिलनियों का सिलसिला जारी है। इसी कड़ी में 26 अगस्त को बठिंडा में एनआरआई मिलनी आयोजित की जाएगी। इसमें बठिंडा समेत सात जिलों से संबंधित प्रवासी पंजाबी हिस्सा लेकर अपनी शिकायतें और समस्याएं सीधे अधिकारियों के समक्ष रख सकेंगे।

एनआरआई मामलों के मंत्री डॉ. रवजोत सिंह ने बताया कि मिलनी बुधवार को सुबह 11 बजे होटल सेपल, जीटी रोड, निकट तिकोनी, बठिंडा में आयोजित होगी। इसमें बठिंडा, मोगा, फिरोजपुर, फरीदकोट, फाजिल्का, श्री मुक्तसर साहिब और मानसा जिलों से संबंधित प्रवासी भारतीय शामिल होंगे।

मंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य प्रवासी पंजाबियों के साथ सीधा संवाद स्थापित करना और उनकी समस्याओं को मौके पर सुनवाई कर संबंधित विभागों के समन्वय से समाधान सुनिश्चित करना है। मिलनी के दौरान प्रवासी पंजाबी अपनी संपत्ति, पारिवारिक, प्रशासनिक, कानूनी और अन्य मामलों से जुड़ी शिकायतें

अधिकारियों के सामने रख सकेंगे।

मौके पर होगी शिकायतों की सुनवाई : एनआरआई मिलनी में संबंधित विभागों के वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी रहेगी। अधिकारी प्रवासी पंजाबियों की शिकायतों को सुनकर संबंधित मामलों की जानकारी लेंगे और आवश्यक कार्रवाई के लिए उन्हें संबंधित विभागों तक पहुंचाएंगे। इससे लंबे समय से लंबित मामलों के समाधान की प्रक्रिया में तेजी आने की उम्मीद है।

सरकार का प्रयास है कि विदेशों में रहने वाले पंजाबियों को अपनी संपत्ति, परिवार या अन्य प्रशासनिक एवं कानूनी मामलों के समाधान के लिए बार-बार पंजाब आने और अलग-अलग सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने की जरूरत न पड़े। ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से सरकार और प्रवासी पंजाबियों के बीच सीधा संवाद कायम करने पर जोर दिया जा रहा है।

मोहाली और लुधियाना में हो चुकी हैं मिलनियां : डॉ. रवजोत सिंह ने बताया कि बठिंडा से पहले मोहाली और लुधियाना में दो एनआरआई मिलनियां आयोजित की जा चुकी हैं। इन कार्यक्रमों में कुल आठ जिलों से संबंधित प्रवासी पंजाबियों की शिकायतों और विभिन्न समस्याओं की सुनवाई की गई थी।

बठिंडा में होने वाली मिलनी में सात जिलों के प्रवासियों को अपनी समस्याएं रखने का अवसर मिलेगा। सरकार का मानना है कि इस तरह के कार्यक्रमों से प्रवासी पंजाबियों की शिकायतों का समाधान तेजी से करने के साथ प्रशासनिक व्यवस्था में जवाबदेही भी बढ़ेगी।

परीक्षा कक्ष में चन्नी की तस्वीर से मचा बवाल, नियमों पर उठे गंभीर सवाल

परीक्षा कक्ष में तस्वीर सामने आने पर पूर्व मेयर ने जांच की उठाई मांग

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब विश्वविद्यालय में पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के एमए लोक प्रशासन की परीक्षा देने के दौरान परीक्षा कक्ष के भीतर की तस्वीर सामने आने के बाद परीक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं। चंडीगढ़ के पूर्व मेयर और पंजाब विश्वविद्यालय के पूर्व सीनेट एवं सिंडिकेट सदस्य देवेश मौदगिल ने विश्वविद्यालय प्रशासन से मामले की जांच कर नियमों का समान रूप से पालन सुनिश्चित करने की मांग की है।

मौदगिल ने पंजाब विश्वविद्यालय के चांसलर सीपी राधाकृष्णन, कुलपति मीनाक्षी गोयल, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान तथा पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया को पत्र भेजकर मामले में कार्रवाई की मांग की है।

उन्होंने कहा कि 21 अगस्त को प्रकाशित तस्वीर में चन्नी परीक्षा कक्ष के भीतर परीक्षा देते दिखाई दे रहे हैं। ऐसे में यह स्पष्ट होना चाहिए कि तस्वीर किस व्यक्ति ने और किस उपकरण से खींची। मौदगिल के अनुसार परीक्षा केंद्र में मोबाइल

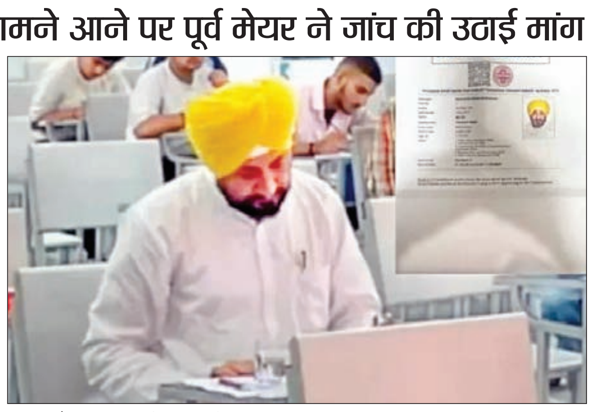

फोन, कैमरा, स्मार्ट वाच, ईयरफोन, टैबलेट और लैपटॉप जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरण प्रतिबंधित होते हैं। ऐसे में तस्वीर लेने वाला उपकरण परीक्षा कक्ष तक कैसे पहुंचा, इसकी जांच जरूरी है।

मौदगिल ने यह भी सवाल उठाया कि यदि चन्नी को निर्धारित परीक्षा के बजाय किसी विशेष अवसर के तहत परीक्षा देने की अनुमति दी गई थी, तो यह किस नियम और श्रेणी के अंतर्गत दी गई। उन्होंने विशेष अवसर से संबंधित आवेदन, उसका कारण, संबंधित श्रेणी और सक्षम अधिकारी की मंजूरी से जुड़ी जानकारी सार्वजनिक करने की मांग की।

उन्होंने 20 अगस्त को हुई परीक्षा की सीसीटीवी रिकॉर्डिंग सुरक्षित रखने की भी मांग की है। उनका कहना है कि रिकॉर्डिंग से परीक्षा केंद्र में प्रवेश करने वाले लोगों और प्रतिबंधित उपकरणों के इस्तेमाल से जुड़े सवालों की जांच में मदद मिल सकती है।

मौदगिल ने कहा कि सामान्य विद्यार्थी के पास प्रतिबंधित इलेक्ट्रॉनिक उपकरण मिलने पर यूएमसी के तहत कार्रवाई की जाती है।

पंजाब की दो यूनिवर्सिटियों को मिले नए उप कुलपति

भारतेंदु संवाददाता, फरीदकोट। पंजाब सरकार ने राज्य की दो प्रमुख यूनिवर्सिटियों में नए उप कुलपतियों की नियुक्ति की है। डॉ. राजिंदर बांसल को बाबा फरीद यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज, फरीदकोट का वाइस चांसलर नियुक्त किया गया है। उनका कार्यकाल तीन वर्ष का होगा। वहीं डॉ. अरविंद कुमार बांसल को जालंधर स्थित आई.के. गुजराल पंजाब तकनीकी यूनिवर्सिटी का उप कुलपति बनाया गया है।

जानकारी के अनुसार, दोनों यूनिवर्सिटियों में वीसी की नियुक्ति के लिए पंजाब सरकार ने तीन-तीन उम्मीदवारों के पैनल तैयार कर राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया को भेजे थे। मुख्यमंत्री भगवंत मान की ओर से भेजे गए पैनल पर विचार के बाद राज्यपाल ने दोनों नियुक्तियों के आदेश जारी किए।

डॉ. राजिंदर बांसल पंजाब के जाने-माने न्यूरोलॉजिस्ट हैं और मेडिकल क्षेत्र में उनकी विशेष पहचान है। उनकी नियुक्ति के बाद बाबा फरीद यूनिवर्सिटी में प्रशासनिक और अकादमिक व्यवस्था से जुड़े कई महत्वपूर्ण फैसले लिए जाने की उम्मीद है।

उधर, पंजाब कृषि विश्वविद्यालय (पी.ए.यू.), लुधियाना में भी नए कुलपति की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू हो गई है। वर्तमान कुलपति डॉ. सतबीर सिंह गोसल 18 अगस्त को सेवानिवृत्त हो चुके हैं।

मोहाली में छह महीने बाद सड़कों पर दौड़ेंगी 100 इलेक्ट्रिक बसें

फेज-11 में 200 करोड़ की जमीन पर बनेगा सिटी बस स्टैंड, यात्रियों को मिलेगी बड़ी राहत

भारतेंदु संवाददाता, मोहाली। शहरवासियों को सार्वजनिक परिवहन की सुविधा के लिए अब ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। मोहाली में अगले छह महीने के भीतर सिटी बस सेवा शुरू करने की तैयारी की जा रही है। सोमवार को नगर निगम सदन की बैठक में पहुंचे मोहाली के विधायक कुलवंत सिंह ने बताया कि सिटी बस सेवा शुरू करने से संबंधित सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली गई हैं। अब इसे जमीन पर उतारने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है।

विधायक ने बताया कि सेवा के पहले चरण में मोहाली शहर में करीब 100 इलेक्ट्रिक बसें चलाने की योजना है। यात्रियों की सुविधा और बसों के सुचारु संचालन के लिए आवश्यक आधारभूत ढांचा तैयार किया जाएगा। इलेक्ट्रिक बसें शुरू होने से शहर में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

फेज-11 में बनेगा सिटी बस स्टैंड : सिटी बस सेवा के लिए फेज-11 में सिटी बस स्टैंड विकसित किया जाएगा। विधायक कुलवंत सिंह के अनुसार, इसके लिए करीब 200 करोड़ रुपये मूल्य की जमीन नगर निगम को केवल एक रुपये में दी गई है। इस जमीन पर बसों के संचालन, यात्रियों की सुविधा और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं से जुड़ा आधारभूत ढांचा विकसित किया जाएगा। इससे मोहाली में सिटी बस सेवा के लिए स्थायी व्यवस्था तैयार हो सकेगी।

फिलहाल मोहाली शहर में सार्वजनिक परिवहन के विकल्प सीमित हैं। शहर के कई हिस्सों में आने-जाने के लिए लोग निजी वाहनों, टैक्सियों और निजी कैब सेवाओं पर निर्भर हैं। चंडीगढ़ परिवहन उपक्रम की कुछ बसें मोहाली के चुनिंदा मार्गों पर चलती हैं, लेकिन शहर के सभी प्रमुख क्षेत्रों तक उनकी सुविधा नहीं पहुंच पाती। ऐसे में स्थानीय स्तर पर सिटी बस सेवा शुरू होने से परिवहन व्यवस्था में बड़ा सुधार होने की उम्मीद है।

निज्जर हत्याकांड: कथित ऑडियो में गोल्डी बराड़ का हत्या की जिम्मेदारी लेने का दावा

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। कनाडा में खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को लेकर आतंकी घोषित गोल्डी बराड़ का एक कथित ऑडियो इंटरनेट मीडिया पर सामने आया है। इसमें बराड़, आतंकी परमजीत सिंह उर्फ पम्मा से बातचीत के दौरान कथित तौर पर दावा करता सुनाई दे रहा है कि निज्जर को उसी ने निशाना बनवाया था। हालांकि, इस ऑडियो की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है।

ऑडियो में बराड़ कथित तौर पर कहता है कि उसके भाइयों की हत्या के बाद सुक्खा दुनेके और अर्श डल्ला जैसे लोग निज्जर की कोठी में रहते थे। बराड़ के अनुसार, जिन स्थानों पर उसके भाइयों की हत्या की साजिश रची गई, वे निज्जर से जुड़े थे। इसी वजह से उसके मन में निज्जर के प्रति गुस्सा था और वह उसे छोड़ना नहीं चाहता था। गुरुद्वारे से बाहर निकलने का किया इंतजार कथित ऑडियो में बराड़ यह भी कहता है कि गुरुद्वारा परिसर की मर्यादा को देखते हुए भीतर गोली नहीं चलाई गई। हमलावरों ने

निज्जर के बाहर आने का इंतजार किया। बराड़ के मुताबिक, उसे लगा था कि अर्श डल्ला भी निज्जर के साथ गाड़ी में मौजूद हो सकता है। उसका दावा है कि यदि उस समय डल्ला भी मारा जाता तो उसे बाद में सफाई देने की जरूरत नहीं पड़ती।

हरदीप सिंह निज्जर की 18 जून 2023 को ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में एक गुरुद्वारे के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। जांच के अनुसार, निज्जर अपने ट्रक में पार्किंग से बाहर निकल रहा था, तभी एक कार ने उसका रास्ता रोका और दो नकाबपोश हमलावरों ने उसकी ओर कई गोलियां चलाईं।

त्योहारी सीजन में फर्जी वेबसाइट और ऑफर से बचने की पुलिस ने दी सलाह

रक्षाबंधन पर ऑनलाइन खरीदारी बढ़ी, साइबर ठगों से रहें सावधान : एसपी संजीव गोयल

भारतेंदु संवाददाता, बरनाला। रक्षाबंधन का त्योहार नजदीक आते ही ऑनलाइन खरीदारी का चलन तेजी से बढ़ गया है। लोग राखी, मिठाई, कपड़े और गिफ्ट समेत अन्य सामान घर बैठे ऑनलाइन मंगवा रहे हैं। त्योहारी सीजन में बढ़ती ऑनलाइन खरीदारी को देखते हुए साइबर ठग भी सक्रिय हो जाते हैं। इसे लेकर पुलिस अधीक्षक संजीव गोयल ने जिलावासियों को ऑनलाइन ठगी से बचने के लिए सतर्क रहने की अपील की है।

एसपी संजीव गोयल ने कहा कि ऑनलाइन खरीदारी हमेशा भरोसेमंद और आधिकारिक ई-कॉमर्स वेबसाइट से ही करनी चाहिए। किसी अनजान वेबसाइट पर केवल भारी छूट, आकर्षक ऑफर या एक्सप्रेस डिलीवरी के लालच में जाकर

खरीदारी न करें। सामान खरीदने से पहले वेबसाइट की विश्वसनीयता और भुगतान प्रक्रिया की जांच करना जरूरी है।

उन्होंने बताया कि साइबर ठग फर्जी वेबसाइट, सोशल मीडिया विज्ञापन और नकली लिंक के जरिए लोगों को अपने जाल में फंसा सकते हैं। कई मामलों में भुगतान लेने के बाद सामान नहीं भेजा जाता, जबकि कुछ मामलों में नकली या घटिया उत्पाद भेजकर ठगी की जाती है।

पुलिस अधीक्षक ने लोगों को व्हाट्सएप और ई-मेल से आने वाले संदिग्ध लिंक से बचने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि बैंक खाता बंद होने, केवाईसी अपडेट, इनाम, लॉटरी या किसी विशेष ऑफर का झांसा देकर फोन करने वाले व्यक्ति को बैंक डिटेल, पासवर्ड, कार्ड नंबर या ओटीपी कभी न दें।

अमित सक्सेना ने पिकलबॉल चैंपियनशिप में जीते चार पदक

भारतेंदु संवाददाता, लुधियाना। लुधियाना के खिलाड़ी अमित सक्सेना ने तीसरी पंजाब स्टेट पिकलबॉल चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए चार अलग-अलग कैटेगरी में चार पदक जीतकर शहर का नाम रोशन किया। यह चैंपियनशिप 21 से 23 अगस्त तक पखोवाल रोड स्थित ग्लैम्पटन स्पोर्ट्स क्लब में आयोजित की गई। पंजाब पिकलबॉल एसोसिएशन द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में राज्यभर से कई बेहतरीन खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता को द्वंद्वयुद्ध द्वारा प्रायोजित किया गया था। तीन दिनों तक चली चैंपियनशिप में खिलाड़ियों ने विभिन्न आयु वर्गों और श्रेणियों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। अमित सक्सेना ने 40+ पुरुष सिंगल्स वर्ग में शानदार खेल दिखाते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

अमृतसर में नशे और हथियार तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़, पांच गिरफ्तार

भारतेंदु संवाददाता, अमृतसर। कमिश्नरेट पुलिस ने नशे और अवैध हथियारों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन अलग-अलग नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 9 अवैध पिस्तौल और 6.311 किलो हेरोइन बरामद की गई है।

पुलिस के मुताबिक, शुरुआती जांच में आरोपियों के विदेश में बैठे कथित हैंडलरों के साथ संपर्क होने की जानकारी सामने आई है। इस संबंध में थाना कैंटोनमेंट और थाना छेहरटा में तीन अलग-अलग एफआईआर दर्ज की गई हैं। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ की जा रही है, ताकि पूरे नेटवर्क के बारे में जानकारी जुटाई जा सके।

हथियार और हेरोइन की सप्लाई की जांच : पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपियों तक इतनी बड़ी

मात्रा में हेरोइन और अवैध हथियार कहां से पहुंचे थे। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि बरामद हथियार और नशे की खेप आगे किन लोगों तक पहुंचाई जानी थी।

जांच एजेंसियां आरोपियों के विदेश में बैठे कथित हैंडलरों से संपर्क और उनके बीच हुई बातचीत की भी पड़ताल कर रही हैं। पुलिस को आशंका है कि इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोग भी सक्रिय हो सकते हैं। अधिकारियों के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के आधार पर हथियारों और नशीले पदार्थों की सप्लाई चेन से जुड़े अन्य लोगों तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है।

स्वाइन फ्लू को लेकर चंडीगढ़ में अलर्ट, चार मरीज मिले; स्वास्थ्य विभाग ने बढ़ाई निगरानी

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। देश में स्वाइन फ्लू संक्रमण के मामले सामने आने के बीच चंडीगढ़ स्वास्थ्य विभाग ने भी स्थिति पर नजर रखना शुरू कर दिया है। शहर में अब तक स्वाइन फ्लू के चार मरीजों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, फिलहाल किसी भी मरीज की हालत गंभीर नहीं है। अस्पताल प्रशासन मरीजों की निगरानी और उपचार में जुटा हुआ है।

जी.एम.सी.एच.-32 के एम.एस. डॉ. विशाल गगलानी ने बताया कि अस्पताल में स्वाइन फ्लू से प्रभावित कुल चार मरीज उपचार के लिए भर्ती किए गए हैं। इनमें एक महिला मरीज को 18 अगस्त को अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। इसके बाद एक पुरुष मरीज की रिपोर्ट भी पॉजिटिव आई। दो दिन पहले बहलाणा से एक बच्चे और पंजाब से एक अन्य मरीज को स्वाइन फ्लू की पुष्टि के बाद अस्पताल में भर्ती करवाया गया।

अस्पताल के अनुसार, चार मरीजों में से एक को उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई है, जबकि अन्य मरीजों का इलाज जारी है। जी.एम.सी.एच.-32 में स्वाइन फ्लू से प्रभावित मरीजों के लिए पहले से ही 16 बेड की व्यवस्था की गई है। मरीजों को जरूरत के अनुसार अलग-अलग कमरों में आइसोलेट करने की सुविधा भी उपलब्ध है। यदि आने वाले दिनों में मरीजों की संख्या बढ़ती है तो अस्पताल में बेड की क्षमता 16 से बढ़ाकर 20 की जा सकती है।

स्वास्थ्य विभाग ने कहा- फिलहाल घबराने की जरूरत नहीं : स्वास्थ्य सेवाओं की निदेशक डॉ. सुमन सिंह ने कहा कि सीजनल फ्लू के एक-दो मामले सामने आना सामान्य बात है। डॉक्टर मरीजों के सीधे संपर्क में रहते हैं, इसलिए उनमें संक्रमण का खतरा आम लोगों की तुलना में अधिक हो सकता है। उन्होंने कहा कि फिलहाल स्वाइन फ्लू के मामलों में कोई असामान्य बढ़ोतरी नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि यदि किसी व्यक्ति को तेज

बुखार, लगातार खांसी, गले में दर्द, बदन दर्द या जोड़ों में दर्द जैसे लक्षण लगातार बने रहते हैं और राहत नहीं मिलती, तो डॉक्टर की सलाह के अनुसार स्वाइन फ्लू की जांच करवाई जा सकती है।

संक्रमण किसी भी उम्र के व्यक्ति को प्रभावित कर सकता है। हालांकि छोटे बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और पहले से गंभीर बीमारियों से जूझ रहे लोगों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। पांच साल से कम उम्र के बच्चों और 60 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गों में संक्रमण गंभीर होने का खतरा अपेक्षाकृत अधिक हो सकता है।

समीक्षा नई टीम के बाद असंतोष थामने में जुटी भाजपा, संतोष नेताओं से लेंगे जमीनी फीडबैक

पंजाब भाजपा में असंतोष के बीच बीएल संतोष का बड़ा मंथन शुरू

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब भाजपा की नई संगठनात्मक टीम के गठन के बाद सामने आए असंतोष और अंदरूनी खींचतान को थामने के लिए पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बीएल संतोष दो दिवसीय पंजाब दौरे पर पहुंचे हैं। मोहाली पहुंचने पर प्रदेश अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों और पंजाब के सह प्रभारी सरदार नरेंद्र सिंह रैना ने उनका स्वागत किया। संतोष के दौरे को आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों और संगठन को चुनावी मोड में लाने के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

बीएल संतोष अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान पंजाब के अलग-अलग जोन के प्रमुख नेताओं और संगठन पदाधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। सोमवार को वह पटियाला और बठिंडा जोन के नेताओं से संवाद करेंगे, जबकि मंगलवार को लुधियाना, जालंधर और अमृतसर जोन के नेताओं के साथ बैठक प्रस्तावित है। इन बैठकों में पार्टी की जमीनी स्थिति, कार्यकर्ताओं की सक्रियता, संगठन के विस्तार और चुनावी तैयारियों को लेकर विस्तृत फीडबैक लिया जाएगा।

नेताओं की शिकायतें और सुझाव भी सुनेंगे : बैठकों के दौरान बीएल संतोष नेताओं और कार्यकर्ताओं की समस्याओं तथा शिकायतों को सीधे सुनेंगे। संगठन के भीतर चल रही गतिविधियों, क्षेत्रवार चुनौतियों और कार्यकर्ताओं की सक्रियता की भी जानकारी ली जाएगी। पार्टी नेतृत्व का प्रयास है कि चुनाव से पहले संगठन में किसी भी तरह की नाराजगी को दूर कर

अकाली दल के साथ संभावित गठबंधन पर भी नेताओं से चर्चा।

नेताओं और कार्यकर्ताओं को एकजुट किया जाए।

पंजाब भाजपा की नई टीम की घोषणा के बाद कुछ नेताओं में असंतोष की चर्चा सामने आई है। कई नेता अपेक्षित जिम्मेदारी नहीं मिलने और नए चेहरों को संगठन में अधिक महत्व दिए जाने से नाराज बताए जा रहे हैं। ऐसे में संतोष का नेताओं से सीधा संवाद पार्टी के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। माना जा रहा है कि वह असंतोष के कारणों को समझने के साथ संगठन में समन्वय बेहतर करने के लिए जरूरी दिशा-निर्देश भी दे सकते हैं।

विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर रहेगा जोर : पंजाब में आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए भाजपा संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने की तैयारी कर रही है। बैठकों में विधानसभा क्षेत्रवार संगठन की स्थिति, बूथ समितियों की सक्रियता, कार्यकर्ताओं की भागीदारी और स्थानीय राजनीतिक समीकरणों पर चर्चा होने की संभावना है।

भाजपा का लक्ष्य चुनाव से पहले अपने संगठन को मजबूत करने के साथ कार्यकर्ताओं को पूरी तरह सक्रिय करना है। अलग-अलग जोन के नेताओं से मिलने के दौरान संतोष उन क्षेत्रों की राजनीतिक स्थिति का भी आकलन करेंगे, जहां पार्टी को संगठनात्मक स्तर पर अधिक मेहनत की जरूरत है।

कश्मीरी पंडित कर्मचारियों को धमकी फोरम ने मुख्य सचिव को सौंपा ज्ञापन

कथित धमकी पोस्टर में कर्मचारियों के नाम, पते और वाहन नंबर शामिल होने का दावा

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

कश्मीर घाटी में प्रधानमंत्री पैकेज के तहत कार्यरत कश्मीरी पंडित कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। ऑल पीएम पैकेज एम्प्लॉइज फोरम कश्मीर ने सोमवार को जम्मू-कश्मीर के मुख्य सचिव को ज्ञापन सौंपकर कर्मचारियों की सुरक्षा व्यवस्था तत्काल मजबूत करने की मांग की। फोरम ने सोशल मीडिया पर सामने आए एक कथित धमकी भरे पोस्टर का हवाला देते हुए मामले की गंभीरता से जांच कराने की अपील की है।

फोरम के अनुसार, 23 अगस्त को सोशल मीडिया पर कथित तौर पर 'यूनाइटेड लिबरेशन काउंसिल' नाम के संगठन से जुड़ा एक धमकी भरा पोस्टर सामने आया। इसमें प्रधानमंत्री पैकेज के तहत घाटी में काम कर रहे कर्मचारियों को कथित रूप से धमकी दी गई थी। संगठन ने दावा किया कि पोस्टर में कुछ कर्मचारियों के नाम, घर के पते और वाहनों के पंजीकरण नंबर जैसी संवेदनशील निजी जानकारियां भी शामिल थीं। फोरम ने कहा कि इस तरह की जानकारी का सार्वजनिक होना कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े करता है। संगठन ने प्रशासन से यह पता लगाने की मांग की कि कर्मचारियों की निजी जानकारी कथित पोस्टर तक कैसे पहुंची और इसके पीछे कौन लोग हैं। फोरम का कहना है कि यदि निजी जानकारी वास्तव में लीक हुई है तो इसकी जांच कर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए।

> फोरम ने कहा कि कर्मचारियों में भय का माहौल बनने से रोकने के लिए प्रशासन को भरोसेमंद सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए। संगठन ने संवेदनशील इलाकों में निगरानी बढ़ाने और कर्मचारियों की सुरक्षा स्थिति की नियमित समीक्षा करने की मांग की। साथ ही कथित पोस्टर की जांच जल्द पूरी कर सच्चाई सामने लाने पर जोर दिया।

हालांकि, पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों की ओर से अभी तक कथित पोस्टर की सत्यता की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। फोरम ने भी स्पष्ट किया कि पोस्टर की प्रामाणिकता की जांच होना बाकी है। इसके बावजूद संगठन का कहना है कि धमकी भरे पत्र और पोस्टर का बार-बार सामने आना चिंता का विषय है, खासकर तब जब उनमें कर्मचारियों की निजी जानकारी होने का दावा किया जा रहा हो। फोरम ने बताया कि मामले की जानकारी संबंधित पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों को दे दी गई है, ताकि पोस्टर की पुष्टि के साथ आवश्यक कार्रवाई की जा सके। कर्मचारियों ने प्रशासन से सुरक्षा इंतजाम बढ़ाने, संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी मजबूत करने और संभावित खतरे का आकलन करने की मांग की है।

कर्मचारियों की सुरक्षा बढ़ाने की मांग

फोरम ने कहा कि कर्मचारियों के मन में सुरक्षा को लेकर किसी भी तरह की आशंका नहीं रहनी चाहिए। इसके लिए प्रशासन को संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा कर आवश्यक कदम उठाने चाहिए। संगठन ने मांग की कि कर्मचारियों की आवाजाही और कार्यस्थलों की सुरक्षा को लेकर स्थानीय स्तर पर भी प्रभावी निगरानी व्यवस्था बनाई जाए। साथ ही, किसी कर्मचारी की निजी जानकारी सार्वजनिक होने की स्थिति में उसके स्रोत की जांच की जाए और दोषियों पर कार्रवाई हो। फोरम ने प्रशासन से कर्मचारियों के साथ नियमित संवाद बनाए रखने की भी अपील की।

26 साल बाद घर लौटा राजा, इंटरनेट मीडिया ने मिलाया अपनों से

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले के बेहरोट गांव में 26 साल बाद एक परिवार की खुशियां लौट आई। 14 साल की उम्र में स्कूल जाते समय लापता हुआ राजा अब अपने घर वापस पहुंच गया है। राजा उस समय नौवीं कक्षा में पढ़ता था और घर से स्कूल के लिए निकला था, लेकिन फिर कभी वापस नहीं लौटा। परिवार ने वर्षों तक उसकी तलाश जारी रखी और उसके लौटने की उम्मीद नहीं छोड़ी। जानकारी के अनुसार, राजा अपने भाई के साथ मुंबई गया था, जहां दोनों अलग हो गए। इसके बाद वह परिवार से संपर्क नहीं कर सका। इतने लंबे समय बाद इंटरनेट मीडिया पर एक यूट्यूबर के वीडियो के माध्यम से परिवार को उसकी पहचान का सुराग मिला। परिजनों ने वीडियो देखकर राजा को पहचान लिया और संपर्क स्थापित किया। आखिरकार 26 साल बाद राजा अपने गांव और परिवार के बीच पहुंच गया। उसकी वापसी से पूरे गांव में खुशी का माहौल है। राजा की वापसी पर परिजनों की आंखों में खुशी के आंसू छलक पड़े।

दुकानदारों ने फ्लाईओवर के बजाय मांडा से रिंग रोड बनाने की उठाई मांग

अम्बफला-रूपनगर फ्लाईओवर के विरोध में दुकानदारों ने तेज किया आंदोलन

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू

जम्मू में अम्बफला से रूपनगर तक प्रस्तावित फ्लाईओवर को लेकर दुकानदारों और स्थानीय निवासियों का विरोध तेज हो गया है। सोमवार को बड़ी संख्या में लोगों ने रैली निकालकर प्रदर्शन किया और सरकार से प्रस्तावित योजना पर दोबारा विचार करने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि फ्लाईओवर बनने से क्षेत्र के व्यापारियों और स्थानीय लोगों को नुकसान उठाना पड़ सकता है।

दुकानदारों और स्थानीय निवासियों ने फ्लाईओवर के विकल्प के तौर पर मांडा से रिंग रोड बनाने की मांग रखी। उनका कहना है कि रिंग रोड बनने से यातायात व्यवस्था को बेहतर किया जा सकता है और बाजार क्षेत्र के दुकानदारों के कारोबार पर भी प्रतिकूल असर नहीं पड़ेगा। प्रदर्शनकारियों ने यह भी मांग की कि जम्मू में यातायात की समस्या के स्थायी समाधान के लिए मेट्रो ट्रेन शुरू करने की दिशा में गंभीरता से काम किया जाए। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि प्रस्तावित फ्लाईओवर पर होने वाला खर्च भी काफी अधिक होगा। उनके अनुसार यदि इसी धनराशि का इस्तेमाल वैकल्पिक सड़क और बेहतर सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था विकसित करने में किया जाए तो शहर को लंबे समय तक इसका लाभ मिल सकता है। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि परियोजना को लेकर पर्याप्त बातचीत नहीं की गई है।

उन्होंने सरकार और संबंधित विभाग से दुकानदारों तथा प्रभावित लोगों के साथ बैठक कर उनकी चिंताओं को सुनने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं किया गया और बिना बातचीत के फ्लाईओवर निर्माण की प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। उनका कहना है कि वे अपने रोजगार और व्यापार की सुरक्षा के लिए, किसी भी स्तर तक संघर्ष करने को तैयार हैं। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि फ्लाईओवर के कारण दुकानदारों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो सकता है। उन्होंने सरकार से जनहित में वैकल्पिक योजना पर विचार करने और सभी पक्षों से बातचीत के बाद ही अंतिम निर्णय लेने की मांग की।

सुहाने मौसम में वैष्णो देवी यात्रा जारी, सभी मार्ग सुचारू

भारतेंदु संवाददाता, कटड़ा। मौसम में सुधार के बाद मां वैष्णो देवी की यात्रा सुचारू और सुरक्षित रूप से जारी है। सोमवार को करीब 14 हजार श्रद्धालु पंजीकरण करवाकर भवन की ओर रवाना हुए। सभी प्रमुख यात्रा मार्ग खुले हैं और श्रद्धालुओं को किसी परेशानी का सामना नहीं करना पड़ रहा। सुबह कुछ घंटों तक हेलीकॉप्टर सेवा भी संचालित हुई, लेकिन त्रिकूट पर्वत पर बादल छाने के कारण इसे अस्थायी रूप से रोक दिया गया। बैटरी कार, रोपवे, केबल कार, घोड़ा, पिट्ठू और पालकी सेवाएं उपलब्ध हैं। बारिश को देखते हुए आपदा प्रबंधन दल, श्राइन बोर्ड प्रशासन, पुलिस और सीआरपीएफ के जवान यात्रा मार्गों पर तैनात हैं। सुरक्षा व्यवस्था की लगातार निगरानी की जा रही है।

नन्हे हाथों से जवानों के लिए बनीं राखियां, देशभक्ति का दिखा जज्बा

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। रक्षाबंधन के अवसर पर सीमा पर तैनात जवानों के प्रति सम्मान और स्नेह जताते हुए जम्मू के नन्हे-मुन्नों ने विशेष पहल की। दैनिक जागरण के भारत रक्षा पर्व के तहत डेफोडिल्स केयर कान्वेंट प्ले-वे स्कूल, जैन बाजार के बच्चों ने अपने हाथों से रंग-बिरंगी राखियां और ग्रीटिंग कार्ड तैयार किए। बच्चों ने राखियों के साथ जवानों के लिए शुभकामना संदेश भी लिखे। इस पहल का उद्देश्य बच्चों में देशप्रेम, राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी और सैनिकों के सम्मान की भावना विकसित करना है।

मरीजों के बीच अस्पताल में पहुंचा थ्री-व्हीलर

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जिला अस्पताल बांदीपोरा से सामने आया एक वीडियो इन दिनों चर्चा का विषय बना हुआ है। इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में एक थ्री-व्हीलर लोड कैरियर अस्पताल के उस कॉरिडोर में चलता दिखाई दे रहा है, जहां मरीजों और उनके तीमारदारों की आवाजाही होती है। वाहन के कॉरिडोर में पहुंचने से अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था और प्रबंधन पर सवाल खड़े हो गए हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि लोड कैरियर अस्पताल परिसर के अंदर बने रास्ते से गुजर रहा है। यह स्थान मरीजों के आने-जाने के लिए इस्तेमाल होता है। ऐसे में वाहन की आवाजाही से किसी अप्रिय घटना की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

एक सितंबर से महंगी होगी बिजली, 6.83% बढ़ोतरी के खिलाफ विपक्ष का प्रदर्शन

बिजली बिल बढ़ने से पहले श्रीनगर में सियासी विरोध तेज

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

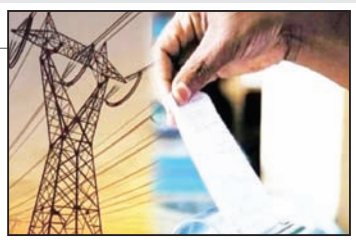

जम्मू-कश्मीर में बिजली उपभोक्ताओं पर एक सितंबर से अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ने वाला है। बिजली दरों में प्रस्तावित 6.83 प्रतिशत बढ़ोतरी के विरोध में सोमवार को पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) और अपनी पार्टी ने श्रीनगर में अलग-अलग प्रदर्शन किए।

दोनों दलों के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सरकार के फैसले के खिलाफ नारेबाजी करते हुए बढ़ी हुई दरों को वापस लेने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान विपक्षी दलों ने कहा कि पहले से महंगाई की मार झेल रहे आम उपभोक्ताओं के लिए बिजली दरों में बढ़ोतरी परेशानी बढ़ाने वाली है। उनका कहना है कि घरेलू बजट पर पहले ही खाद्य पदार्थों और अन्य जरूरी वस्तुओं की बढ़ती कीमतों का दबाव है। ऐसे में बिजली के बिल में वृद्धि से आम परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक भार पड़ेगा।

पीडीपी नेताओं ने सरकार से अपने फैसले पर पुनर्विचार करने और प्रस्तावित टैरिफ बढ़ोतरी को तत्काल वापस लेने की मांग की। नेताओं ने कहा कि बिजली जैसी बुनियादी सुविधा की कीमत बढ़ाने से आम लोगों की मुश्किलें और बढ़ेंगी। प्रदर्शनकारियों ने सरकार से उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए वैकल्पिक उपाय तलाशने की अपील भी की।

रामबन में बारिश के बाद धंसी जमीन, घरों में आई दरारें

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में बारिश के बाद जमीन धंसने की घटना सामने आई है। तहसील राजगढ़ के कुलथी चक्का कुंडी गांव में चिनाब नदी के किनारे जमीन धंसने से आसपास रहने वाले लोगों में चिंता बढ़ गई है। जमीन धंसने के कारण कुछ घरों में दरारें भी आ गई हैं। स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने एहतियाती कदम उठाते हुए तीन परिवारों के 10 सदस्यों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके का जायजा लेकर प्रभावित क्षेत्र की स्थिति का आकलन किया। प्रभावित परिवारों को फिलहाल सुरक्षित स्थान पर रखा गया है, ताकि किसी भी संभावित खतरे से बचाया जा सके। बारिश के कारण क्षेत्र में जमीन की स्थिति कमजोर होने की आशंका जताई जा रही है।

श्रीनगर सेंट्रल जेल से दो कैदी फरार, सुरक्षा में बड़ी सेंध

विशेष टीमों का गठन, फरार कैदियों की तलाश में लगातार छापेमारी

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू

अतिसंवेदनशील श्रीनगर सेंट्रल जेल की सुरक्षा व्यवस्था में सोमवार को बड़ी सेंध सामने आई। पॉक्सो अधिनियम से जुड़े मामलों में बंद दो विचाराधीन कैदी जेल की दीवार फांदकर फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही जेल प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया। पुलिस ने दोनों फरार कैदियों की तलाश के लिए विशेष टीमें गठित कर दी हैं।

जेल से फरारी के बाद पुलिस ने बढ़ाई पूरे कश्मीर में निगरानी।

जानकारी के अनुसार, दोनों कैदी जेल परिसर से निकलने में सफल रहे। घटना के बाद पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने आसपास के क्षेत्रों में तलाशी अभियान शुरू कर दिया। फरार कैदियों की तलाश में संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। साथ ही कश्मीर के विभिन्न इलाकों में निगरानी बढ़ाते हुए अलर्ट जारी किया गया है।

पुलिस ने फरार कैदियों की पहचान भी जारी की है और उनकी गतिविधियों के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है। सुरक्षा एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि दोनों कैदी जेल की सुरक्षा व्यवस्था को भेदकर किस तरह बाहर निकलने में सफल हुए।

जेल सुरक्षा की जांच तेज

जेल से फरारी के बाद सुरक्षा व्यवस्था की भी जांच शुरू कर दी गई है। अधिकारी यह पता लगाने में जुटे हैं कि दोनों कैदी किस स्तर सुरक्षा घेरे को भेदकर बाहर निकलने में सफल हुए। पुलिस ने लोगों से सतर्क रहने और संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत सुरक्षा एजेंसियों को देने की अपील की है। तलाशी अभियान लगातार जारी है। जेल प्रशासन और पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा तेज कर दी है। संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही है।

जम्मू-कश्मीर में बढ़े प्याज के दाम, 60 रुपए किलो पहुंची कीमत

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू

जम्मू में प्याज के दामों में लगातार बढ़ोतरी ने आम जनता की परेशानी बढ़ा दी है। एक महीने पहले 35 से 40 रुपये किलो बिकने वाला प्याज अब 60 रुपये किलो तक पहुंच गया है। बारिश के कारण फसल खराब होने और बाजार में जमाखोरी को कीमत बढ़ने की प्रमुख वजह बताया जा रहा है। व्यापारियों के अनुसार आने वाले दिनों में प्याज के दामों में और तेजी आ सकती है। बढ़ती महंगाई के बीच सब्जियों की कीमत पहले ही लोगों के घरेलू बजट को प्रभावित कर रही है। अब प्याज महंगा होने से रसोई का खर्च और बढ़ गया है। उपभोक्ताओं का कहना है कि महंगे प्याज के साथ इसकी गुणवत्ता भी पहले जैसी नहीं मिल रही है। लोगों ने सरकार से बाजार में निगरानी बढ़ाने और जमाखोरी पर रोक लगाने की मांग की है।

उनका कहना है कि यदि समय रहते आपूर्ति व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो कीमतें और बढ़ सकती हैं। बाजार में प्याज की आवक कम होने से भी कीमतों पर दबाव बना हुआ है। दुकानदारों का कहना है कि थोक बाजार में कीमत बढ़ने के कारण उन्हें भी महंगे दाम पर प्याज खरीदना पड़ रहा है।

दो करोड़ की निवेश ठगी में आरोपी गिरफ्तार दस प्रतिशत रिटर्न का दिया था झांसा

भारतेंदु संवाददाता, बडगाम

निवेश के नाम पर दो करोड़ ठगे

जम्मू-कश्मीर क्राइम ब्रांच की आर्थिक अपराध शाखा कश्मीर ने करीब दो करोड़ रुपये के निवेश धोखाधड़ी मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान बडगाम के चरार-ए-शरीफ निवासी जुनैद उल इस्लाम के रूप में हुई है। उसे बेंगलुरु के मंगमनपाल्या इलाके से पकड़ा गया। एजेंसी के प्रवक्ता के अनुसार, आरोपी के खिलाफ श्रीनगर की चौथी अतिरिक्त मुंसिफ न्यायिक मजिस्ट्रेट अदालत ने गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। वह आर्थिक अपराध शाखा थाने में दर्ज प्राथमिकी संख्या 07/2025 में वांछित था और करीब एक वर्ष से गिरफ्तारी से बच रहा था। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आरोपी ने कई लोगों से करीब दो करोड़ रुपये जमा किए थे। उसने खुद को एक ई-कॉमर्स कंपनी से जुड़ा निवेशक बताते हुए लोगों को हर महीने 10 प्रतिशत रिटर्न देने का भरोसा दिलाया था। भरोसा होने पर लोगों ने अलग-अलग बैंक खातों के माध्यम से उसे रकम दी। हालांकि, रकम लेने के बाद आरोपी अपने वादे पूरे करने में विफल रहा और लोगों से संपर्क भी बंद कर दिया। जांच में आर्थिक धोखाधड़ी और विश्वासघात से जुड़ी जानकारी सामने आने के बाद उसके खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया।

लेह में 3.5 तीव्रता का भूकंप, 120 किमी गहराई में केंद्र

भारतेंदु संवाददाता, लेह

लद्दाख के लेह में सोमवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के अनुसार भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 3.5 मापी गई। भूकंप का केंद्र जमीन के भीतर 120 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। भूकंप भारतीय मानक समय के अनुसार सुबह 8:25 बजे आया।

राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने बताया कि भूकंप का अक्षांश 36.700 उत्तर और देशांतर 74.343 पूर्व दर्ज किया गया। इसका स्थान लेह, लद्दाख बताया गया है। गहराई अधिक होने के कारण भूकंप की तीव्रता अपेक्षाकृत कम रही। भूकंप की जानकारी सामने आने के बाद क्षेत्र में लोगों के बीच हलचल देखने को मिली। हालांकि, इस भूकंप से किसी बड़े नुकसान या जनहानि की सूचना सामने नहीं आई है। संबंधित एजेंसियां स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र देश के विभिन्न हिस्सों में आने वाले भूकंपों की निगरानी करता है और उनकी तीव्रता, केंद्र तथा गहराई से जुड़ी जानकारी जारी करता है। सोमवार सुबह लेह में आए इस भूकंप की तीव्रता 3.5 होने के कारण इसे हल्के झटकों वाला भूकंप माना जा रहा है। अधिकारियों की ओर से फिलहाल किसी तरह की आपात स्थिति की जानकारी नहीं दी गई है। भूकंप के झटके महसूस होने के बाद स्थानीय लोगों में कुछ समय के लिए हलचल रही।

हालांकि, भूकंप की तीव्रता कम होने और केंद्र की गहराई अधिक होने के कारण किसी बड़े नुकसान की आशंका नहीं जताई गई है। प्रशासन ने भी स्थिति पर नजर बनाए रखी है। संबंधित विभागों से लगातार जानकारी जुटाई जा रही है। अधिकारियों के मुताबिक फिलहाल कहीं से भवनों को नुकसान पहुंचने या लोगों के घायल होने की सूचना नहीं मिली है। विशेषज्ञों के अनुसार भूकंप के दौरान लोगों को शांत रहना चाहिए और सुरक्षित स्थान पर पहुंचना चाहिए।

गाड़ी खरीदी, भुगतान किया, नाम ट्रांसफर से पहले वाहन हुआ गायब

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू

सतवारी पुलिस थाने में वाहन खरीद-फरोख्त से जुड़ा हैरान करने वाला मामला सामने आया है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि वाहन खरीदने के बाद पूरी रकम का भुगतान करने के बावजूद गाड़ी उसके नाम पर स्थानांतरित नहीं की गई और बाद में वाहन ही गायब हो गया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, अप्पर गाडीगढ़, जम्मू निवासी सुरिंदर कुमार ने शिकायत दर्ज करवाते हुए बताया कि उसने एक वाहन खरीदा था। खरीद के दौरान वाहन की निर्धारित राशि का भुगतान किया गया था। इसके बावजूद वाहन के स्वामित्व का नाम परिवर्तन नहीं किया गया। शिकायतकर्ता के अनुसार, बाद में वाहन उसके पास से गायब हो गया। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि वाहन में करीब 3.16 लाख रुपये नकद, जरूरी दस्तावेज और एक अंगूठी रखी हुई थी। वाहन के गायब होने के साथ ये सामान भी नहीं मिला। शिकायतकर्ता ने वाहन के पूर्व मालिक पर नाम ट्रांसफर नहीं करने तथा वाहन के गायब होने के मामले में आरोप लगाए हैं।

अलर्ट मौसम विभाग ने संवेदनशील क्षेत्रों में अचानक बाढ़ और भूस्खलन को लेकर सतर्क किया

जम्मू और कश्मीर में आने वाले दिनों में आमतौर पर गर्म और उमस भरा मौसम रहने की संभावना

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर में आने वाले दिनों में मौसम सामान्य तौर पर गर्म और उमस भरा रहने की संभावना है। श्रीनगर मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार 26 से 31 अगस्त तक कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। कुछ इलाकों में सुबह और दोपहर के समय हल्की से तेज बारिश होने का भी अनुमान है।

मौसम विभाग ने बताया कि 1 और 2 सितंबर को भी गर्म और उमस भरा मौसम बना रहेगा। इस दौरान कुछ स्थानों पर हल्की बारिश तथा गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। वहीं, 3 से 5 सितंबर के बीच भी कुछ क्षेत्रों में हल्की बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। विभाग ने स्थानीय स्तर पर अचानक मौसम बदलने को लेकर लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। तेज बारिश के कारण संवेदनशील क्षेत्रों में अचानक बाढ़, भूस्खलन और मिट्टी खिसकने जैसी घटनाएं हो सकती हैं। लोगों से मौसम संबंधी चेतावनियों पर ध्यान देने की अपील की गई है।

जम्मू-कश्मीर में गर्मी के बीच बारिश

नदियों में बढ़ सकता जलस्तर

मौसम विभाग ने लोगों से स्थानीय स्तर पर जारी होने वाली चेतावनियों को गंभीरता से लेने की अपील की है। विभाग के अनुसार संवेदनशील इलाकों में तेज बारिश के दौरान नदियों और नालों के जलस्तर में अचानक बढ़ोतरी हो सकती है। पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन और मिट्टी खिसकने की घटनाओं का खतरा भी बना रहेगा। वाहन चालकों को खराब मौसम के दौरान सावधानी बरतने और अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह दी गई है।

बारिश में सावधानी बरतें लोग

विभाग ने लोगों को सलाह दी है कि वे बारिश के दौरान नदी-नालों और जलभराव वाले क्षेत्रों से दूरी बनाए रखें। पहाड़ी मार्गों पर यात्रा करने वालों को विशेष सावधानी बरतने को कहा गया है। अचानक तेज बारिश होने पर सड़क पर दृश्यता कम हो सकती है और यातायात प्रभावित हो सकता है। स्थानीय प्रशासन की ओर से जारी निर्देशों का पालन करना जरूरी होगा। मौसम विभाग लगातार परिस्थितियों पर नजर रख रहा है और जरूरत पड़ने पर आगे चेतावनी जारी की जाएगी। किसानों को भी मौसम के अनुसार कृषि कार्यों की योजना बनाने की सलाह दी गई है।

बारिश में सुरक्षा को प्राथमिकता

किसानों को फसलों की कटाई और अन्य कृषि कार्य मौसम की स्थिति देखकर करने की सलाह दी गई है। मौसम विभाग ने कहा कि बारिश के दौरान बिजली चमकने और तेज हवाओं की स्थिति में खुले स्थानों पर जाने से बचें। प्रशासन ने लोगों से स्थानीय स्तर पर जारी मौसम चेतावनियों का पालन करने और आपात स्थिति में संबंधित विभागों से संपर्क बनाए रखने की अपील की है। पहाड़ी क्षेत्रों में विशेष सावधानी बरतने को कहा गया है।

मेहनत और प्रतिभा के सम्मान को पैसे के खेल से बचाने की जरूरत

सुमन डोगरा सोनू
स्वतंत्र लेखक

कभी पुरस्कार किसी व्यक्ति के वर्षों के संघर्ष, समर्पण, प्रतिभा और समाज के प्रति योगदान की सार्वजनिक स्वीकृति हुआ करते थे। किसी पुरस्कार की घोषणा होती थी तो पाने वाले के साथ-साथ उसके परिवार, सहयोगियों और पूरे समाज को गर्व होता था। सम्मान-पत्र घर की दीवार पर सिर्फ एक कागज नहीं, बल्कि जीवनभर की मेहनत की पहचान माना जाता था। लेकिन आज पुरस्कारों की दुनिया में एक चिंताजनक बदलाव दिखाई दे रहा है। सवाल उठने लगा है कि क्या अब पुरस्कार दिए जाते हैं या खरीदे-बेचे जाते हैं? आज राज्य स्तरीय पुरस्कार, राष्ट्रीय पुरस्कार, उत्कृष्टता सम्मान, राष्ट्रीय गौरव सम्मान और न जाने कितने आकर्षक नामों से समारोह आयोजित हो रहे हैं। इनमें से निश्चित रूप से अनेक संस्थाएं ईमानदारी से काम कर रही होंगी और योग्य लोगों को सम्मानित कर रही होंगी। लेकिन इनके बीच ऐसी संस्थाओं और आयोजकों की शिकायतें भी सामने आती रहती हैं जो पुरस्कार को उपलब्धि की पहचान से अधिक एक व्यावसायिक उत्पाद बना देते हैं।

सबसे गंभीर आरोप यही है कि पहले व्यक्ति से शुल्क लिया जाता है, फिर उसे किसी आकर्षक श्रेणी का पुरस्कार दे दिया जाता है। कहीं नामांकन के नाम पर पैसा, कहीं आयोजन शुल्क, कहीं सदस्यता शुल्क और कहीं यात्रा या अन्य खर्चों के नाम पर रकम ली जाती है। यदि किसी व्यक्ति की योग्यता का वास्तविक मूल्यांकन किए बिना केवल भुगतान के आधार पर उसे सम्मान दिया जा रहा है तो यह पुरस्कार नहीं, सम्मान की बिक्री है। विडंबना यह है कि आजकल कुछ जगहों पर ऐसा माहौल बनाया जा रहा है मानो हर व्यक्ति किसी न किसी क्षेत्र में राष्ट्रीय गौरव हो। किसी को शॉल ओढ़ाई गई, पटका पहनाया गया, टोपी पहनाई गई, तस्वीर खिंचवाई गई और घोषणा कर दी गई कि उसे उत्कृष्टता सम्मान से सम्मानित किया गया है। सवाल यह नहीं है कि शॉल कितनी महंगी थी या मंच कितना भव्य था। सवाल यह है कि उस सम्मान के पीछे चयन की प्रक्रिया क्या थी और सम्मान पाने वाले व्यक्ति की उपलब्धि का वास्तविक मूल्यांकन किस आधार पर किया गया।

मामला केवल पुरस्कारों तक सीमित नहीं है। डॉक्टरेट जैसी गंभीर शैक्षणिक उपाधियों के नाम पर भी तरह-तरह के दावे सुनने को मिलते हैं। कहीं मानद उपाधि और वास्तविक अकादमिक डिग्री के बीच अंतर मिटा दिया जाता है तो कहीं प्रमाण-पत्रों और उपाधियों के नाम इतने प्रभावशाली रखे जाते हैं कि सामान्य व्यक्ति वास्तविकता समझ ही नहीं पाता। यदि पैसा देकर कोई व्यक्ति अपने नाम के आगे ऐसी उपाधि जोड़ ले जिसका कोई वैधानिक या अकादमिक आधार ही नहीं है तो यह केवल एक व्यक्ति को भ्रमित करना नहीं है, बल्कि शिक्षा और सम्मान दोनों संस्थाओं की विश्वसनीयता पर चोट है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि इन सब पर निगरानी कौन रखे। पुरस्कार और उपाधि जैसी चीजों की प्रतिष्ठा समाज में लंबे समय से बनी है। यदि इनका दुरुपयोग बढ़ता रहा तो वास्तविक उपलब्धियों और दिखावटी सम्मान के बीच अंतर करना कठिन होता जाएगा।

इन आयोजनों की एक और प्रभावशाली रणनीति होती है। मंच पर वरिष्ठ अधिकारी, प्रशासनिक अधिकारी, जनप्रतिनिधि या बड़े राजनीतिक चेहरे दिखाई दे जाएं तो कार्यक्रम की प्रतिष्ठा अपने आप बढ़ जाती है। अखबारों में तस्वीर छपती है, सामाजिक माध्यमों पर तस्वीरें फैलती हैं और आम आदमी को लगता है कि यह कोई अत्यंत प्रतिष्ठित राष्ट्रीय समारोह होगा। लेकिन क्या मंच पर मौजूद हर वरिष्ठ अधिकारी या नेता को वास्तव में यह जानकारी होती है कि जिस संस्था के कार्यक्रम में वह पहुंचा है उसकी पुरस्कार देने की प्रक्रिया क्या है? क्या उन्हें पता होता है कि चयन किन मानकों पर हुआ? क्या उन्हें यह मालूम होता है कि सम्मानित किए जा रहे लोगों से कोई शुल्क लिया गया है या नहीं? संभव है कि अनेक वरिष्ठ अधिकारी और जनप्रतिनिधि केवल सामाजिक या प्रशासनिक निमंत्रण समझकर कार्यक्रम में चले जाते हों और बाद में उनके नाम तथा तस्वीर का इस्तेमाल संस्था की प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए किया जाता हो।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं)

वर्षा जल का अधिकतम संचयन ही जल संकट का स्थायी समाधान

सतीश शर्मा
स्वतंत्र लेखक

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में जल संकट लगातार गंभीर चुनौती बनता जा रहा है। इसी को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय जल मिशन, जल शक्ति मंत्रालय ने नेहरू युवा केंद्र संगठन, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के सहयोग से कैच द रेन नामक जागरूकता अभियान की शुरुआत की है। इस अभियान का प्रमुख संदेश है बारिश के पानी का संरक्षण, जहां भी संभव हो, जैसे भी संभव हो। अभियान का उद्देश्य देश की विभिन्न भौगोलिक और जलवायु परिस्थितियों के अनुरूप वर्षा जल का अधिकतम संचयन सुनिश्चित करना तथा लोगों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक बनाना है। इसके अंतर्गत वर्षा जल संचयन संरचनाओं के निर्माण, पुराने जल स्रोतों के संरक्षण तथा जल संसाधनों के वैज्ञानिक उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है।

अभियान का लक्ष्य केवल जल संग्रहण तक सीमित नहीं है बल्कि समाज में जल संरक्षण को जन आंदोलन का स्वरूप देना भी है। इसके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार तथा सूचना, शिक्षा और संचार गतिविधियों के माध्यम से लोगों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। जल संरक्षण से जुड़े संदेशों को गांव-गांव और शहर-शहर तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। इसके साथ ही वर्षा जल संचयन के लिए गड्ढों का निर्माण, भवनों की छतों पर वर्षा जल संचयन प्रणाली स्थापित करना, छोटे बांधों का निर्माण, जलाशयों की क्षमता बढ़ाने के लिए उनकी सफाई तथा पारंपरिक जल स्रोतों का संरक्षण जैसी गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है।

तालाबों, बावड़ियों, कुओं और अन्य जल संरचनाओं का पुनर्जीवन भी इस अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इन पारंपरिक जल स्रोतों का संरक्षण केवल पानी की उपलब्धता बढ़ाने के लिए नहीं बल्कि स्थानीय जल व्यवस्था को मजबूत करने के लिए भी आवश्यक है। जलाशयों, तालाबों और टैंकों में जमा गाद को हटाने से उनकी जल संग्रहण क्षमता बढ़ाई जा सकती है। जलग्रहण क्षेत्रों से आने वाले प्राकृतिक जल मार्गों पर बने अवरोधों को हटाकर वर्षा जल के प्राकृतिक प्रवाह को पुनर्स्थापित करना भी जरूरी है। इससे वर्षा का पानी अधिक मात्रा में जमीन में पहुंच सकेगा और भूजल स्तर को पुनर्जीवित करने में सहायता मिलेगी।

छोटे और बड़े कुओं, बावड़ियों तथा पारंपरिक जल संचयन संरचनाओं की मरम्मत और संरक्षण के माध्यम से भी भूजल स्तर को बेहतर किया जा सकता है। यदि वर्षा का पानी सीधे बहकर नष्ट होने के बजाय जमीन में पहुंचता है तो आने वाली पीढ़ियों के लिए जल संसाधनों का संरक्षण संभव होगा। इसलिए जल संरक्षण को केवल वर्तमान आवश्यकता नहीं बल्कि भविष्य की जिम्मेदारी के रूप में देखना चाहिए।

अभियान की तैयारियों के अंतर्गत नेहरू युवा केंद्र संगठन द्वारा देशभर के अनेक जिलों में विभिन्न सूचना, शिक्षा एवं संचार गतिविधियों के माध्यम से कैच द रेन अभियान को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया गया है। इनमें शैक्षिक एवं प्रेरणादायक कार्यक्रम, जनजागरूकता अभियान, रैलियां, दीवार लेखन, चित्रकला प्रतियोगिताएं, निबंध लेखन तथा प्रचार सामग्री के माध्यम से जागरूकता फैलाना शामिल है। राज्यों से प्रत्येक जिले में वर्षा जल संचयन केंद्र स्थापित करने का अनुरोध भी किया गया है, ताकि नागरिकों को वर्षा जल संचयन से जुड़ी तकनीकी जानकारी और मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जा सके।

इस अभियान का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि जल संरक्षण को केवल सरकारी कार्यक्रम न मानकर जनभागीदारी से जोड़ा गया है। विशेष रूप से युवाओं को अभियान का प्रमुख भागीदार बनाया गया है ताकि वे जल संरक्षण के महत्व को समझें और अपने परिवार तथा समाज में इसके प्रति जागरूकता फैलाएं। विद्यालयों, महाविद्यालयों और युवा संगठनों के माध्यम से जल बचाने की संस्कृति विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है। इससे जल संरक्षण के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित होगी और समाज में जल के विवेकपूर्ण उपयोग को बढ़ावा मिलेगा।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

संपादकीय

चीनी के बाद प्याज महंगा

केंद्र सरकार के लिए यह गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए कि आवश्यक खाद्य वस्तुओं की कीमतों में बार-बार होने वाली वृद्धि अब आम आदमी की रसोई पर सीधा असर डाल रही है। चीनी के दाम बढ़ने के बाद प्याज की कीमतों में अप्रत्याशित वृद्धि चिंता बढ़ाने वाली है। बरसात के मौसम में प्याज की आपूर्ति प्रभावित होना कोई नई बात नहीं है। पिछले कई वर्षों में देखा गया है कि बारिश के कारण उत्पादन, भंडारण और परिवहन व्यवस्था पर असर पड़ता है और इसका सीधा प्रभाव बाजार भाव पर दिखाई देता है। लेकिन हर वर्ष एक जैसी परिस्थितियों के सामने आने के बाद भी यदि सरकार समय रहते पर्याप्त तैयारी नहीं कर पाती तो यह व्यवस्था की कमजोरी को दर्शाता है।

खाद्य एवं आपूर्ति विभाग को आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता और मांग पर लगातार नजर रखनी चाहिए। किसी वस्तु की आपूर्ति में कमी अचानक नहीं आती। उत्पादन, मौसम, भंडारण, परिवहन और बाजार की स्थिति से जुड़े संकेत पहले ही मिलने लगते हैं। यदि समय रहते इन संकेतों का आकलन किया जाए तो संभावित कमी को दूर करने के लिए पहले से कदम उठाए जा सकते हैं। केंद्र सरकार को राज्यों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए उत्पादन और आपूर्ति की नियमित जानकारी जुटानी चाहिए। जहां कमी की आशंका हो वहां दूसरे क्षेत्रों से आपूर्ति बढ़ाने के उपाय किए जाने चाहिए।

प्याज जैसी आवश्यक वस्तु के मामले में भंडारण की व्यवस्था भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। सरकार के पास बफर भंडार होने का उद्देश्य यही है कि जब बाजार में आपूर्ति कम हो और कीमतें तेजी से बढ़ने लगें तब इस भंडार का उपयोग कर बाजार में पर्याप्त मात्रा उपलब्ध कराई जा सके। सरकार यदि प्याज का बफर भंडार सीधे थोक बाजार में उपलब्ध कराने की तैयारी कर रही है तो यह कदम तभी प्रभावी होगा जब इसका लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचे। केवल बाजार में अतिरिक्त मात्रा उतार देना पर्याप्त नहीं है। यह भी सुनिश्चित करना होगा कि बीच के स्तर पर जमाखोरी और अनावश्यक मुनाफाखोरी न हो।

किसी आवश्यक वस्तु की कमी होते ही जमाखोर और मुनाफाखोर सक्रिय हो जाते हैं। वे भविष्य में और अधिक कीमत बढ़ने की आशंका पैदा करके बाजार में कृत्रिम कमी का वातावरण बना सकते हैं। इससे वास्तविक कमी से अधिक तेजी कीमतों में दिखाई देती है। इसलिए सरकार को केवल आपूर्ति बढ़ाने पर ही निर्भर नहीं रहना चाहिए बल्कि जमाखोरी और कालाबाजारी पर भी प्रभावी निगरानी रखनी चाहिए। बाजार में पर्याप्त वस्तु उपलब्ध होने के बावजूद यदि कीमतें असामान्य रूप से बढ़ती हैं तो संबंधित विभागों को तत्काल जांच करनी चाहिए।

प्याज की कीमतों का मामला केवल आर्थिक नहीं बल्कि सामाजिक और राजनीतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। प्याज आम भारतीय परिवार की रसोई का प्रमुख हिस्सा है। इसकी कीमत में अचानक बढ़ोतरी सीधे घरेलू बजट को प्रभावित करती है। निम्न और मध्यम आय वर्ग के परिवारों पर इसका असर सबसे अधिक पड़ता है। इतिहास में कई अवसरों पर प्याज की कीमतों ने राजनीतिक वातावरण को प्रभावित किया है। इसलिए सरकार को इस विषय को केवल बाजार की सामान्य प्रक्रिया मानकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

चिंता केवल प्याज तक सीमित नहीं है। आने वाले समय में कुछ अन्य सब्जियों और खाद्य तेलों की कीमतों में भी वृद्धि की आशंका रहती है। यदि कई आवश्यक वस्तुएं एक साथ महंगी होती हैं तो महंगाई का दबाव और बढ़ सकता है। इससे आम आदमी की आय का बड़ा हिस्सा भोजन पर खर्च होने लगता है और उसकी बचत तथा अन्य आवश्यकताओं पर असर पड़ता है। ऐसे समय में सरकार को महंगाई रोकने के लिए अल्पकालिक उपायों के साथ दीर्घकालिक योजना पर भी काम करना चाहिए।

भारत कृषि प्रधान देश है, फिर भी दालों और खाद्य तेलों के लिए बड़ी मात्रा में आयात पर निर्भरता चिंता का विषय है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत बढ़ने या आपूर्ति बाधित होने की स्थिति में इसका सीधा असर घरेलू बाजार पर पड़ता है। इसलिए दलहन और तिलहन के उत्पादन को बढ़ावा देना आवश्यक है। किसानों को बेहतर बीज, सिंचाई, उचित मूल्य, भंडारण और बाजार की सुविधा मिले तो इन फसलों का उत्पादन बढ़ाया जा सकता है। इसके लिए केवल घोषणाओं के बजाय लगातार और प्रभावी प्रयास जरूरी हैं।

आत्मनिर्भरता का लक्ष्य तभी सार्थक होगा जब देश अपनी आवश्यक खाद्य वस्तुओं की जरूरत का बड़ा हिस्सा स्वयं पूरा करने में सक्षम हो। कृषि क्षेत्र में उत्पादन बढ़ाने के साथ भंडारण और वितरण व्यवस्था को भी मजबूत करना होगा। किसान को उत्पादन के बाद उचित मूल्य मिले और उपभोक्ता को उचित कीमत पर वस्तु उपलब्ध हो, इसके बीच संतुलन बनाना सरकार की बड़ी जिम्मेदारी है।

अंततः आवश्यक खाद्य वस्तुओं की कीमतों में बार-बार होने वाली वृद्धि को केवल मौसम या बाजार की परिस्थितियों का परिणाम मानकर छोड़ देना उचित नहीं होगा। सरकार को उत्पादन, भंडारण, परिवहन और वितरण से लेकर बाजार निगरानी तक पूरी व्यवस्था को मजबूत करना होगा।

-शिवांश धाकड़

कविता

जिंदगी के लम्हें

वीरेन्द्र शर्मा वात्स्यायन
ऊना (हिमाचल प्रदेश)

बुझता हुआ चिराग हूं मैं,
हौसला है तूफानों से लड़ने का।
आगे आकर तो देखो तुम,
सत्य से असत्य को मिटाने का।
हे युवा चिरागों, मदहोश न हो तुम,
जोश में अपने होश न खोना।
मेरी राह को भूल न जाना,
नशे में अपना जीवन न खोना।
आएगा एक दिन ऐसा भी,
जब बुझ जाओगे तुम धीरे-धीरे।
याद आएगा तब यह चिराग,
जो जलता रहा अंधेरे में घिरे।
बुझता हुआ था चिराग कभी,
पर उसने हार नहीं मानी।
जीवन ने उसको दी चुनौती,
फिर भी उसने अपनी राह जानी।
जिंदगी है एक मेहमान,
हर पल लेती रहती परीक्षा।
जो संघर्षों से लड़ता जाए,
वही बनाता अपनी नई दिशा।
बुझते युवा चिरागों, जागो,
जीवन को सम्मान से जीना।
जलकर खुद रोशन हो जाना,
और दूसरों को राह दिखाना।
जलकर, बुझकर बनो मशाल,
अंधियारे में प्रकाश फैलाओ।
अपनी मेहनत और साहस से,
हर मुश्किल को दूर भगाओ।

कांगड़ा घाटी की चाय के स्वाद और खुशबू के कायल हैं देश-विदेश के लोग

तुलसी राम डोगरा
स्वतंत्र लेखक, पालमपुर

प्रकृति ने हिमाचल प्रदेश को अपने संसाधनों से आर्थिक रूप से भरपूर नवाजा हुआ है और अगर इन सभी का सही और सामयिक दोहन हो तो वास्तव में यह देवभूमि अपने पैरों पर खड़ी यानी आर्थिक रूप से संपन्न हो सकती है। राज्य में नदी-नालों से बहता पानी, दुर्गम क्षेत्रों में पाई जाने वाली नाना प्रकार की बेशुमार व कीमती जड़ी-बूटियां, वन संपदा, कुल्लू व शिमला के सेबों ने फलों की गुणवत्ता और पैदावार में देश-विदेश में अपना प्रमुख स्थान बनाया हुआ है। वहीं इसी श्रृंखला में कांगड़ा घाटी की चाय ने आज भी अपना अस्तित्व बरकरार रखा हुआ है। कांगड़ा जिले के सिद्धबाड़ी, धर्मशाला, बैजनाथ, पालमपुर और बीड़ स्थित चाय के बागानों से चाय तोड़ती पर्वतीय महिलाएं इन चाय बागानों की अद्भुत और प्राकृतिक खूबसूरती को और ज्यादा बढ़ाती हैं। पीठ पर बंधे किल्टो वाली महिलाएं कांगड़ा घाटी की चाय की प्रसिद्धि का प्रतीक बन चुकी हैं।

पालमपुर की हिमालयन टी, सिद्धबाड़ी की मांझी वैली चाय और बीड़ की माउंट-बीड़ चाय आदि नाम से जानी जाने वाली इन चायों की अपनी अलग पहचान है। इन सभी कारखानों की चाय उत्पादन क्षमता लाखों किलोग्राम है। हाल ही में धर्मशाला की टी-फैक्ट्री में ही 80 हजार किलो ऑर्थोडॉक्स चाय का उत्पादन हुआ है और 50 हजार किलो चाय की बिक्री कोलकाता की मंडी में हो चुकी है। हालांकि जिस प्रकार से कुछ समय से बारिश की रफ्तार बनी हुई है, उससे चाय की ग्रोथ धीमी होने के कारण उत्पादन में कमी की संभावना हो सकती है। धर्मशाला टी-फैक्ट्री में चाय के व्यवसाय से जुड़े हजारों लोगों को प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिल रहा है।

कांगड़ा घाटी में चाय का उत्पादन अतीत काल से चला आ रहा है। कांगड़ा घाटी की यह चाय कांगड़ा की पहाड़ियों की उपजाऊ जलवायु में उगाई गई चाय की पत्तियों से तैयार की जाती है। धौलाधार की ठंडी और धीमी-धीमी समीर में विकसित होने वाली कांगड़ा घाटी की चाय अपनी लाजवाब खूबियों के लिए प्रसिद्ध है। देश में होने वाली अन्य पारंपरिक चायों में कोई भी कांगड़ा घाटी की चाय के आगे ठहर नहीं पाती। अपनी खास महक और खुशबू की गुणवत्ता के कारण चाय की इस प्रजाति से बनी चाय उम्दा चाय पसंद करने वाले चाय प्रेमियों की मांग को पूरा करती है। यही कारण है कि आज देश-विदेश के चाय प्रेमी कांगड़ा चाय की खूब चुस्कियां ले रहे हैं।

कांगड़ा चाय बनाने की विधि भी थोड़ी अलग और सरल है। चाय के बर्तन में पहले पानी व दूध को एक साथ गर्म किया जाता है और इसके उपरांत चाय की पत्ती डाली जाती है। कुछ पल बर्तन को ढक दिया जाता है और कुछ ही क्षणों में महक भरी चाय पीने के लिए तैयार हो जाती है। कांगड़ा चाय का अपना गौरवशाली इतिहास रहा है। एक जमाने में अमृतसर के रास्ते कांगड़ा की हरी चाय अफगानिस्तान तक पहुंचती थी, जहां इसका कहवा के तौर पर इस्तेमाल किया जाता था। कोलकाता की मंडी में इस हरी चाय की बोली पड़ती थी। लेकिन समय के साथ लोगों का रुझान बदलता गया। अफगानिस्तान का बाजार पहुंच से बाहर हो गया और बड़ी-बड़ी कंपनियों के साथ प्रतिस्पर्धा के कारण उत्पादकों के लिए अपनी चाय का उचित मूल्य प्राप्त करना कठिन होता गया। लगभग दो दशक पूर्व यानी 2002 के आसपास पालमपुर-बैजनाथ क्षेत्र में लगभग 10 लाख किलोग्राम चाय का उत्पादन होता था और करीब 8000 चाय के बागान थे, जिन पर 20 हजार लोग प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष तौर पर रोजगार के लिए आश्रित थे।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

व्यक्तित्व विशेष

मनोरंजन जगत में चमकता सितारा

डेजी शाह भारतीय मनोरंजन जगत की जानी-पहचानी अभिनेत्री और नृत्य कलाकार हैं। उनका जन्म **25 अगस्त 1984** को हुआ था। हर वर्ष 25 अगस्त को वह अपना जन्मदिन मनाती हैं। अभिनय के साथ-साथ नृत्य के क्षेत्र में भी उन्होंने अपनी पहचान बनाई है। मनोरंजन जगत में आने से पहले उन्होंने नृत्य कलाकार के रूप में अपने करियर की शुरुआत की और बाद में फिल्मों में अभिनय का अवसर हासिल किया।

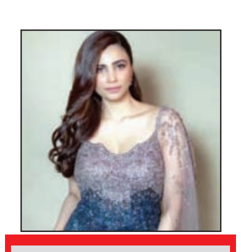

डेजी शाह
जन्म : 25 अगस्त 1984

डेजी शाह का जन्म मुंबई में हुआ और बचपन से ही उन्हें नृत्य तथा मनोरंजन की दुनिया में रुचि थी। उन्होंने अपने करियर के शुरुआती दौर में नृत्य कलाकार के रूप में काम किया। फिल्मों में आने से पहले उन्होंने कई कलाकारों के साथ नृत्य और मंचीय प्रस्तुतियों में हिस्सा लिया। उनकी नृत्य प्रतिभा और आकर्षक व्यक्तित्व ने उन्हें धीरे-धीरे फिल्मी दुनिया में पहचान दिलाई।

अभिनय के क्षेत्र में डेजी शाह को विशेष पहचान सलमान खान के साथ फिल्म में काम करने के बाद मिली। वर्ष 2014 में प्रदर्शित फिल्म जय हो में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस फिल्म के माध्यम से उन्होंने बड़े पर्दे पर अपनी अभिनय यात्रा को मजबूत शुरुआत दी। इसके बाद उन्होंने कई फिल्मों में अलग-अलग भूमिकाएं निभाईं और दर्शकों के बीच अपनी पहचान बनाने का प्रयास जारी रखा।

डेजी शाह ने हिंदी के साथ दक्षिण भारतीय फिल्मों में भी काम किया है। उन्होंने विभिन्न भाषाओं की फिल्मों के माध्यम से अपने अभिनय का दायरा बढ़ाया। उनकी फिल्मों में रोमांस, पारिवारिक भावनाओं और मनोरंजन से जुड़े अलग-अलग रंग देखने को मिले हैं। अभिनय के साथ उनकी नृत्य क्षमता भी उनकी खास पहचान रही है।

फिल्मी दुनिया में सफलता हासिल करना आसान नहीं होता। कलाकारों को लगातार मेहनत, धैर्य और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ना पड़ता है। डेजी शाह ने भी अपने करियर में कई उतार-चढ़ाव देखे और अलग-अलग अवसरों का हिस्सा बनीं।

बढ़ते पर्यटन के बीच हिमाचल की प्राकृतिक विरासत पर मंडरा रहा कचरे का संकट

राजन कुमार शर्मा
स्वतंत्र लेखक

हिमाचल प्रदेश को सदियों से 'देवभूमि' के नाम से जाना जाता है। यहां के बर्फ से आच्छादित पर्वत, निर्मल नदियां, घने देवदार के वन, शांत घाटियां और प्राचीन मंदिर न केवल श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक शांति प्रदान करते हैं, बल्कि देश-विदेश से आने वाले लाखों पर्यटकों को भी अपनी ओर आकर्षित करते हैं। जाखू मंदिर, श्री नैना देवी, चिंतपूर्णी, ज्वालामुखी, ब्रजेश्वरी देवी, मणिकर्ण साहिब, श्रीखंड महादेव, खीरगंगा, त्रिउंड, रोहतांग दर्रा, स्पीति घाटी, कसोल, मनाली और शिमला जैसे धार्मिक एवं पर्यटन स्थल हिमाचल की विशिष्ट पहचान हैं। इन स्थानों की प्राकृतिक सुंदरता, धार्मिक महत्ता और सांस्कृतिक विरासत पूरे विश्व में प्रसिद्ध है। लेकिन विडंबना यह है कि जिस स्वच्छ और पवित्र वातावरण के कारण हिमाचल की पहचान बनी, वही आज बढ़ते कचरे और प्लास्टिक प्रदूषण की गंभीर समस्या से प्रभावित हो रहा है। यदि समय रहते इस चुनौती का समाधान नहीं किया गया, तो देवभूमि की प्राकृतिक धरोहर और धार्मिक गरिमा दोनों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

प्रत्येक वर्ष हिमाचल प्रदेश में करोड़ों श्रद्धालु और पर्यटक पहुंचते हैं। पर्यटन राज्य की अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है और इससे हजारों लोगों की आजीविका जुड़ी हुई है। होटल, परिवहन, हस्तशिल्प, स्थानीय व्यापार और पर्यटन सेवाओं को इससे निरंतर प्रोत्साहन मिलता है। किंतु पर्यटन के बढ़ते दबाव के साथ ठोस अपशिष्ट की मात्रा भी तेजी से बढ़ रही है। पानी की प्लास्टिक बोतलें, चिप्स और स्नैक्स के पैकेट, डिस्पोजेबल कप-प्लेटें, पॉलीथीन, धार्मिक सामग्री तथा अन्य प्लास्टिक कचरा मंदिर परिसरों, पर्वतीय मार्गों, ट्रैकिंग स्थलों, नदियों के किनारों और पर्यटन क्षेत्रों में आसानी से देखा जा सकता है। कई स्थानों पर पर्याप्त संख्या में कूड़ेदान उपलब्ध नहीं हैं, जबकि जहां कूड़ेदान हैं, वहां समय पर कचरा न उठाए जाने के कारण स्थिति और गंभीर हो जाती है। इससे प्राकृतिक सौंदर्य प्रभावित होता है और पर्यटकों के अनुभव पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

सबसे अधिक चिंता का विषय यह है कि यह कचरा केवल दृश्य प्रदूषण तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पर्यावरण और जैव विविधता के लिए भी गंभीर खतरा बन जाता है। प्लास्टिक का अधिकांश भाग वर्षों तक नष्ट नहीं होता और धीरे-धीरे मिट्टी तथा जल स्रोतों को प्रदूषित करता रहता है। वर्षा के दौरान यही प्लास्टिक नालों, झरनों और नदियों में पहुंचकर जल प्रदूषण का कारण बनता है। खुले में पड़ा कचरा बंदरों, गायों, कुत्तों और अन्य वन्यजीवों द्वारा खा लिया जाता है, जिससे उनके स्वास्थ्य पर गंभीर दुष्प्रभाव पड़ते हैं। कई बार प्लास्टिक और अन्य ठोस अपशिष्ट प्राकृतिक जल निकासी मार्गों को अवरुद्ध कर देते हैं, जिसके कारण जलभराव, अचानक बाढ़ और भूस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं का खतरा बढ़ जाता है। पर्वतीय क्षेत्रों की संवेदनशील भौगोलिक परिस्थितियों को देखते हुए यह समस्या और भी गंभीर हो जाती है।

धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाए जाने वाले फूल, मालाएं, कपड़े, नारियल, प्लास्टिक पैकेजिंग और अन्य पूजा सामग्री का वैज्ञानिक प्रबंधन न होने से बड़ी मात्रा में जैविक और अजैविक कचरा उत्पन्न होता है। इसी प्रकार त्रिउंड, खीरगंगा, श्रीखंड महादेव तथा अन्य लोकप्रिय ट्रैकिंग और कैंपिंग स्थलों पर कई पर्यटक अपने पीछे प्लास्टिक बोतलें, खाद्य सामग्री के पैकेट और अन्य अपशिष्ट छोड़ जाते हैं। ऊंचाई वाले पर्वतीय क्षेत्रों से इस कचरे को वापस लाना अत्यंत कठिन, महंगा और श्रमसाध्य कार्य होता है। यही कारण है कि अनेक स्थानों पर वर्षों तक प्लास्टिक और अन्य अपशिष्ट जमा रहता है, जिससे पर्यावरणीय संतुलन प्रभावित होता है।

यह समस्या केवल प्रशासन या सरकार की नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक, श्रद्धालु और पर्यटक की साझा जिम्मेदारी है। यदि हम वास्तव में देवभूमि की पवित्रता और प्राकृतिक विरासत को सुरक्षित रखना चाहते हैं, तो हमें अपने व्यवहार में परिवर्तन लाना होगा। ** 'जो सामान लेकर जाएं, उसे वापस भी लेकर आएं' ** जैसी सोच को जीवन का हिस्सा बनाना होगा। एकल-उपयोग प्लास्टिक का प्रयोग कम करना, पुनः उपयोग योग्य पानी की बोतलों, कपड़ों के थैलों और स्टील के बर्तनों का उपयोग करना, कचरे को अलग-अलग श्रेणियों में डालना तथा निर्धारित स्थानों पर ही उसका निस्तारण करना प्रत्येक पर्यटक और श्रद्धालु का नैतिक दायित्व होना चाहिए। छोटी-छोटी आदतों में बदलाव भी पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ा योगदान दे सकता है।

सरकार और स्थानीय निकायों को भी इस दिशा में और अधिक प्रभावी कदम उठाने होंगे। प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों पर पर्याप्त संख्या में पृथक्कृत कूड़ेदान स्थापित किए जाएं, नियमित कचरा संग्रहण एवं परिवहन व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा जैविक कचरे के लिए कम्पोस्टिंग इकाइयों का विस्तार किया जाए। प्लास्टिक अपशिष्ट के पुनर्चक्रण को बढ़ावा देने के साथ-साथ स्थानीय समुदायों की भागीदारी भी सुनिश्चित करनी होगी। विद्यालयों और महाविद्यालयों में पर्यावरण संरक्षण संबंधी शिक्षा को प्रोत्साहित किया जाए, स्वयंसेवी संगठनों द्वारा नियमित स्वच्छता अभियान चलाए जाएं तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों पर प्रभावी जुर्माना लगाया जाए।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

'भारतेन्दु शिखर
प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रणजीत नगर, एप्पल फ्रूट मंडी, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।
आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437
ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

माफिया अशरफ की कुर्क जमीन पर फाइनेंसर का कब्जा

एजेंसी, प्रयागराज

माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ से जुड़े लोगों पर पुलिस की कार्रवाई जारी है। प्रयागराज में अशरफ की गैंगस्टर एक्ट के तहत कुर्क की गई जमीन पर कब्जे का मामला सामने आया है। आरोप है कि अतीक के फाइनेंसर मोहम्मद मुस्लिम ने अपने भाई और साथियों के साथ मिलकर इस जमीन पर जबरन कब्जा कर लिया और वहां बाउंड्रीवॉल खड़ी कर दी। बताया गया कि कुर्क की गई जमीन पर अवैध निर्माण किए जाने के साथ उसे बेचने की तैयारी भी की जा रही थी। मामले की जानकारी अधिकारियों को मिलने के बाद पुलिस और राजस्व विभाग की टीम सक्रिय हुई। संयुक्त कार्रवाई करते हुए मौके पर पहुंची टीम ने जमीन पर किए गए अवैध निर्माण को ढहा दिया।

इसके बाद राजस्व लेखपाल की तहरीर पर एयरपोर्ट थाने में मोहम्मद मुस्लिम, उसके भाई नसरत और आफताब अहमद के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार, जमीन से जुड़े दस्तावेजों और कब्जे की परिस्थितियों की भी जांच की जा रही है। पुलिस के मुताबिक मोहम्मद मुस्लिम खुल्दाबाद थाने का हिस्ट्रीशीटर है और उसके खिलाफ पहले से कई मामले दर्ज बताए गए हैं। जांच में यह पता लगाया जा रहा है कि कुर्क जमीन पर कब्जा किस तरह किया गया और इसमें अन्य लोगों की कोई भूमिका थी या नहीं। प्रयागराज पुलिस और राजस्व विभाग की कार्रवाई के बाद जमीन को कब्जे से मुक्त कराया गया है। पुलिस का कहना है कि जांच के दौरान सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने कुर्क संपत्तियों पर किसी भी तरह के अवैध कब्जे को गंभीरता से लेने की बात कही है।

न्यूज ब्रीफ

एक महीने से अंधेरे में जादोंपुर, बिजली उपभोक्ताओं ने शुरू किया अनिश्चितकालीन धरना

एजेंसी, पीलीभीत। सेहरामऊ उत्तरी क्षेत्र के जादोंपुर गांव में पिछले एक महीने से फुंके ट्रांसफार्मर के कारण बिजली संकट बना हुआ है। लगातार शिकायतों के बावजूद समस्या का समाधान नहीं होने से नाराज ग्रामीणों ने सोमवार सुबह कुरैया विद्युत उपकेंद्र पर अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया। ग्रामीणों का कहना है कि बिजली आपूर्ति ठप होने से फसलों की सिंचाई प्रभावित हो रही है। वहीं बच्चों की पढ़ाई और घरों के दैनिक कार्य भी प्रभावित हैं। लंबे समय से समस्या का समाधान नहीं होने पर उपभोक्ताओं का धैर्य जवाब दे गया। धरने पर बैठे ग्रामीणों ने विद्युत विभाग से जल्द नया ट्रांसफार्मर लगाने और बिजली व्यवस्था बहाल करने की मांग की है। उनका कहना है कि जब तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया जाता, तब तक धरना जारी रहेगा।

पढ़ाई के लिए सरकार देगी 1.25 लाख रुपए, 31 अगस्त तक करें आवेदन

एजेंसी, लखनऊ। केंद्र सरकार की पीएम यशस्वी योजना 2026 आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के छात्रों के लिए उच्च शिक्षा में मददगार साबित हो रही है। योजना के तहत अन्य पिछड़ा वर्ग, आर्थिक रूप से पिछड़ा वर्ग और विमुक्त, घुमंतू एवं अर्ध-घुमंतू जनजाति वर्ग के पात्र छात्रों को पढ़ाई के लिए आर्थिक सहायता दी जा रही है। योग्य विद्यार्थियों को हर साल 75 हजार से 1.25 लाख रुपये तक की छात्रवृत्ति मिल सकती है। यह राशि सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में भेजी जाएगी। योजना का लाभ लेने के इच्छुक छात्र 31 अगस्त 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल के माध्यम से किया जा सकता है। छात्रों को सलाह है कि आवेदन से पहले पात्रता और जरूरी दस्तावेजों की जानकारी अवश्य जांच लें।

डिप्लोमा द्वितीय सेमेस्टर परीक्षा में 462 परीक्षार्थी हुए उत्तीर्ण

एजेंसी, लखनऊ। उत्तर प्रदेश माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद ने एक वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के द्वितीय सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया है। पुरोहित्य (कर्मकांड), व्यावहारिक वास्तुशास्त्र, व्यावहारिक ज्योतिष और योग विज्ञान के परिणाम जारी किए गए हैं। परीक्षा के लिए 500 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, जिनमें 496 ने परीक्षा दी और 462 उत्तीर्ण हुए। सफल परीक्षार्थियों में 424 बालक और 38 बालिकाएं शामिल हैं। पुरोहित्य में 364, ज्योतिष में 23 और योग विज्ञान में 74 परीक्षार्थी सफल रहे। व्यावहारिक वास्तुशास्त्र में शामिल एकमात्र परीक्षार्थी भी उत्तीर्ण हुआ। परिषद के अनुसार परिणाम 21 अगस्त को जारी किया गया। परीक्षार्थी आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अपना परिणाम देख सकते हैं।

चीनी के बढ़ते दामों के बीच बांदा में तीन गोदामों पर छापा

एजेंसी, बांदा। चीनी के बढ़ते दामों के बीच जमाखोरी और कालाबाजारी की आशंका को देखते हुए प्रशासन ने तीन बड़े कारोबारियों के गोदामों पर छापेमारी की। नगर मजिस्ट्रेट दिनेशचंद्र के नेतृत्व में खाद्य विभाग की टीम ने शनिवार को प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर चीनी के स्टॉक की जांच की। जांच के दौरान तीनों गोदामों में कुल 1957.50 कुंतल चीनी मिली। अधिकारियों ने कारोबारियों को निर्देश दिया कि वे प्रत्येक शुक्रवार भारत सरकार के संबंधित पोर्टल पर अपने स्टॉक की जानकारी अनिवार्य रूप से दर्ज करें। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि जांच के दौरान जमाखोरी या कालाबाजारी पाए जाने पर संबंधित कारोबारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

स्कूल की अव्यवस्थाओं का वीडियो वायरल करने पर मेरठ में कार्रवाई

एजेंसी, मेरठ/देवरिया। उत्तर प्रदेश में सरकारी स्कूलों की बदहाली का वीडियो बनाकर सामाजिक मंचों पर प्रसारित करना युवाओं को भारी पड़ रहा है। मेरठ में सरूरपुर ब्लॉक के कालंद गांव स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय की व्यवस्थाओं का वीडियो बनाकर प्रसारित करने के मामले में कांग्रेस नेता के बेटे और उसके साथी के खिलाफ कार्रवाई की गई। सहायक खंड शिक्षा अधिकारी की तहरीर पर दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ। पुलिस ने रविवार को दोनों को पकड़कर चालान कर दिया। वीडियो करीब एक मिनट 20 सेकंड का बताया गया है। वहीं, देवरिया में भी स्कूल की बदहाली का वीडियो प्रसारित करने पर एक युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।वहीं देवरिया में भी सरकारी स्कूल की बदहाली का वीडियो बनाकर सामाजिक मंचों पर प्रसारित करने वाले युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

मायावती के गृह जिले में बसपा की नई रणनीति, आकाश आनंद कार्यकर्ताओं को करेंगे लामबंद

बसपा के मिशन-2027 की नई रणनीति, आकाश आनंद संभालेंगे मोर्चा

एजेंसी, लखनऊ

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर राजनीतिक दलों ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में बहुजन समाज पार्टी अब गौतमबुद्ध नगर में अपनी सियासी जमीन मजबूत करने की कोशिश में जुट गई है। मायावती के गृह जिले में पार्टी ने जेवर क्षेत्र को अपने चुनावी अभियान के अगले पड़ाव के तौर पर चुना है। दनकौर में 25 अगस्त को होने वाली जनसभा को आकाश आनंद संबोधित करेंगे।

बसपा के लिए गौतमबुद्ध नगर का खास राजनीतिक महत्व है। मायावती की जन्मभूमि बादलपुर इसी जिले में है और कभी जेवर तथा दादरी विधानसभा क्षेत्र पार्टी के मजबूत गढ़ माने जाते थे। जेवर सीट पर बसपा ने 2002, 2007 और 2012 में लगातार जीत दर्ज की थी। हालांकि, पिछले चुनावों में पार्टी का जनाधार कमजोर हुआ और क्षेत्र में भाजपा की पकड़ मजबूत होती गई। अब बसपा आकाश आनंद के जरिए अपने पुराने समर्थकों और कार्यकर्ताओं को दोबारा सक्रिय करने की कोशिश कर रही है। जेवर में उनकी सभा के दौरान पार्टी प्रत्याशी के नाम की घोषणा भी की जानी है। पार्टी ने गुर्जर समाज से आने वाले सतबीर गुर्जर को मैदान में उतारने की तैयारी की है।

इससे दलित और गुर्जर मतदाताओं के बीच सामाजिक समीकरण साधने की रणनीति दिखाई देती है। जेवर का महत्व सिर्फ पुराने राजनीतिक आधार तक सीमित नहीं है। क्षेत्र में बन रहा नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा इसे आर्थिक और राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बना रहा है। ऐसे में सभी प्रमुख दल यहां अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराने की कोशिश कर रहे हैं। आकाश आनंद के सामने सबसे बड़ी चुनौती बसपा के निष्क्रिय कैडर में नया उत्साह भरना और युवा मतदाताओं को पार्टी से जोड़ना है।

वह आरक्षण, रोजगार और सम्मान जैसे मुद्दों को उठाकर युवाओं तक पहुंच बनाने की कोशिश कर रहे हैं। साथ ही दलित युवाओं के बीच चंद्रशेखर आजाद के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला करना भी बसपा की रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। जेवर की सभा इसलिए भी अहम है क्योंकि इससे यह संकेत मिलेगा कि बसपा 2027 में अपने पुराने गढ़ों में वापसी के लिए कितनी गंभीरता से जमीन तैयार कर रही है।

सभा में आकाश आनंद कार्यकर्ताओं को आगामी चुनाव के लिए तैयार करेंगे। पार्टी का जोर पुराने समर्थकों को जोड़ने के साथ युवा मतदाताओं तक पहुंच बढ़ाने पर है। जेवर में बसपा की सक्रियता से क्षेत्र का राजनीतिक मुकाबला और दिलचस्प होने की संभावना है।

मथुरा की ग्राम पंचायतों की बढ़ेगी आय 150 संपत्तियां किराये पर देने की तैयारी

एजेंसी, मथुरा। मथुरा जिले की ग्राम पंचायतों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रशासन ने नई पहल शुरू की है। ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायतों के पास मौजूद ऐसी संपत्तियां, जो फिलहाल उपयोग में नहीं हैं, उन्हें किराये पर देकर पंचायतों की अपनी आय बढ़ाने की योजना बनाई गई है। पहले चरण में करीब 150 संपत्तियों को चिन्हित किया गया है।

जिला पंचायत राज विभाग के अनुसार, ग्राम पंचायतों के पास दुकानें, खाली मैदान, पंचायत घर, बारात घर और अन्य भवन जैसी कई संपत्तियां उपलब्ध हैं। इनमें से जिनका नियमित उपयोग नहीं हो रहा है, उन्हें किराये पर देने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इसके लिए जिले के सभी विकासखंडों से ऐसी संपत्तियों की सूची मांगी गई है। प्रशासन का उद्देश्य पंचायतों की अपनी आय यानी ओएसआर में वृद्धि करना है। इससे ग्राम पंचायतों को विकास कार्यों के लिए केवल सरकारी सहायता पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। किराये से प्राप्त होने वाली आय का उपयोग स्थानीय स्तर पर जरूरी सुविधाओं को बेहतर बनाने में किया जा सकेगा।

पंचायतों की आय बढ़ने से गांवों में सफाई व्यवस्था, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था और अन्य आवश्यक कार्यों को समय पर कराने में मदद मिलेगी। साथ ही पंचायतों के पास उपलब्ध संपत्तियों का बेहतर उपयोग भी सुनिश्चित होगा। प्रशासन को इस पहल से पंचायतों में संसाधनों के प्रबंधन को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। पहले चरण में चिन्हित 150 संपत्तियों को किराये पर देने के बाद योजना के परिणामों के आधार पर अन्य संपत्तियों को भी इसमें शामिल किया जा सकता है। इससे ग्राम पंचायतों की आर्थिक स्थिति मजबूत होने के साथ ग्रामीण विकास को भी गति मिलने की संभावना है।

जेन जी कनेक्ट यात्रा के युवाओं का प्रदर्शन, डीएम कार्यालय पर बढ़ा तनाव

एजेंसी, देवरिया

जेन जी कनेक्ट यात्रा में शामिल युवाओं ने सोमवार को जिलाधिकारी कार्यालय के गेट पर धरना देकर प्रदर्शन किया। युवाओं की मांग थी कि जिलाधिकारी मौके पर आकर उनकी बात सुनें। जिलाधिकारी के कार्यालय में मौजूद नहीं होने पर युवा गेट के बाहर ही धरने पर बैठ गए। इस दौरान पुलिसकर्मियों ने उन्हें वहां से हटाने का प्रयास किया, जिसको लेकर दोनों पक्षों के बीच नोकझोंक और धक्का-मुक्की की स्थिति बन गई।

जेन जी कनेक्ट यात्रा के दौरान सोमवार को बीएसए कार्यालय के घेराव की सूचना मिलने के बाद पुलिस प्रशासन पहले से सतर्क था। सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए बीएसए कार्यालय के आसपास पुलिसकर्मियों की तैनाती बढ़ा दी गई थी। इसी बीच यात्रा में शामिल युवा डीएम कार्यालय पहुंच गए और गेट पर धरना शुरू कर दिया। मामले को लेकर यात्रा के नेतृत्वकर्ता रजत सिंह के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज किया गया है।

पुलिस के अनुसार, बीएसए कार्यालय के घेराव की सूचना और उससे जुड़ी गतिविधियों को लेकर कार्रवाई की गई है। वहीं रजत सिंह ने अपने ऊपर लगाए गए आरोपों को गलत बताया है। युवाओं के प्रदर्शन के कारण कुछ समय के लिए डीएम कार्यालय परिसर के बाहर तनावपूर्ण स्थिति बनी रही। पुलिस अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों को समझाने और उन्हें गेट से हटाने का प्रयास किया।

कौन हैं राकेश गंगवाल? आईआईटी कानपुर को दिया 300 करोड़ का बड़ा दान

एजेंसी, कानपुर

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर के पूर्व छात्र और प्रमुख उद्योगपति राकेश गंगवाल ने संस्थान को 300 करोड़ रुपये का बड़ा दान देने की घोषणा की है। इससे आईआईटी कानपुर के लिए उनका कुल योगदान 400 करोड़ रुपये हो गया है। गंगवाल इससे पहले भी संस्थान को 100 करोड़ रुपये की राशि दे चुके हैं।

उनके इस योगदान को आईआईटी कानपुर में चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। गंगवाल द्वारा दी जा रही नई धनराशि का उपयोग गंगवाल स्कूल ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी के विकास के लिए किया जाएगा। यह संस्थान की एक महत्वपूर्ण और अनूठी पहल है, जिसका उद्देश्य चिकित्सा शिक्षा को अत्याधुनिक तकनीक और शोध के साथ जोड़ना है।

इसके माध्यम से चिकित्सा क्षेत्र में नई तकनीकों को विकसित करने, अनुसंधान को बढ़ावा देने और बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की दिशा में काम करने की योजना है। आईआईटी कानपुर लंबे समय से तकनीकी शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में देश के प्रमुख संस्थानों में शामिल रहा है। अब चिकित्सा और स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भी संस्थान अपनी भूमिका मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। गंगवाल का योगदान इस प्रयास को नई गति देने में मदद करेगा। राकेश गंगवाल आईआईटी कानपुर के पूर्व छात्र हैं और विमानन क्षेत्र में उनकी खास पहचान है। उन्होंने अपने व्यावसायिक करियर में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। संस्थान से अपने जुड़ाव को बनाए रखते हुए वह शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में लगातार योगदान कर रहे हैं।

300 करोड़ रुपये की नई राशि के साथ उनका कुल योगदान 400 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। इससे चिकित्सा विज्ञान और प्रौद्योगिकी से जुड़े संस्थान के विभिन्न शैक्षणिक एवं शोध कार्यक्रमों को मजबूती मिलने की उम्मीद है। आईआईटी कानपुर का लक्ष्य चिकित्सा और तकनीक के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर देश में स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा देना है। गंगवाल का यह योगदान इसी व्यापक उद्देश्य को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

◆ **राकेश गंगवाल** के इस योगदान से आईआईटी कानपुर में चिकित्सा विज्ञान और तकनीकी अनुसंधान को नई मजबूती मिलने की उम्मीद है। संस्थान का प्रयास चिकित्सा शिक्षा को आधुनिक तकनीक से जोड़कर नए शोध और नवाचार को बढ़ावा देना है। 300 करोड़ रुपये की नई राशि से मेडिकल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी स्कूल के विकास को गति मिलेगी।

कानपुर आरटीओ में क्राइम ब्रांच का छापा, दोनों गेट बंद कर 42 दलाल पकड़े

एजेंसी, कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर स्थित आरटीओ कार्यालय में सोमवार दोपहर क्राइम ब्रांच की अचानक छापेमारी से हड़कंप मच गया। करीब 1:40 बजे भारी पुलिस बल के साथ पहुंची टीम ने आरटीओ कार्यालय और सारथी भवन को जांच के घेरे में ले लिया। कार्रवाई के दौरान दोनों गेट बंद कर परिसर में लोगों की आवाजाही रोक दी गई।

क्राइम ब्रांच की टीम ने कार्यालय परिसर में मौजूद लोगों की गतिविधियों की जांच शुरू की। कार्रवाई के दौरान निगरानी के लिए ड्रोन का भी इस्तेमाल किया गया। पुलिस की इस अचानक कार्रवाई से कार्यालय में मौजूद कर्मचारियों, आवेदकों और अन्य लोगों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। छापेमारी के दौरान पुलिस ने करीब 42 लोगों को पकड़ा, जिन्हें दलाल बताया जा रहा है। टीम ने पकड़े गए लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है। इसके साथ ही आरटीओ कार्यालय और सारथी भवन में मौजूद दस्तावेजों तथा गतिविधियों की भी जांच की जा रही है। क्राइम ब्रांच की कार्रवाई का उद्देश्य आरटीओ कार्यालय में कथित रूप से सक्रिय दलालों के नेटवर्क की जानकारी जुटाना और उनकी भूमिका की जांच करना बताया जा रहा है।

पेड़ पर फांसी के फंदे पर लटकता मिला युवक का शव

एजेंसी, हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में मुस्करा थाना क्षेत्र के उपहरका गांव के बाहर खेत में स्थित कुएं के पास पेड़ पर एक युवक का शव फांसी के फंदे से लटका मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। शव कई दिन पुराना होने के कारण पुलिस ने मौके पर पहुंचकर फील्ड यूनिट की मदद से घटनास्थल की जांच की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मुस्करा थाना प्रभारी उदय प्रताप सिंह ने सोमवार को बताया कि उपहरका गांव के बाहर खेत में कुएं के पास पेड़ पर एक अज्ञात युवक का शव फंदे से लटका हुआ मिला था। प्रारंभिक जांच में शव करीब चार से पांच दिन पुराना प्रतीत हो रहा था। सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। फील्ड यूनिट की सहायता से आवश्यक साक्ष्य जुटाए गए।

पुलिस के अनुसार, जांच और पूछताछ के बाद मृतक की पहचान संदीप (29) पुत्र विश्वनाथ के रूप में हुई है। शव मिलने की सूचना पर परिजनों में कोहराम मच गया। परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मौत के कारणों की जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है। साथ ही परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है।

यूपी के किसानों के लिए खुशखबरी, मखाना की खेती पर सरकार दे रही 50% अनुदान

◆ तराई के किसानों के लिए मखाना बना अतिरिक्त आय का नया जरिया।

एजेंसी, अयोध्या

उत्तर प्रदेश के तराई क्षेत्र में किसानों के लिए मखाना की खेती अतिरिक्त आमदनी का नया जरिया बन सकती है। मखाना उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए उद्यान विभाग की ओर से मखाना विकास योजना संचालित की जा रही है। इस योजना के तहत पात्र किसानों को मखाना की खेती की लागत पर 50 प्रतिशत तक अनुदान दिया जाएगा। किसानों से योजना के तहत आवेदन भी मांगे गए हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 31 मार्च निर्धारित की गई है।

योजना के अनुसार, एक हेक्टेयर तालाब में मखाना की खेती करने वाले पात्र किसानों को खेती की लागत का आधा हिस्सा तक अनुदान के रूप में मिल सकता है। इससे किसानों पर खेती की शुरुआती लागत का बोझ कम होगा और जलभराव वाले क्षेत्रों का बेहतर उपयोग किया जा सकेगा। रुदौली समेत तराई क्षेत्र में वेटलैंड और बड़ी संख्या में राजस्व ताल-पोखर मौजूद हैं। ऐसे क्षेत्रों को मखाना उत्पादन के लिए उपयुक्त माना जा रहा है। विभाग का उद्देश्य किसानों को पारंपरिक फसलों के साथ वैकल्पिक और लाभकारी खेती के लिए प्रोत्साहित करना है।

धान और गेहूं जैसी पारंपरिक फसलों के साथ जलभराव वाली भूमि में मखाना की खेती किसानों के लिए अतिरिक्त आय का विकल्प बन सकती है। खास बात यह है कि जिन क्षेत्रों में सामान्य फसलों की खेती करना मुश्किल होता है, वहां तालाब और जलभराव वाले क्षेत्र मखाना उत्पादन के काम आ सकते हैं। मखाना की मांग बाजार में लगातार बनी हुई है। ऐसे में किसानों को उत्पादन के साथ बेहतर बाजार उपलब्ध होने पर अच्छी आमदनी की संभावना है।

विकास | सैफई सिंडिकेट से विकास की राजनीति तक, रायबरेली में योगी का कांग्रेस-सपा पर प्रहार

पहले यूपी था 'कर्फ्यू प्रदेश', अब दुनिया भर से आ रहा निवेश: मुख्यमंत्री योगी

एजेंसी, रायबरेली

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को रायबरेली के फिरोज गांधी मैदान में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए सपा और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि एक समय प्रदेश में बिजली, राशन और नौकरियों में 'सैफई सिंडिकेट' का प्रभाव था, लेकिन अब सरकार की योजनाओं का लाभ बिना किसी भेदभाव के हर वर्ग तक पहुंच रहा है। मुख्यमंत्री ने इस दौरान करीब 879 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास भी किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पहले उत्तर प्रदेश की पहचान 'कर्फ्यू प्रदेश' के रूप में होती थी, लेकिन आज दुनिया भर से निवेश प्रदेश में आ रहा है। उन्होंने दावा किया कि सरकार ने पिछले नौ वर्षों में विकास और जनकल्याण के क्षेत्र में व्यापक काम किया है। योगी ने कहा कि कांग्रेस और सपा अपने पूरे कार्यकाल में जितने आवास और शौचालय नहीं बना पाई, उससे दोगुना काम उनकी सरकार ने नौ वर्षों में किया है।

उन्होंने कांग्रेस पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के उस कथन का उल्लेख किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि सरकार से भेजे गए एक रुपये में से केवल 15 पैसे ही जनता तक पहुंचते हैं। योगी ने कहा कि जनता के विकास के लिए आने वाले पैसे को खाने का काम कांग्रेस और सपा के लोग करते रहे हैं। उनके अनुसार, अब सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे पात्र लोगों तक पहुंच रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि रायबरेली पहले वीआईपी क्षेत्र होने के बावजूद बदहाली, अभाव और गरीबी के लिए जाना जाता था। अब इसकी पहचान विकास और समृद्धि के रूप में हो रही है।

उन्होंने रायबरेली की रेल कोच फैक्ट्री का उदाहरण देते हुए कहा कि जो इकाई वर्षों तक बदहाल रही, वह अब उत्पादन के नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है। योगी ने कहा कि रायबरेली और अमेठी कांग्रेस के लिए लंबे समय तक वोटबैंक रहे, लेकिन उनकी सरकार के लिए दोनों क्षेत्र जिम्मेदारी हैं। उन्होंने दावा किया कि रायबरेली अब केवल उत्तर प्रदेश ही नहीं, बल्कि पूरे देश में विकास के लिए पहचाना जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके आचरण से 'मुंह में राम और बगल में छुरी' वाली स्थिति दिखाई देती है।

यातायात व्यवस्था होगी सुचारू

इसके अलावा कार्यक्रम स्थलों के आसपास यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने के लिए आवश्यक इंतजाम किए जा रहे हैं। संभावित भीड़ को देखते हुए पार्किंग स्थलों को चिह्नित किया जा रहा है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि मुख्यमंत्री के आगमन से पहले सभी व्यवस्थाओं की जांच कर लें। नगर पालिका की टीमें सड़कों और आसपास के क्षेत्रों की सफाई में जुटी हैं। जलभराव वाले स्थानों को भी चिन्हित कर वहां आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। प्रयास है कि कार्यक्रम के दौरान किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो और आम लोगों को भी परेशानी का सामना न करना पड़े। इसके लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं और तैयारियों की लगातार समीक्षा की जा रही है।

सावन में अयोध्या के भोजन पर विवाद, भाजपा ने कांग्रेस को घेरा

एजेंसी, लखनऊ

◆ **सावन में मछली-भात पर सियासी विवाद, भाजपा ने कांग्रेस पर साधा निशाना।**

अयोध्या में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के कार्यक्रम के दौरान परोसे गए भोजन को लेकर उत्तर प्रदेश की राजनीति गरमा गई है। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता आलोक अवस्थी ने इस मामले को लेकर कांग्रेस पर तीखा हमला बोला और सनातन धर्म की भावनाओं का अपमान करने का आरोप लगाया।

आलोक अवस्थी ने सोमवार को कहा कि सावन के पवित्र महीने में अयोध्या जैसी धार्मिक नगरी में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय के स्वागत के लिए मछली-भात का आयोजन करना धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को धार्मिक स्थलों और पवित्र महीनों की मर्यादा का ध्यान रखना चाहिए। भाजपा प्रवक्ता ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के पटना दौरे का भी उल्लेख किया। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी सावन के महीने में पटना में लालू प्रसाद यादव के आवास पर मांस का सेवन कर चुके हैं।

अवस्थी ने कहा कि जब पार्टी का शीर्ष नेतृत्व इस तरह की गतिविधियों में शामिल होता है, तो प्रदेश स्तर के नेता भी उसका अनुसरण करते दिखाई देते हैं। उन्होंने कांग्रेस पर सनातन धर्म की परंपराओं और आस्था का लगातार अपमान करने का आरोप लगाया। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि पवित्र महीनों और तीर्थस्थलों की मर्यादा का सम्मान करना सभी राजनीतिक दलों की जिम्मेदारी है। उन्होंने दावा किया कि अयोध्या जैसे धार्मिक महत्व वाले स्थान पर इस प्रकार का आयोजन कांग्रेस की सोच को दर्शाता है।

काला अंब में 16 एकड़ में बनेगा शौर्य स्मारक हरियाणा-महाराष्ट्र मिलकर करेंगे निर्माण

नायब सैनी और देवेंद्र फडणवीस की बैठक में 16 एकड़ में प्रस्तावित स्मारक को लेकर बनी रूपरेखा

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अपने मुंबई दौरे के दौरान महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच हुई बैठक में राजनीतिक और समसामयिक विषयों के साथ औद्योगिक निवेश से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा हुई। इस दौरान तीसरे पानीपत युद्ध से जुड़े ऐतिहासिक स्थल काला अंब में भव्य शौर्य स्मारक के निर्माण को लेकर विस्तार से बातचीत हुई।

प्रस्तावित शौर्य स्मारक करीब 16 एकड़ क्षेत्र में विकसित किया जाएगा। इसके निर्माण को लेकर हरियाणा और महाराष्ट्र सरकार सक्रिय रूप से आगे बढ़ रही हैं। दोनों राज्यों के बीच इस परियोजना को ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। स्मारक के माध्यम से तीसरे पानीपत युद्ध में बलिदान देने वाले योद्धाओं की वीरता और शौर्यगाथा को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा।

काला अंब पानीपत शहर से करीब आठ किलोमीटर दूर उग्राखेड़ी क्षेत्र में स्थित है। यह स्थान तीसरे पानीपत युद्ध से जुड़ा ऐतिहासिक स्थल माना जाता है। 14 जनवरी 1761 को मराठा सेना और अहमद शाह अब्दाली की सेना के बीच यहां निर्णायक युद्ध हुआ था। इस युद्ध में मराठा सेनापति सदाशिवराव भाऊ ने अंतिम समय तक संघर्ष किया था। उनके बलिदान से जुड़े होने के कारण काला अंब का विशेष ऐतिहासिक महत्व है। स्थानीय मान्यता के अनुसार, इस स्थल का नाम उस काले आम के पेड़ से जुड़ा है, जिसके नीचे सदाशिवराव भाऊ ने युद्ध के अंतिम चरण में संघर्ष किया था। हालांकि वह पुराना पेड़ अब मौजूद नहीं है, लेकिन स्थल पर उसकी स्मृति से जुड़े स्मारक-स्तंभ मौजूद हैं।

प्रस्तावित शौर्य स्मारक के निर्माण से इस ऐतिहासिक स्थल को और व्यवस्थित एवं आकर्षक स्वरूप मिलने की उम्मीद है। बैठक में दोनों मुख्यमंत्रियों ने स्मारक निर्माण की दिशा में आवश्यक कदम उठाने पर चर्चा की। हरियाणा और महाराष्ट्र के बीच इस परियोजना में सहयोग को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। माना जा रहा है कि स्मारक के विकसित होने के बाद यह स्थान इतिहास और वीरता में रुचि रखने वाले लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगा।

पलवल में शराब तस्करी का भंडाफोड़ कार से 22 पेटी अवैध शराब बरामद

भारतेन्दु संवाददाता, पलवल

पलवल पुलिस ने अवैध शराब की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक कार से 22 पेटी देसी और अंग्रेजी शराब बरामद की है। पुलिस ने कार चालक को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया, जबकि उसके साथ मौजूद उसका बेटा पुलिस को चकमा देकर खेतों के रास्ते फरार हो गया। पुलिस ने फरार आरोपित की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, एंटी व्हीकल थेफ्ट स्टाफ को सूचना मिली थी कि अहरवा गांव निवासी धर्मेंद्र सफेद रंग की ब्रेजा कार में फरीदाबाद से सिलानी रोड होते हुए हथीन की तरफ अवैध शराब लेकर आ रहा है। सूचना के आधार पर एएसआई ईश्वर सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मिंडकोला स्थित केएमपी एक्सप्रेस-वे पुल के पास नाकाबंदी कर वाहनों की जांच शुरू की। इसी दौरान सिलानी रोड की ओर से सफेद रंग की ब्रेजा कार आती दिखाई दी। पुलिस ने चालक को रुकने का इशारा किया। नाकाबंदी देखकर चालक ने कार को वापस मोड़ने का प्रयास किया। इसी दौरान कार में सवार एक युवक नीचे उतरकर खेतों की ओर भाग गया। पुलिस ने कार को घेरकर चालक को पकड़ लिया।

पूछताछ में चालक की पहचान अहरवा निवासी धर्मेंद्र के रूप में हुई। पुलिस के मुताबिक फरार युवक उसका बेटा हेमंत है। कार की तलाशी लेने पर डिग्गी से 22 पेटी अवैध देसी और अंग्रेजी शराब बरामद हुई। हथीन थाना पुलिस ने शराब कब्जे में लेकर धर्मेंद्र के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। फरार आरोपित की तलाश में पुलिस संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। पुलिस ने शराब को कब्जे में लेकर मामले की जांच तेज कर दी है।

न्यूज ब्रीफ

कपड़ा व्यवसायी से वाट्सऐप पर मांगी एक करोड़ की रंगदारी, आरोपी गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, फतेहाबाद। टोहाना में कपड़ा व्यवसायी से वाट्सऐप कॉल के जरिए एक करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने और पांच दिन में रकम न देने पर जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए गांव कन्हड़ी निवासी साहिल उर्फ पहलवान को गिरफ्तार कर लिया है। उसके कब्जे से वारदात में इस्तेमाल मोबाइल फोन भी बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार, टोहाना निवासी पंकज 22 अगस्त को रेलवे रोड स्थित अपनी कपड़े की दुकान पर मौजूद था। इसी दौरान उसके मोबाइल पर अज्ञात नंबर से वाट्सऐप कॉल आई। कॉल करने वाले ने खुद को साहिल कन्हड़ी बताते हुए एक करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी और पांच दिन में रकम देने का अल्टीमेटम दिया। पैसे नहीं देने पर जान-माल को नुकसान पहुंचाने की धमकी दी गई। शिकायत मिलते ही पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है।

फतेहाबाद जिले में पुलिस की मदद से रातभर चला कचरा उठाने का अभियान

भारतेन्दु संवाददाता, फतेहाबाद। फतेहाबाद जिले के फतेहाबाद, रतिया और टोहाना शहरों में 18 दिनों से जारी सफाई कर्मचारियों की हड़ताल के बीच जिला प्रशासन ने रविवार आधी रात विशेष सफाई अभियान चलाया। भारी पुलिस बल और ड्यूटी मजिस्ट्रेटों की मौजूदगी में कचरा उठाने के लिए जेसीबी, लोडर और ट्रैक्टर-ट्रालियां लगाई गईं। अभियान का विरोध कर रहे 100 से अधिक कर्मचारियों को अलग-अलग स्थानों से हिरासत में लिया गया। फतेहाबाद में कुछ कर्मचारियों ने कचरा उठाने वाली गाड़ियों के आगे खड़े होकर विरोध किया और राष्ट्रगान गाया। रतिया में 18 महिला और 10 पुरुष कर्मचारियों को हिरासत में लिया गया। टोहाना में करीब 500 टन जमा कचरा हटाने के लिए रात एक बजे से सुबह साढ़े चार बजे तक अभियान चला। अभियान पूरा होने के बाद हिरासत में लिए गए कर्मचारियों को छोड़ दिया गया।

बारिश से हरियाणा के कई शहर बेहाल, गुरुग्राम में जाम और नारनौल-सोनीपत में जलभराव

भारतेन्दु संवाददाता, नारनौल। सोमवार सुबह हरियाणा के नारनौल, रेवाड़ी, फरीदाबाद, गुरुग्राम, नूंह, सोनीपत और पलवल में तेज बारिश हुई। गुरुग्राम में काली घटाएं छाने के बाद बारिश से कई सड़कों पर यातायात प्रभावित हुआ और लंबा जाम लग गया। नारनौल व सोनीपत में बारिश के कारण कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई, जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। मौसम में अचानक बदलाव से तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई। बारिश के कारण वाहन चालकों को भी आवाजाही में दिक्कत हुई। मौसम विभाग की ओर से कई इलाकों में बारिश को लेकर चेतावनी जारी की गई है।

हाईटेंशन लाइन की चपेट में आया ट्रक करंट लगने से ग्रामीण की मौत

भारतेन्दु संवाददाता, पलवल। पलवल के बघौला गांव में नेशनल हाईवे-19 के पास सोमवार को दर्दनाक हादसे में एक ग्रामीण की करंट लगने से मौत हो गई। मृतक की पहचान बघौला निवासी प्रेम चंद के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, एक ट्रक चालक वाहन को आगे-पीछे कर रहा था। इसी दौरान ट्रक ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन बिजली लाइन की चपेट में आ गया। तार के संपर्क में आते ही ट्रक में करंट फैल गया। खेत से घर लौट रहे प्रेम चंद इसकी चपेट में आ गए और गंभीर रूप से झुलस गए। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटना की जांच शुरू की। गदपुरी पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। हादसे के कारणों और जिम्मेदारी की जांच जारी है।

हिसार रोडवेज में टायरों की किल्लत वर्कशॉप में खड़ी 17 बसें; यात्री परेशान

भारतेन्दु संवाददाता, हिसार

टायरों की किल्लत ने बिगाड़ा हिसार रोडवेज का संचालन।

हिसार रोडवेज डिपो में टायरों की कमी के कारण बसों का संचालन प्रभावित हो रहा है। टायर उपलब्ध नहीं होने से करीब 17 बसें वर्कशॉप में खड़ी हैं। इसका सीधा असर स्थानीय मार्गों पर पड़ रहा है और यात्रियों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

हाल ही में डिपो में 50 ट्यूबलेस टायरों की खेप पहुंची थी। इनमें से 15 टायर हांसी डिपो भेज दिए गए। शेष टायरों का इस्तेमाल हिसार डिपो में चलने वाली वातानुकूलित बसों के लिए किया जाना है। समस्या यह है कि हिसार डिपो में अधिकतर बसें साधारण श्रेणी की हैं, जबकि उपलब्ध टायर मुख्य रूप से वातानुकूलित बसों के लिए हैं। टायरों की अनुपलब्धता के कारण कई बसें लंबे समय से वर्कशॉप में खड़ी हैं। इससे स्थानीय मार्गों पर बसों की संख्या कम हो गई है। यात्रियों को कई स्थानों पर बसों का इंतजार करना पड़ रहा है।

ग्रामीण और आसपास के क्षेत्रों से हिसार आने-जाने वाले यात्रियों की परेशानी भी बढ़ गई है। रोडवेज डिपो में बसों के संचालन के लिए टायरों की नियमित आपूर्ति जरूरी है। टायरों की कमी के कारण चालू बसों पर भी अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है। यात्रियों का कहना है कि बस सेवा प्रभावित होने से उन्हें निजी वाहनों या अन्य साधनों का सहारा लेना पड़ रहा है।

हत्या और रंगदारी की तैयारी में था गैंग, क्राइम ब्रांच ने छह शूटर दबोचे

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम। गुरुग्राम पुलिस की क्राइम ब्रांच सोहना ने संगठित अपराध के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए रोहित गोदारा और लिपिन नेहरा गिरोह के छह सक्रिय बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब 40 लाख रुपये कीमत के चार विदेशी पिस्टल समेत सात हथियार, 33 कारतूस, नौ मैगजीन और एक स्कॉर्पियो गाड़ी बरामद की है। पुलिस के अनुसार, आरोपी गुरुग्राम समेत हरियाणा, राजस्थान, पंजाब और दिल्ली-एनसीआर में रंगदारी तथा हत्या की वारदातों को अंजाम देने की तैयारी में थे। पुरानी रंजिश के चलते विरोधी पक्ष के दो लोगों की हत्या की साजिश रची गई थी। क्राइम ब्रांच ने 19 अगस्त को अलीपुर मोड़ से सलीम, मोहित, नरेंद्र उर्फ सोनू और ललित को गिरफ्तार किया।

कर्मचारी से मारपीट का विरोध करना पड़ा भारी, बीच-बचाव में ढाबा मालिक की हत्या

भारतेन्दु संवाददाता, हिसार

सोनीपत के राई क्षेत्र में रात एक ढाबा संचालक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान कुंडली निवासी 30 वर्षीय नरेंद्र के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि नरेंद्र अपने ढाबे के कर्मचारी और कुछ युवकों के बीच हो रहे विवाद को शांत कराने के लिए बीच-बचाव करने पहुंचा था। इसी दौरान विवाद बढ़ गया और आरोपी ने कथित तौर पर पिस्तौल निकालकर नरेंद्र को गोली मार दी।

जानकारी के अनुसार, नरेंद्र का पेपर मिल कालोनी में ढाबा है। रविवार रात कुछ युवक पास में शराब पी रहे थे। इसी दौरान ढाबे के एक कर्मचारी के साथ उनकी कहासुनी हो गई। देखते ही देखते युवकों ने कर्मचारी के साथ मारपीट शुरू कर दी। घटना की जानकारी मिलने पर नरेंद्र मौके पर पहुंचा और युवकों को समझाने तथा विवाद शांत कराने का प्रयास किया।

इसी दौरान आरोपी अमन बिहारी ने कथित तौर पर नरेंद्र पर गोली चला दी। गोली लगने से नरेंद्र गंभीर रूप से घायल होकर गिर गया। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। नरेंद्र को उपचार के लिए निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसकी हालत गंभीर देखते हुए दिल्ली के उच्च चिकित्सा केंद्र के लिए रेफर कर दिया। हालांकि, उसकी मौत हो गई। वारदात की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए और आरोपी की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश देने की कार्रवाई शुरू की है।

नरेंद्र की हत्या की सूचना मिलते ही परिवार और क्षेत्र के लोगों में आक्रोश फैल गया। सोमवार को बड़ी संख्या में परिजन और स्थानीय लोग आरोपी की जल्द गिरफ्तारी की मांग को लेकर कुंडली थाने पहुंच गए और थाने का घेराव किया। लोगों ने पुलिस से आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की। पुलिस अधिकारियों ने प्रदर्शन कर रहे लोगों को कार्रवाई का आश्वासन दिया है। फिलहाल पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है और आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

दीपेंद्र हुड्डा को हटाने की मांग से गरमाई हरियाणा कांग्रेस, कुलदीप शर्मा ने खोला मोर्चा

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

कुलदीप शर्मा के बगावती तेवरों से हरियाणा कांग्रेस में बढ़ी सियासी हलचल।

हरियाणा कांग्रेस में एक बार फिर अंदरूनी खींचतान खुलकर सामने आती दिखाई दे रही है। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप शर्मा की एक फेसबुक पोस्ट और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को लिखे पत्र ने प्रदेश की सियासत में हलचल बढ़ा दी है। कुलदीप शर्मा ने कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य और सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा को पद से हटाने की मांग की है। उनके बयान, 'कुलदीप शर्मा कांग्रेस छोड़ता नहीं, छुड़वाया करता है', ने राजनीतिक चर्चाओं को और हवा दे दी है।

कुलदीप शर्मा का कांग्रेस से रिश्ता कई दशकों पुराना है, लेकिन पार्टी के साथ उनका सफर हमेशा आसान नहीं रहा। वर्ष 2004 में करनाल लोकसभा सीट से टिकट नहीं मिलने पर उन्होंने कांग्रेस के खिलाफ निर्दलीय चुनाव लड़ा था। इसके बाद पार्टी ने उन्हें छह साल के लिए निष्कासित कर दिया था। वर्ष 2005 में प्रदेश में कांग्रेस सरकार बनने के बाद तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने उनकी पार्टी में वापसी कराई। इसके बाद दोनों नेताओं के राजनीतिक संबंध मजबूत हुए।

वर्ष 2007 में कुलदीप शर्मा को हरियाणा कांग्रेस कमेटी का कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया। वर्ष 2009 में वह गन्नौर से विधायक चुने गए और मार्च 2011 में हुड्डा सरकार के दौरान हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष बने। अब परिस्थितियां बदलती नजर आ रही हैं। कुलदीप शर्मा के बेटे को करनाल से टिकट नहीं मिलने की नाराजगी को भी मौजूदा विवाद से जोड़कर देखा जा रहा है। इसके अलावा दिवंगत कांग्रेस नेता सज्जन कुमार से जुड़े मुद्दे और दीपेंद्र हुड्डा द्वारा उन्हें सम्मान दिए जाने को लेकर भी कुलदीप शर्मा ने सवाल उठाए हैं। कुलदीप शर्मा के ताजा तेवरों ने कांग्रेस के भीतर पुराने रिश्तों और वर्तमान राजनीतिक समीकरणों को फिर चर्चा में ला दिया है।

उनका दीपेंद्र हुड्डा के खिलाफ खुलकर मोर्चा खोलना पार्टी की अंदरूनी गुटबाजी को लेकर नई बहस छेड़ रहा है।

अब देखना होगा कि कांग्रेस नेतृत्व इस विवाद को किस तरह संभालता है और कुलदीप शर्मा के आरोपों पर पार्टी की ओर से क्या प्रतिक्रिया सामने आती है। कुलदीप शर्मा के तेवरों ने कांग्रेस के भीतर गुटबाजी और नेतृत्व को लेकर बहस तेज कर दी है। उनके आरोपों के बाद पार्टी नेतृत्व के सामने असंतोष को शांत करने और वरिष्ठ नेताओं के बीच बढ़ती दूरी को कम करने की चुनौती खड़ी हो गई है।

हिसार में खूनी खेल, शराब ठेके के बाहर चाकूबाजी में युवक की मौत

भारतेन्दु संवाददाता, हिसार

कैमरी रोड स्थित पुल के नीचे रविवार रात कहासुनी के बाद दो दोस्तों पर चाकुओं से हमला कर दिया गया। हमले में एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसका दोस्त घायल हो गया। वारदात के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार, नवदीप कालोनी निवासी पवन ग्रीन स्क्वेयर मार्केट स्थित पेंट की दुकान पर काम करता था और अपने परिवार के साथ गंगवा गांव में रहता था। रविवार रात वह अपने दोस्त सनी के साथ कैमरी रोड स्थित शराब ठेके पर गया था। वहां कुछ युवकों के साथ दोनों की कहासुनी हो गई। कुछ देर बाद मामला शांत हो गया और पवन तथा सनी वहां से माल कालोनी की ओर जाने लगे। विनोद के अनुसार, दोनों जब कैमरी रोड पुल के नीचे पहुंचे तो एक गाड़ी में सवार होकर चार युवक वहां पहुंचे। आरोप है कि युवकों ने पवन पर चाकुओं से हमला कर दिया। हमले के दौरान एक चाकू पवन के सीने में जा लगा। गंभीर रूप से घायल पवन मौके पर गिर पड़ा। सनी ने अपने दोस्त को बचाने के लिए बीच-बचाव किया तो हमलावरों ने उसके साथ भी मारपीट की, जिससे वह घायल हो गया। बाद में किसी व्यक्ति ने दोनों को निजी नागरिक अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने जांच के बाद पवन को मृत घोषित कर दिया, जबकि सनी का उपचार शुरू किया गया।

पुलिस ने घटनास्थल की जांच करते हुए आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास शुरू कर दिए हैं। वारदात के पीछे पुरानी रंजिश या कहासुनी को लेकर विवाद की आशंका जताई जा रही है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। साथ ही प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा।

छात्राओं की सुरक्षा के लिए बड़ा फैसला सरकारी स्कूलों में अनधिकृत प्रवेश पर लगी रोक

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

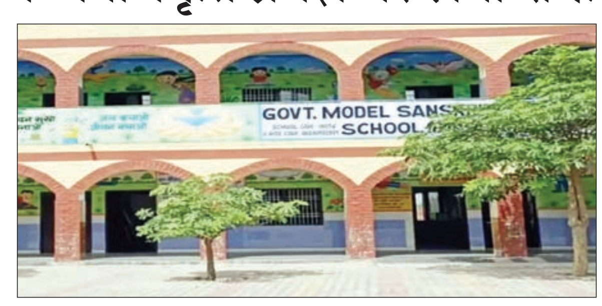

हरियाणा में सरकारी स्कूलों की सुरक्षा बढ़ी, बाहरी लोगों की आवाजाही पर लगेगा लगाम

हरियाणा सरकार ने सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों की सुरक्षा को मजबूत बनाने के लिए नए निर्देश जारी किए हैं। अब किसी भी बाहरी व्यक्ति को बिना अनुमति स्कूल परिसर में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। यह नियम केवल बाहरी लोगों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि विद्यार्थियों के अभिभावकों को भी आवश्यक कार्य होने पर पहले स्कूल प्रबंधन से अनुमति लेनी होगी। शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने कहा कि स्कूलों में बच्चों और विशेषकर छात्राओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है।

बिना पहचान और जांच-पड़ताल के किसी भी व्यक्ति को विद्यालय परिसर में प्रवेश देना सुरक्षा की दृष्टि से उचित नहीं माना जा सकता। इसलिए सभी सरकारी स्कूलों में प्रवेश की निर्धारित प्रक्रिया लागू की जाएगी, ताकि अनधिकृत लोगों की आवाजाही पर प्रभावी रोक लगाई जा सके। नए निर्देशों के अनुसार, यदि किसी अभिभावक को अपने बच्चे से संबंधित जरूरी कार्य के लिए स्कूल जाना है तो उसे स्कूल प्रबंधन की अनुमति प्राप्त करनी होगी। वहीं गांव के प्रबुद्ध और जिम्मेदार नागरिकों को स्कूल से जुड़े आवश्यक कार्यों के लिए स्कूल मैनेजमेंट कमेटी यानी एसएमसी की मंजूरी के बाद प्रवेश दिया जा सकेगा।

सरकार ने स्पष्ट किया है कि इसका उद्देश्य अभिभावकों और समाज के लोगों को स्कूल से दूर करना नहीं, बल्कि प्रवेश को सुरक्षित और व्यवस्थित बनाना है। इस फैसले से स्कूलों में शिक्षकों, विद्यार्थियों, अभिभावकों और प्रबंधन के बीच संपर्क के लिए एक तय व्यवस्था विकसित होगी। प्रत्येक स्कूल को सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी दी जाएगी, जिससे विद्यालय परिसर में केवल अधिकृत व्यक्तियों का ही प्रवेश हो सके।

इसके साथ ही हरियाणा स्कूल शिक्षा विभाग ने विभागीय कार्यप्रणाली को लेकर नया स्थायी आदेश भी लागू किया है। इसमें विभिन्न स्तरों के अधिकारियों के अधिकार और जिम्मेदारियां स्पष्ट रूप से निर्धारित कर दी गई हैं। अब विभागीय मामलों और फाइलों का निपटारा तय अधिकारी स्तर पर होगा, जिससे कार्य में पारदर्शिता और तेजी आने की उम्मीद है।

सिरसा में सफाई कर्मचारियों का प्रदर्शन, नगर परिषद के गेट पर ताला

हिरासत के विरोध में सफाई कर्मचारियों ने नगर परिषद का गेट बंद किया, आमजन को हुई परेशानी

भारतेन्दु संवाददाता, सिरसा

सफाई कर्मचारियों को पुलिस द्वारा हिरासत में लिए जाने के विरोध में सोमवार को सिरसा नगर परिषद के बाहर जमकर हंगामा हुआ। नाराज सफाई कर्मचारियों ने नगर परिषद के मुख्य गेट पर ताला जड़ दिया। तालाबंदी के कारण नगर परिषद कार्यालय में आम लोगों और कर्मचारियों की आवाजाही प्रभावित रही। विभिन्न कार्यों के लिए कार्यालय पहुंचे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

जिला प्रशासन की ओर से शहरों में सफाई व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए पुलिस की मौजूदगी में सफाई अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत सोमवार अलसुबह रानियां और कालांवाली में सफाई कराई गई। इस दौरान प्रदर्शन कर रहे कुछ सफाई कर्मचारियों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। कर्मचारियों को हिरासत में लिए जाने के बाद अन्य सफाईकर्मियों में रोष फैल गया। इसके बाद सिरसा में भी पुलिस की कार्रवाई हुई। जानकारी के अनुसार, सुबह सिरसा बस स्टैंड के सामने सफाई अभियान चलाया जा रहा था। वहां कुछ कर्मचारी प्रदर्शन कर रहे थे। पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों को हिरासत में ले लिया। इस कार्रवाई की जानकारी मिलते ही अन्य कर्मचारी नाराज हो गए और उन्होंने नगर परिषद कार्यालय पहुंचकर विरोध शुरू कर दिया।

गुस्साए कर्मचारियों ने नगर परिषद के मुख्य गेट पर ताला लगा दिया। इसके बाद कार्यालय के अंदर और बाहर आने-जाने का रास्ता बंद हो गया। तालाबंदी के चलते नगर परिषद में अपने काम के लिए पहुंचे लोगों को काफी देर तक बाहर इंतजार करना पड़ा। कई लोगों को बिना काम करवाए ही वापस लौटना पड़ा। कर्मचारियों का कहना है कि वे अपनी मांगों और समस्याओं को लेकर विरोध कर रहे थे। उनका आरोप है कि बातचीत के जरिए समस्या का समाधान निकालने के बजाय पुलिस की मदद से उन्हें हिरासत में लिया जा रहा है। कर्मचारियों ने हिरासत में लिए गए साथियों को तत्काल रिहा करने और उनकी मांगों पर प्रशासन के साथ बातचीत करने की मांग उठाई। वहीं, जिला प्रशासन की ओर से शहर में सफाई व्यवस्था प्रभावित न हो, इसके लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

प्रशासन का प्रयास है कि सफाई व्यवस्था को लेकर किसी तरह की बाधा न आए और शहर के अलग-अलग हिस्सों में सफाई कार्य नियमित रूप से जारी रहे। पुलिस की मौजूदगी में सफाई अभियान चलाए जाने को लेकर कर्मचारियों में असंतोष बना हुआ है। नगर परिषद के बाहर तालाबंदी के कारण स्थिति कुछ समय के लिए तनावपूर्ण रही। मौके पर मौजूद लोगों की नजर पूरे घटनाक्रम पर बनी रही। नगर परिषद में आने वाले लोगों ने कहा कि कर्मचारियों के विवाद का असर आम जनता पर नहीं पड़ना चाहिए। कार्यालय बंद होने से उन्हें अपने जरूरी कार्यों के लिए परेशानी उठानी पड़ी। सफाई कर्मचारियों और प्रशासन के बीच चल रहे विवाद का असर शहर की सफाई व्यवस्था पर भी पड़ सकता है। यदि कर्मचारियों का विरोध जारी रहता है तो आने वाले दिनों में सफाई व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका है।

दूसरी ओर प्रशासन की ओर से सफाई अभियान जारी रखने की तैयारी की जा रही है। फिलहाल कर्मचारियों की हिरासत और नगर परिषद में की गई तालाबंदी को लेकर माहौल गरमाया हुआ है। प्रशासन और कर्मचारियों के बीच बातचीत के जरिए मामले का समाधान निकलने की उम्मीद है। दोनों पक्षों के बीच सहमति बनने के बाद ही नगर परिषद कार्यालय में कामकाज और सफाई व्यवस्था सामान्य होने की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। प्रशासन और सफाई कर्मचारियों के बीच विवाद बढ़ने से शहर की सफाई व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका है। फिलहाल दोनों पक्षों के बीच बातचीत से समाधान निकालने के प्रयास जारी हैं। कर्मचारियों ने हिरासत में लिए साथियों की रिहाई और मांगों पर चर्चा की मांग की है।

कुरुक्षेत्र में नवविवाहिता की संदिग्ध मौत, मायके पक्ष ने ससुराल पर लगाया हत्या का आरोप

भारतेन्दु संवाददाता, कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र जिले के गांव बारवा में देर शाम एक नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। महिला का शव घर में फंदे से लटका मिला। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर लोक नायक जयप्रकाश अस्पताल भेज दिया। वहीं, घटना के बाद मायके पक्ष के लोगों ने ससुराल वालों पर बेटी की हत्या कर शव को पंखे से लटकाने का गंभीर आरोप लगाया है। मृतका की पहचान शिवानी के रूप में हुई है। वह गांव दबखेड़ी की रहने वाली थी। परिजनों के अनुसार शिवानी की शादी करीब आठ महीने पहले गांव बारवा निवासी हरप्रीत के साथ हुई थी। शादी के कुछ ही समय बाद उसकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से मायके पक्ष में रोष फैल गया।

घटना की जानकारी मिलने के बाद शिवानी के मायके वाले मौके पर पहुंचे। मृतका की मौसी ने आरोप लगाया कि शिवानी ने आत्महत्या नहीं की, बल्कि उसकी हत्या करने के बाद शव को पंखे से लटकाया गया है। उनका कहना है कि जब वे घर पहुंचे तो शिवानी का शव पंखे से बंधा हुआ था। उन्होंने कमरे में रखी कुर्सी की स्थिति को लेकर भी सवाल उठाए। मायके पक्ष ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि बेटी की मौत के पीछे वास्तविक कारण सामने आना चाहिए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। शव का चिकित्सकीय परीक्षण कराया जा रहा है, जिसके बाद मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। पुलिस द्वारा घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं और परिजनों के बयान भी दर्ज किए जा रहे हैं।

फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है। आत्महत्या या हत्या, यह स्थिति जांच और चिकित्सकीय रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस अधिकारियों के अनुसार मामले की हर पहलू की गंभीरता से जांच की जा रही है। घटनास्थल से मिले साक्ष्यों, परिजनों के बयानों और चिकित्सकीय जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि घटना से पहले शिवानी की किसी से कहासुनी या विवाद हुआ था या नहीं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत की परिस्थितियां और स्पष्ट होने की उम्मीद है।

न्यूज ब्रीफ

चांदनी महल में जर्जर इमारत का गिरा हिस्सा बड़ा हादसा टला

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली के चांदनी महल थाना क्षेत्र के पहाड़ी भोजला इलाके में सोमवार सुबह एक जर्जर इमारत का हिस्सा अचानक ढह गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और इलाके की घेराबंदी कर लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। राहत की बात रही कि हादसे में किसी व्यक्ति को चोट नहीं आई। इमारत का हिस्सा गिरने से मलबे के आसपास खड़े करीब तीन-चार स्कूटी और मोटरसाइकिल क्षतिग्रस्त हो गए। पुलिस ने सावधानीपूर्वक मलबे को हटाने के साथ क्षतिग्रस्त वाहनों को भी वहां से हटाया।पुलिस के अनुसार, इमारत पहले से ही जर्जर हालत में थी। नगर निगम ने इसकी स्थिति को लेकर पहले ही नोटिस जारी किया था। बताया गया कि इमारत की मरम्मत का काम भी चल रहा था। इसके बावजूद सोमवार सुबह उसका एक हिस्सा ढह गया। घटना के बाद पुलिस ने संबंधित नगर निगम अधिकारियों के साथ मिलकर स्थिति का जायजा लिया। पुलिस के अनुसार, मामले में कानूनी प्रक्रिया के तहत आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। फिलहाल किसी तरह की जनहानि नहीं हुई है। समय रहते इलाके को सुरक्षित करने से बड़ा हादसा टल गया।

जलभराव पर नाव लेकर सदन पहुंचे 'आप' पार्षद का अनोखा प्रदर्शन

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम सदन की बैठक में सोमवार को जलभराव के मुद्दे पर आम आदमी पार्टी के पार्षदों ने अनोखे अंदाज में विरोध प्रदर्शन किया। बरसात के दौरान दिल्ली के कई इलाकों में हो रहे जलभराव के विरोध में आप पार्षद नाव लेकर सदन की कार्यवाही में पहुंच गए और जोर-जोर से नारेबाजी की। नाव लेकर पार्षदों के सदन में पहुंचने से कुछ देर के लिए माहौल बदल गया। पार्षदों ने जलभराव की समस्या को लेकर नगर निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए और लोगों को हो रही परेशानी का मुद्दा उठाया। प्रदर्शन के दौरान सदन में मौजूद अधिकारियों और अन्य सदस्यों ने पार्षदों को नियमों का हवाला देते हुए इस तरह का प्रदर्शन नहीं करने को कहा। इसके बाद नाव के साथ किया जा रहा प्रदर्शन रोकने को कहा गया। आप पार्षदों का कहना था कि बारिश के बाद दिल्ली के कई हिस्सों में जलभराव की स्थिति बन रही है, जिससे लोगों को आवागमन में परेशानी हो रही है। उन्होंने इस समस्या के स्थायी समाधान की मांग उठाई। नाव लेकर किया गया यह प्रदर्शन बैठक में चर्चा का प्रमुख विषय बन गया।

बेटी को खोकर परिवार ने अंगदान से कई जिंदगियों को दी नई उम्मीद

एजेंसी, फरीदाबाद। सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल 21 वर्षीय युवती की इलाज के दौरान मौत के बाद उसके परिवार ने ऐसा फैसला लिया, जिसने कई जरूरतमंद मरीजों को जीवन की नई उम्मीद दी। बेटी को खोने के दुख के बीच परिवार ने उसके अंगदान की सहमति दी। युवती को 20 अगस्त की रात अमृता अस्पताल लाया गया था। उसके मस्तिष्क में गंभीर चोट लगी थी और न्यूरो आईसीयू में उपचार के बावजूद डॉक्टर उसे बचा नहीं सके। इसके बाद चिकित्सकों ने परिवार को अंगदान की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। परिवार ने युवती का लिवर, दोनों किडनी और कार्निया दान करने का निर्णय लिया। एक किडनी का प्रत्यारोपण अमृता अस्पताल में किया गया, जबकि अन्य अंग निर्धारित प्रत्यारोपण केंद्रों पर जरूरतमंद मरीजों तक पहुंचाए गए। अंगों को समय पर निर्धारित स्थान तक पहुंचाने के लिए हरियाणा और दिल्ली पुलिस ने विशेष अंतरराज्यीय ग्रीन कॉरिडोर तैयार किया। पुलिस और यातायात टीमों के समन्वय से अंगों को कम से कम समय में गंतव्य तक पहुंचाया गया। अमृता अस्पताल के चिकित्सकों ने परिवार के इस निर्णय को असाधारण बताया। डॉक्टरों के अनुसार, परिवार ने अपने सबसे कठिन समय में भी उन लोगों के बारे में सोचा, जिन्हें वे जानते तक नहीं थे। यह फैसला अंगदान के प्रति समाज में जागरूकता बढ़ाने वाला प्रेरक उदाहरण है।

दिल्ली-एनसीआर में मूसलाधार बारिश से हाहाकार 15 उड़ानें डायवर्ट, सड़कों पर जलभराव और जाम

सड़कों पर जलभराव और भीषण जाम की स्थिति, दिल्ली आने वाली 15 उड़ानें हुईं डायवर्ट

एजेंसी, नई दिल्ली

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में सोमवार को हुई तेज बारिश और आंधी-तूफान ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया। भारी बारिश के कारण दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम और गाजियाबाद के कई इलाकों में जलभराव हो गया। सड़कों पर पानी भरने से यातायात व्यवस्था प्रभावित हुई और कई मार्गों पर लंबा जाम लग गया। खराब मौसम का असर हवाई यातायात पर भी पड़ा और दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आने वाली करीब 15 उड़ानों को दूसरे शहरों की ओर डायवर्ट करना पड़ा। मौसम खराब होने के कारण डायवर्ट की गई उड़ानों में सबसे अधिक 12 उड़ानों को जयपुर भेजा गया। दो उड़ानों को चंडीगढ़ और एक को लखनऊ डायवर्ट किया गया। रिपोर्टों के अनुसार, इनमें कुछ अंतरराष्ट्रीय

उड़ानें भी शामिल थीं। लगातार बारिश और खराब मौसम के चलते दिल्ली एयरपोर्ट से उड़ानों के आगमन और प्रस्थान दोनों पर असर पड़ा।

मौसम विभाग के अलर्ट को देखते हुए दिल्ली एयरपोर्ट और एयरलाइंस ने यात्रियों को यात्रा से पहले अपनी उड़ान की स्थिति जांचने की सलाह दी। यात्रियों से कहा गया कि वे एयरलाइन से ताजा जानकारी लेने के बाद ही घर से निकलें और एयरपोर्ट पहुंचने के लिए अतिरिक्त समय रखें। बारिश के कारण कई उड़ानें देरी से भी संचालित हुईं, जबकि कुछ उड़ानों को रद्द किए जाने की जानकारी सामने आई। मौसम की स्थिति को देखते हुए एयरलाइंस ने यात्रियों को संभावित देरी और परिचालन में बदलाव के लिए तैयार रहने को कहा।

सड़कों पर जलभराव और जाम :तेज बारिश के बाद दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में सड़कों पर पानी भर गया। दिल्ली के गाजीपुर क्षेत्र में एनएच-9 पर जलभराव के कारण वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई। संगम विहार में भी कई फीट तक पानी भरने की स्थिति सामने आई। न्यू अशोक नगर मेट्रो स्टेशन के आसपास जलभराव के कारण वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

दिल्ली के कमला नगर इलाके में भी बारिश के बाद सड़कें पानी से भर गईं। इससे स्थानीय लोगों को आने-जाने में परेशानी हुई। कई स्थानों पर वाहन धीमी गति से चलते दिखाई दिए।

गुरुग्राम में भी स्थिति प्रभावित रही। डीएलएफ फेज-4, गैलेरिया मार्केट, हैमिल्टन कोर्ट सोसायटी और सेक्टर-43 समेत कई इलाकों में जलभराव हुआ। गोल्फ कोर्स रोड पर पानी भरने के कारण यातायात प्रभावित हुआ और जाम की स्थिति बन गई।

जीजीएसआईपीयू में दाखिला प्रक्रिया पर सवाल, तकनीकी गड़बड़ी से रुका सीट आवंटन

एजेंसी, नई दिल्ली

गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय की दाखिला प्रक्रिया में सीट आवंटन को लेकर सामने आई शिकायतों ने विश्वविद्यालय की ऑनलाइन काउंसलिंग व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। अभ्यर्थियों की शिकायतों की जांच के बाद विश्वविद्यालय ने बीसीए, बीबीए, बीटेक, बीकॉम ऑनर्स और एलएलबी के स्पॉट राउंड-2 के परिणाम रोक दिए हैं।

विश्वविद्यालय के अनुसार, काउंसलिंग सॉफ्टवेयर में तकनीकी त्रुटि के कारण कुछ ऐसे अभ्यर्थियों को भी गलती से सीट आवंटित हो गई, जिन्होंने आवेदन वापस ले लिया था या स्पॉट राउंड-2 में शामिल होने की सहमति नहीं दी थी।

स्पॉट राउंड-3 की काउंसलिंग स्थगित : मामला सामने आने के बाद विश्वविद्यालय ने 22 अगस्त को नोटिस जारी कर पहले घोषित दाखिला कार्यक्रम में बदलाव किया। 23 अगस्त से प्रस्तावित स्पॉट राउंड-3 की ऑफलाइन काउंसलिंग भी स्थगित कर दी गई है। विश्वविद्यालय ने कहा है कि स्पॉट राउंड-3 का संशोधित कार्यक्रम जल्द आधिकारिक वेबसाइट पर जारी किया जाएगा।

दाखिले के अंतिम चरण में इस बदलाव से विद्यार्थियों की चिंता बढ़ गई है। स्पॉट राउंड को आमतौर पर दाखिले का अंतिम अवसर माना जाता है।

डीडीए की अनदेखी से बदहाल हुआ द्वारका का साइकिल ट्रैक

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली विकास प्राधिकरण राजधानी को हरित और साइकिल के अनुकूल शहर बनाने के दावे कर रहा है, लेकिन द्वारका में उसका सबसे लंबा साइकिल ट्रैक इन दावों की पोल खोल रहा है। करीब 16 किलोमीटर लंबा यह ट्रैक देखरेख के अभाव में बदहाल हो चुका है। कई जगह ट्रैक का अस्तित्व तक मिट गया है और साइकिल चलने की जगह अब कार, मोटरसाइकिल, स्कूटी और ई-रिक्शा दौड़ रहे हैं।

वर्ष 2021 में इस महत्वाकांक्षी परियोजना का निर्माण करीब छह महीने में पूरा किया गया था। इसका उद्देश्य द्वारका के अलग-अलग सेक्टरों को सुरक्षित और प्रदूषणमुक्त यातायात व्यवस्था से जोड़ना था। लेकिन निर्माण के कुछ वर्षों बाद ही ट्रैक की स्थिति खराब होने लगी।

द्वारका के सेक्टर-11, 12, 13 और 14 समेत आसपास के क्षेत्रों में साइकिल ट्रैक की हालत बेहद खराब है। सेक्टर-13 स्थित मेट्रो व्यू अपार्टमेंट और आसपास के हिस्सों

में विशेष रूप से स्थिति चिंताजनक है। ट्रैक को अलग पहचान देने वाली रंगीन परत कई जगह पूरी तरह धुंधली हो चुकी है।

कई स्थानों पर सड़क की मरम्मत के दौरान साइकिल ट्रैक के ऊपर ही तारकोल की परत बिछा दी गई। इससे ट्रैक पूरी तरह गायब हो गया। बिजली के खंभे और स्ट्रीट लाइट के स्थान ही अब यह संकेत देते हैं कि यहां कभी साइकिल ट्रैक मौजूद था। ट्रैक के किनारे लगे पत्थर कई जगह टूट चुके हैं। संकेतक गायब हो गए हैं और ऊपरी सतह पर गहरी दरारें दिखाई दे रही हैं।

सुखदेव विहार में सीवर ओवरफ्लो से लोग बेहाल

एजेंसी, नई दिल्ली। सुखदेव विहार स्थित पाकेट-बी डीडीए फ्लैट्स में बार-बार सीवर ओवरफ्लो होने से स्थानीय लोगों की परेशानी बढ़ गई है। निवासियों का कहना है कि हर दो-तीन सप्ताह में सीवर लाइन जाम हो जाती है और गंदा पानी गलियों में फैल जाता है। इससे पूरे इलाके में दुर्गंध फैलने के कारण लोगों का घर से बाहर निकलना मुश्किल हो जाता है। स्थानीय लोगों के अनुसार, सीवर ओवरफ्लो होने से दूषित पानी के पेयजल की पुरानी पाइपलाइन में जाने का खतरा भी बना रहता है। कई बार घरों में दूषित पानी की आपूर्ति की शिकायत सामने आ चुकी है। ऐसे में लोगों ने दिल्ली जल बोर्ड से समस्या का स्थायी समाधान करने की मांग की है। पाकेट-बी आरडब्ल्यूए के महासचिव रोहित ने बताया कि सीवर ओवरफ्लो की शिकायत दिल्ली जल बोर्ड और स्थानीय विधायक के कार्यालय में कई बार की जा चुकी है।

गया से बैंकॉक सीधी उड़ान शुरू, बोधगया के पर्यटन और तीर्थाटन को मिलेगा बड़ा बढ़ावा

एजेंसी, नई दिल्ली

बिहार के गया और थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक के बीच हवाई संपर्क को मजबूत करने के लिए एयरलाइन कंपनी इंडिगो ने नई सीधी उड़ान सेवा शुरू करने की घोषणा की है। यह सेवा 26 अक्टूबर से शुरू होगी और सप्ताह में दो दिन सोमवार और गुरुवार को संचालित की जाएगी। इस सीधी उड़ान से बोधगया और बैंकॉक के बीच यात्रा करने वाले पर्यटकों तथा तीर्थयात्रियों को बड़ी सुविधा मिलने की उम्मीद है।

जारी कार्यक्रम के अनुसार, गया से बैंकॉक जाने वाली उड़ान संख्या 6ई 1083 सोमवार और गुरुवार को दोपहर 1:15 बजे रवाना होगी और शाम 5:50 बजे बैंकॉक पहुंचेगी। वापसी में उड़ान संख्या 6ई 1084 बैंकॉक से इन्हीं दोनों दिनों में सुबह 10:15 बजे रवाना होकर दोपहर 12:15 बजे गया पहुंचेगी। इससे यात्रियों को बिना किसी अतिरिक्त पड़ाव के दोनों शहरों के बीच यात्रा

इंडिगो 26 अक्टूबर से गया-बैंकॉक सीधी उड़ानें शुरू करेगा।

करने का विकल्प मिलेगा।

बोधगया आने वाले श्रद्धालुओं को लाभ : बोधगया बौद्ध धर्म के प्रमुख तीर्थस्थलों में शामिल है। यहां स्थित महाबोधि मंदिर को यूनेस्को की विश्व धरोहर का दर्जा प्राप्त है। हर वर्ष थाईलैंड सहित दुनिया के विभिन्न देशों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक बोधगया पहुंचते हैं। गया से बैंकॉक के बीच सीधी उड़ान शुरू होने से इन यात्रियों की यात्रा आसान और सुविधाजनक होने की उम्मीद है।

इस हवाई सेवा से केवल धार्मिक पर्यटन ही नहीं, बल्कि दोनों देशों के बीच पर्यटन, सांस्कृतिक संपर्क और व्यापारिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिल सकता है। बोधगया और आसपास के क्षेत्रों में आने वाले विदेशी पर्यटकों की संख्या बढ़ने से स्थानीय होटल, परिवहन, पर्यटन और अन्य कारोबारों को भी लाभ मिलने की संभावना है।

दोनों देशों के बीच हवाई नेटवर्क होगा मजबूत : इंडिगो वर्तमान में भारत और थाईलैंड के बीच विभिन्न शहरों से 140 से अधिक साप्ताहिक उड़ानों का संचालन कर रही है।

दिल्ली में सेंधमारी गिरोह का पर्दाफाश, तीन गिरफ्तार, सोना और हथियार हुए बरामद

एजेंसी, नई दिल्ली

दक्षिण-पश्चिम जिले की एंटी-बर्गलरी सेल ने चोरी और सेंधमारी के मामलों में कार्रवाई करते हुए दो कथित शातिर चोरों और चोरी का सामान खरीदने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपितों की पहचान मो. आरिफ, अफसर और इंजमाम शेख उर्फ राजा शेख के रूप में हुई है। इनके कब्जे से 42.11 ग्राम पिघला हुआ सोना, दो देसी पिस्तौल और घर में सेंध लगाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले कई औजार बरामद किए गए हैं। पुलिस ने आरोपितों की गिरफ्तारी के साथ चोरी और सेंधमारी के चार मामलों को सुलझाने का दावा किया है।

700 सीसीटीवी फुटेज खंगाले :दक्षिण-पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त अमित गोयल के अनुसार, जिले में सक्रिय चोरों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम गठित की गई थी। एंटी-बर्गलरी सेल के प्रभारी निरीक्षक राम कुमार के नेतृत्व और सहायक पुलिस आयुक्त संदीप घई की देखरेख में टीम ने पालम विलेज थाने में छह और आठ जुलाई को दर्ज चोरी के मामलों की जांच शुरू की।

जांच के दौरान पुलिस टीम ने घटनास्थल और आसपास के इलाकों में लगे करीब 700 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज और तकनीकी जांच से पता चला कि एक ही समूह के संदिग्ध बाइक से घटनास्थल तक पहुंचे थे। इसके बाद पुलिस ने दो संदिग्धों की पहचान मो. आरिफ और इरशाद उर्फ भानु के रूप में की।

मौजपुर से आरिफ गिरफ्तार :पुलिस ने तकनीकी और मानवीय निगरानी बढ़ाने के बाद पांच अगस्त को मो. आरिफ को दिल्ली के मौजपुर इलाके से गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने कथित तौर पर अपने साथियों के साथ पालम इलाके में दो चोरी की वारदातों को अंजाम देने की बात बताई। उसने यह भी बताया कि उसने और उसके साथी इरशाद ने केशवपुरम इलाके से एक बाइक चोरी की थी, जिसका इस्तेमाल बाद में चोरी की घटनाओं में किया गया।

रेलवे खानपान पर वार रूम की नजर गुणवत्ता सुधार के दिए सख्त निर्देश

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली के नौरोजी नगर स्थित वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम के मुख्यालय में बनाए गए वार रूम से देशभर में रेलवे की खानपान व्यवस्था की लगातार निगरानी की जा रही है। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष सतीश कुमार ने सोमवार को वार रूम का निरीक्षण किया और निगरानी, परिचालन तथा यात्रियों से जुड़ी सेवाओं की विस्तृत समीक्षा की।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को खानपान की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के साथ नियमित निगरानी और प्रभावी शिकायत निवारण व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निगरानी व्यवस्था को मजबूत बनाए रखना जरूरी है।

रेलवे बोर्ड अध्यक्ष ने आईआरसीटीसी के मुख्य प्रबंध निदेशक राहुल हिमालियन सहित वरिष्ठ निदेशकों और अधिकारियों से भी बातचीत की। बैठक में यात्री सेवाओं, वास्तविक समय में निगरानी, शिकायतों के निपटारे, खानपान की गुणवत्ता और यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों पर चर्चा हुई।

गड़बड़ी पर तत्काल कार्रवाई पर जोर : वार रूम के माध्यम से रेलवे की खानपान सेवाओं पर लगातार नजर रखने और किसी भी तरह की गड़बड़ी सामने आने पर तत्काल हस्तक्षेप करने की व्यवस्था की समीक्षा भी की गई। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि यात्रियों से मिलने वाली शिकायतों को गंभीरता से लिया जाए और उनका समयबद्ध तरीके से समाधान किया जाए।

रेलवे में खानपान व्यवस्था की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए नियमित निरीक्षण के साथ औचक जांच पर भी जोर दिया गया। इससे यात्रियों को उपलब्ध कराए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता और निर्धारित मानकों की निगरानी करने में मदद मिलेगी।

सीबीआई अधिकारी बनकर छापेमारी का डर दिखाने वाला गिरोह पकड़ा, सात गिरफ्तार

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रशांत विहार थाना पुलिस ने खुद को केंद्रीय जांच ब्यूरो का अधिकारी बताकर लोगों के घरों में छापा मारने और उन्हें धमकाने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने मामले में अब तक सात आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों के कब्जे से आठ मोबाइल फोन, सीबीआई का लोगो लगे कपड़े, फर्जी पहचान पत्रों के स्क्रीनशॉट और वारदात से संबंधित सीसीटीवी फुटेज बरामद किए गए हैं। पुलिस को आशंका है कि गिरोह दिल्ली और मुंबई में इस तरह की कई अन्य वारदातों को अंजाम दे चुका है।

घर के बाहर पहुंचे थे आठ लोग पुलिस के अनुसार, 11 अगस्त की रात करीब 10 बजे प्रशांत विहार निवासी प्रथम अग्रवाल ने शिकायत दी थी। उन्होंने बताया कि उनके घर के बाहर करीब आठ लोग पहुंचे थे। इनमें छह पुरुष और दो महिलाएं शामिल थीं। आरोपितों ने खुद को

पुलिस को आशंका है कि गिरोह दिल्ली और मुंबई में इसी तरह की कई वारदात कर चुका है।

सीबीआई अधिकारी बताया और फर्जी पहचान पत्र दिखाकर घर में तलाशी लेने की मांग की।

आरोपितों ने प्रथम अग्रवाल और उनकी मां को कथित तौर पर धमकाया। करीब डेढ़ घंटे तक घर के बाहर मौजूद रहने के कारण आसपास के लोगों में भी डर का माहौल बन गया। बाद में आरोपित प्रथम अग्रवाल के पिता को नोटिस देने की बात कहकर वहां से चले गए।

पुलिस जांच में सामने आया कि प्रथम अग्रवाल के पिता के मोबाइल फोन पर कथित सीबीआई नोटिस भेजा गया था। हालांकि, बाद में यह संदेश हटा दिया गया। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने 19 अगस्त को मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

जांच के दौरान पुलिस ने तकनीकी निगरानी, सीसीटीवी फुटेज और अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों की मदद से आरोपितों की पहचान की।

बेतरतीब पार्किंग और अतिक्रमण हटेंगे, पैदल यात्रियों को मिलेंगी बेहतर सुविधाएं, धूल भी घटेगी

नोएडा में जाम और प्रदूषण से राहत के लिए बनेंगी 15 मॉडल सड़कें

एजेंसी, नोएडा

शहर में लगातार बढ़ते यातायात दबाव, जाम और सड़क किनारे उड़ने वाली धूल की समस्या को कम करने के लिए नोएडा प्राधिकरण ने 15 मॉडल रोड विकसित करने की योजना तैयार की है। इसके लिए अलग-अलग कार्य मंडलों में सबसे अधिक व्यस्त और महत्वपूर्ण सड़कों को चिन्हित किया गया है। इन सड़कों को व्यवस्थित और सुविधाजनक बनाने के साथ अतिक्रमण तथा बेतरतीब पार्किंग को नियंत्रित करने पर विशेष जोर दिया जाएगा।

प्राधिकरण का मानना है कि मॉडल रोड विकसित होने के बाद मुख्य सड़कों पर वाहनों की आवाजाही बेहतर होगी और अनावश्यक यातायात दबाव कम किया जा सकेगा। इसके साथ ही सड़क किनारे धूल उड़ने की समस्या को नियंत्रित कर वायु गुणवत्ता में सुधार लाने का भी प्रयास किया जाएगा।

रेहड़ी-पटरी और ऑटो-टेंपो के लिए तय होंगे स्थान : मॉडल रोड की योजना में सड़क किनारे होने वाली अव्यवस्था को दूर करने के लिए विशेष व्यवस्था की जाएगी।

रेहड़ी-पटरी, ऑटो-टेंपो के लिए बनेंगे निर्धारित स्थान

रेहड़ी-पटरी लगाने वालों के लिए निर्धारित स्थान बनाए जाएंगे, ताकि वे मुख्य सड़क या फुटपाथ पर अतिक्रमण न करें। इसी तरह ऑटो और टेंपो के लिए भी अलग स्थान निर्धारित किए जाएंगे।

प्राधिकरण के अनुसार, वर्तमान में सड़क किनारे अनियोजित तरीके से खड़े वाहन, रेहड़ी-पटरी और ऑटो-टेंपो यातायात की गति को प्रभावित करते हैं। इनके लिए निश्चित स्थान बनने से मुख्य मार्ग अधिक व्यवस्थित होंगे और वाहन चालकों को जाम से राहत मिलने की उम्मीद है।

पैदल यात्रियों का भी रखा जाएगा ध्यान :मॉडल रोड का विकास केवल वाहनों की आवाजाही को ध्यान में रखकर नहीं किया जाएगा। पैदल यात्रियों के लिए भी सुविधाएं विकसित करने की योजना है। ग्रीन बेल्ट में बैठने की व्यवस्था की जाएगी और मोबाइल चार्जिंग जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने पर भी विचार किया गया है।

इसका उद्देश्य शहर में सड़क किनारे लोगों के लिए सुरक्षित और सुविधाजनक स्थान उपलब्ध कराना है। इससे मॉडल रोड का इस्तेमाल करने वाले पैदल यात्रियों को भी बेहतर अनुभव मिल सकेगा।

दोनों तरफ बनेगा धूल मुक्त क्षेत्र प्राधिकरण के महाप्रबंधक सिविल एसपी सिंह ने बताया कि प्रस्तावित मॉडल रोड के दोनों तरफ धूल मुक्त क्षेत्र विकसित किए जाएंगे। इन क्षेत्रों का उद्देश्य सड़क किनारे धूल उड़ने की समस्या को कम करना और वायु गुणवत्ता में सुधार करना है। प्राधिकरण की ओर से मॉडल रोड का डिजाइन तैयार कर लिया गया है।

आठ कार्य मंडलों में होंगी 15 मॉडल रोड : प्राधिकरण की योजना के तहत कार्य मंडल-1 में दो, कार्य मंडल-2 में तीन, कार्य मंडल-3 में दो, कार्य मंडल-4 में दो, कार्य मंडल-5 में एक, कार्य मंडल-7 में दो, कार्य मंडल-8 में दो और कार्य मंडल-10 में एक मॉडल रोड विकसित की जाएगी। इस तरह कुल 15 मॉडल रोड तैयार की जाएंगी।

प्राधिकरण के अनुसार, इन सड़कों पर व्यवस्थित पार्किंग, निर्धारित वेंडिंग स्थान और ऑटो-टेंपो के लिए अलग व्यवस्था होने से यातायात संचालन बेहतर होगा। वहीं धूल मुक्त क्षेत्रों से सड़क किनारे प्रदूषण कम करने में मदद मिलेगी।

प्राधिकरण की इस पहल का उद्देश्य नोएडा में यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित करने के साथ नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है। अधिकारियों को उम्मीद है कि मॉडल रोड विकसित होने के बाद जाम और धूल की समस्या में कमी आएगी तथा शहर की वायु गुणवत्ता में भी सुधार होगा।

दिल्ली में इन्फ्लुएंजा के 2602 मामले एच1एन1 ने बढ़ाई स्वास्थ्य विभाग की चिंता

एजेंसी, नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में इस वर्ष अब तक इन्फ्लुएंजा के 2,602 मामले सामने आ चुके हैं। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार, इनमें इन्फ्लुएंजा-ए के 2,392 और इन्फ्लुएंजा-बी के 210 मामले शामिल हैं। इन्फ्लुएंजा-ए में एच1एन1 के 1,777 मामले दर्ज किए गए हैं, जो इस वर्ष अब तक सबसे प्रमुख उपप्रकार बना हुआ है।

मामलों में बढ़ोतरी को देखते हुए सोमवार को दिल्ली सचिवालय में स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज सिंह की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की जा रही है। बैठक में नगर निकायों के स्वास्थ्य अधिकारियों और सरकारी अस्पतालों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ संक्रमण की स्थिति और उससे निपटने की तैयारियों का जायजा लिया जा रहा है।

अस्पतालों की तैयारियों की समीक्षा : बैठक में अस्पतालों में उपलब्ध बिस्तरों, दवाओं, जांच सुविधाओं, जरूरी चिकित्सा उपकरणों और गंभीर मरीजों के उपचार की तैयारियों की समीक्षा की जाएगी। इसके अलावा संक्रमण की निगरानी, मरीजों की समय पर पहचान और रिपोर्टिंग व्यवस्था को भी परखा जाएगा।

स्वास्थ्य विभाग की ओर से इन्फ्लुएंजा जैसे लक्षण वाले मामलों और गंभीर सांस संबंधी संक्रमण के मामलों की निगरानी पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इसका उद्देश्य संक्रमण के बढ़ते रुझान की समय रहते पहचान करना है।

एक दिन में मिले 114 एच1एन1 मरीज:स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार, इन्फ्लुएंजा-ए के 2,392 मामलों में 1,777 एच1एन1, 138 एच3, 37 एच1 और 440 अन्य मामले हैं। 20 अगस्त को एक ही दिन में

इन्फ्लुएंजा के 159 नए मामले सामने आए थे। इनमें 155 मामले इन्फ्लुएंजा-ए के थे, जबकि 114 मरीजों में एच1एन1 की पुष्टि हुई थी।

35 अस्पतालों पर विशेष निगरानी : दिल्ली में इन्फ्लुएंजा की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। स्वास्थ्य विभाग ने 35 अस्पतालों को विशेष निगरानी में रखा है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान और राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र को संदर्भ प्रयोगशाला के रूप में नामित किया गया है।

इन्फ्लुएंजा, इन्फ्लुएंजा जैसे लक्षण और गंभीर सांस संबंधी संक्रमण से जुड़े आंकड़ों की रोजाना निगरानी की जा रही है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, अस्पतालों में बिस्तर, डॉक्टर, दवाएं और आवश्यक चिकित्सा उपकरण पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री भी कर चुके समीक्षा : इससे पहले 21 अगस्त को केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज सिंह और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मौसमी इन्फ्लुएंजा की स्थिति की समीक्षा की थी।

नौकरियों के मुद्दे पर विधानसभा में गरमाया माहौल

विपक्ष ने नियम 67 के तहत मांगी चर्चा, सरकार ने नियम 130 के तहत चर्चा का दिया विकल्प

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र में सोमवार को प्रश्नकाल के बाद युवाओं को हर वर्ष एक लाख नौकरियां देने के सरकार के वादे को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच नोकझोंक हुई। भाजपा सदस्यों रणधीर शर्मा, हंसराज, सुधीर शर्मा और राकेश जम्वाल ने नियम 67 के तहत इस मुद्दे पर स्थगन प्रस्ताव के माध्यम से चर्चा की मांग की।

विधानसभा अध्यक्ष ने व्यवस्था दी कि इस विषय को लेकर सदस्यों के प्रस्ताव नियम 63 और नियम 130 के तहत भी प्राप्त हुए हैं। चूंकि स्थगन प्रस्ताव भी इन्हीं मुद्दों से संबंधित हैं, इसलिए नियम 67 के बजाय इन्हें नियम 130 के तहत सूचीबद्ध किया जाएगा। भाजपा सदस्य रणधीर शर्मा ने नियम 67 के तहत चर्चा की मांग दोहराते हुए कहा कि यह युवाओं से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है और इसकी नियम 67 के तहत ही चर्चा की जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने चार साल में युवाओं के साथ भद्दा मजाक किया है और इस चर्चा से बचना चाहती है।

उन्होंने सभी कार्य स्थगित कर तत्काल युवाओं से जुड़े मुद्दे पर चर्चा कराने की मांग की। संसदीय कार्य मंत्री हर्षवर्धन चौहान ने कहा कि नियम 67 का इस्तेमाल अत्यंत दुर्लभ परिस्थितियों में किया जाता है और इसे मजाक नहीं बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रस्ताव को नियम 130 में परिवर्तित किया गया है और इस पर अगले दिन भी चर्चा की जा सकती है। इस पर रणधीर शर्मा ने कहा कि युवाओं का मुद्दा कांग्रेस के लिए भले ही 'ड्रामा' हो, लेकिन विपक्ष के लिए यह महत्वपूर्ण विषय है। उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने विपक्ष पर पलटवार करते हुए कहा कि यदि बेरोजगारी का मुद्दा इतना महत्वपूर्ण था तो राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान के मुद्दे को 72 घंटे तक क्यों खींचा गया। उन्होंने सवाल किया कि उस समय बेरोजगारी का मुद्दा क्यों याद नहीं आया। विधानसभा अध्यक्ष की व्यवस्था के बाद नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि सत्ता पक्ष विपक्ष की बात को हल्के में ले रहा है। उन्होंने कहा कि मौजूदा दौर में बेरोजगारी से बड़ा कोई मुद्दा नहीं है।

कांग्रेस ने पांच साल में पांच लाख और एक साल में एक लाख नौकरियां देने की गारंटी दी थी। विपक्ष जानना चाहता है कि पांच लाख नौकरियों का आंकड़ा अब तक कहां पहुंचा है। उन्होंने नियम 67 के तहत चर्चा कराने की मांग दोहराई।

कांग्रेस ने जनता से किए वादे पूरे किए: हर्षवर्धन

संसदीय कार्य मंत्री हर्षवर्धन चौहान ने कहा कि वर्तमान सरकार का कार्यकाल करीब सवा साल का बाकी है और कांग्रेस सरकार ने जनता से किए वादों को पूरा करने की दिशा में काम किया है। उन्होंने कहा कि पहली कैबिनेट में पुरानी पेंशन योजना लागू करने का वादा पूरा किया गया और अन्य गारंटियां भी पूरी की जा रही हैं तथा आगे भी पूरी की जाएंगी। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए केंद्र में हर साल दो करोड़ नौकरियां देने के वादे का भी जिक्र किया और पूछा कि वह वादा कितना पूरा हुआ।

युवाओं व रोजगार के मुद्दे पर सदन में 20 मिनट हुई बहस

विधानसभा अध्यक्ष ने इसके बाद स्पष्ट किया कि नियम 67 के तहत विपक्ष के प्रस्ताव को खारिज नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि नियम 67 अत्यधिक महत्वपूर्ण मामलों के लिए है, जबकि इसी विषय पर अन्य प्रस्ताव नियम 130 और नियम 63 के तहत भी प्राप्त हुए हैं। इसलिए नियम 67 के प्रस्ताव को खारिज करने के बजाय नियम 130 में परिवर्तित किया गया है। प्रश्नकाल के बाद युवाओं और रोजगार के मुद्दे पर करीब 20 मिनट तक चली बहस के बाद सदन में शून्यकाल शुरू हुआ।

सीएम के झूठ पर पर्दा डाल रहे स्पीकर: जयराम

प्रदेश में अराजकता व भ्रष्टाचार के मॉडल पर सरकार चला रहे हैं सुक्खू

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। विधानसभा की कार्यवाही में प्रश्नकाल के दौरान ही भारतीय जनता पार्टी विधायक दल ने सदन से वॉकआउट किया।

पत्रकारों से बात करते हुए नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर सदन में राष्ट्रगान के अपमान का आरोप लगाया था। यह आरोप बेहद गंभीर हैं। हमने विधानसभा अध्यक्ष से सदन की कार्यवाही की वीडियो रिकॉर्डिंग मांगी, लेकिन हमें नहीं मिली। वह रिकॉर्डिंग जानबूझकर छिपाई जा रही है, क्योंकि किसी भी विपक्ष के विधायक ने राष्ट्रगान का अपमान किया ही नहीं है। मुख्यमंत्री अपनी आदत के अनुसार, हर बार की तरह इस बार भी झूठ बोल रहे थे। उनका झूठ वीडियो में पकड़ा जाएगा, इसलिए वीडियो नहीं जारी किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि दुःख इस बात का है कि मुख्यमंत्री के झूठ को बेनकाब करने के बजाय अध्यक्ष महोदय उनके झूठ पर पर्दा डाल रहे हैं और कार्यवाही का वीडियो जारी नहीं कर रहे हैं। वह वीडियो हमारा हक है। राष्ट्रगीत के मामले पर पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि देश की संसद में राष्ट्रगीत का गायन हुआ है।

संविधान और संसद से ऊपर कुछ नहीं हैं। लेकिन मुख्यमंत्री कह रहे हैं कि हम कांग्रेस वर्किंग कमेटी के फरमान पर कायम हैं। देश संविधान से चलेगा, कांग्रेस परिवार के फरमान से नहीं। आज विधानसभा की कार्यवाही शुरू होने से पहले भाजपा विधायक दल ने विधानसभा परिसर में जमकर प्रदर्शन और नारेबाजी की। भाजपा विधायक दल ने मुख्यमंत्री द्वारा दिए जा रहे भ्रष्टाचार के संरक्षण के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद की। विधायक दल ने मुख्यमंत्री से सवाल पूछा कि जो पांच अटैचियां सुक्खू सरकार द्वारा इकट्ठी की जा रही हैं, वे कहां से आ रही हैं और कहां जा रही हैं? पत्रकारों से बात करते हुए जयराम ठाकुर ने कहा कि आज तक हिमाचल में ऐसी सरकार नहीं देखी, जिसका काम ही भ्रष्टाचार हो।

कांग्रेस के नेताओं ने ही मुख्यमंत्री द्वारा अटैचियां इकट्ठी करने की बात सामने लाई है। वह कांग्रेस के उपाध्यक्ष रह चुके हैं, पूर्व सीपीएस रहे हैं और वर्तमान में सबसे वरिष्ठ मंत्री के बेटे हैं। उनके आरोपों को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। इधर-उधर की बात करने से ये आरोप कम नहीं होंगे। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि पूरे प्रदेश में खूब लूट मची है। प्रदेश हितों की तिलांजलि दी जा चुकी है। पूरा प्रदेश बदहाल है। सरकार चलाने के नाम पर सिर्फ साजिश रची जा रही है।

न्यूज ब्रीफ

बिलासपुर के कुछ क्षेत्रों में आज बंद रहेगी बिजली

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। बिजली उपमंडल-2 के सहायक अभियंता ई. रविंद्र चौधरी ने बताया कि मंगलवार, 25 अगस्त को रौड़ा अनुभाग के तहत आवश्यक बिजली लाइनों की मरम्मत, पेड़ों की कांट-छांट और जीओ स्विच के पार्ट बदलने का कार्य किया जाएगा। इसके चलते कुछ क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। उन्होंने बताया कि बामटा, सागर व्यू, ग्लोरी पब्लिक स्कूल तथा इसके आसपास के क्षेत्रों में सुबह 10 से शाम 5 बजे तक बिजली आपूर्ति बंद रहेगी। विभाग ने लोगों से अपील की है कि निर्धारित समय के दौरान सहयोग बनाए रखें और आवश्यक कार्य पहले से निपटा लें। उन्होंने कहा कि बिजली लाइनों की मरम्मत और अन्य आवश्यक कार्य उपभोक्ताओं को बेहतर एवं सुरक्षित बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए किए जा रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले का किया स्वागत

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। सुप्रीम कोर्ट द्वारा यमुना फ्लडप्लेन मामले में आर्ट ऑफ लिविंग से जुड़ी संस्था व्यक्ति विकास केंद्र इंडिया पर लगाए गए पांच करोड़ रुपए के पर्यावरणीय मुआवजे के आदेश को रद्द करने से हमीरपुर सहित प्रदेशभर में संस्था से जुड़े साधकों और स्वयंसेवकों में खुशी है। कोर्ट ने दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) को जमा पांच करोड़ रुपए वापस करने के निर्देश दिए हैं। मामला वर्ष 2016 में यमुना किनारे आयोजित विश्व सांस्कृतिक उत्सव से जुड़ा था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आयोजन और यमुना के पारिस्थितिकी तंत्र को हुए नुकसान के बीच प्रत्यक्ष प्रमाण पर्याप्त नहीं थे। हालांकि, अदालत ने यमुना के बाढ़ क्षेत्र के पुनर्वास और संरक्षण का कार्य जारी रखने के निर्देश दिए हैं। हमीरपुर जिले के आर्ट ऑफ लिविंग के साधकों, शिक्षकों और स्वयंसेवकों ने फैसले का स्वागत करते हुए इसे सत्य और न्याय की जीत बताया। जिला मीडिया प्रभारी निर्मल ठाकुर, सह प्रभारी जोगिंदर ठाकुर सहित अन्य पदाधिकारियों ने कहा कि फैसले से संगठन के प्रति उनका विश्वास और मजबूत हुआ है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्णय से न्यायिक प्रक्रिया में उनका विश्वास और बढ़ा है। साथ ही यमुना संरक्षण एवं पुनर्वास की जिम्मेदारी जारी रहने को भी महत्वपूर्ण बताया गया।

रोलर स्केटिंग में खिलाड़ियों ने जीते पदक

भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। 13वें जिला स्कूल खेलों के अंतर्गत रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता का आयोजन प्रताप वर्ल्ड स्कूल पठानकोट में किया गया। प्रतियोगिता में अंडर-11, अंडर-17 और अंडर-19 आयु वर्ग के करीब 180 खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि ऑर्थोपेडिक एवं स्पोर्ट्स सर्जन डॉ. संभव शर्मा रहे। प्रताप वर्ल्ड स्कूल के डायरेक्टर सन्नी महाजन, डायरेक्टर ओशिन महाजन, प्रिंसिपल शुभ्रा रानी, जिला शिक्षा अधिकारी कमलदीप कौर और जिला स्पोर्ट्स को-ऑर्डिनेटर अरुण शर्मा ने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। डायरेक्टर सन्नी महाजन ने कहा कि विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ खेलों में भी बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। खेल बच्चों में अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना विकसित करते हैं। प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्गों की इनलाइन और क्वाड स्केट्स स्पर्धाएं आयोजित हुईं। अंडर-17 में पीडब्ल्यूएस के प्रगुण वत्स, एमसीएस के स्टैंजिन दोरजे व अंश ठाकुर और डीपीएस की संचिता ने शानदार प्रदर्शन किया। अंडर-11 में सेंट जोसेफ कॉन्वेंट की सधाया तथा एमसीएस के आरुष ने कई स्वर्ण पदक जीते। अंडर-19 में पीडब्ल्यूएस के मोहम्मद अदनान और हरनूर शर्मा सहित अन्य खिलाड़ियों ने पदक हासिल किए। विजेता खिलाड़ियों को मेडल देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कोच भूपिंदर सिंह सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

324.66 ग्राम चरस के साथ युवक गिरफ्तार

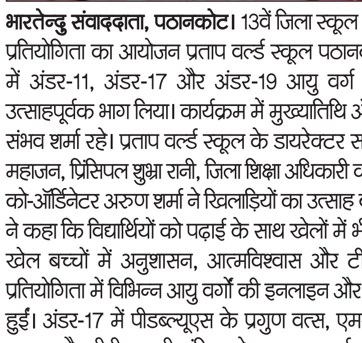

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। पुलिस थाना बरमाणा की टीम ने एसीसी चौक बरमाणा स्थित रेन शेल्टर के पास नाकाबंदी के दौरान एक संदिग्ध युवक को जांच के लिए रोका। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 324.66 ग्राम चरस (कैनाबिस) बरामद की गई। पुलिस के अनुसार आरोपी की पहचान राहुल (22) पुत्र बलराज, निवासी बजाड़ मोहल्ला, पांची जटान, जिला सोनीपत, हरियाणा के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना बरमाणा में मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है। मामले की जांच के दौरान पुलिस नशीले पदार्थ के स्रोत और इसकी सप्लाई चेन का पता लगाने के लिए बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज खंगाल रही है। पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर नशे की तस्करी से जुड़े अन्य लोगों की पहचान और उनकी भूमिका का पता लगाया जाएगा।

तकनीकी विवि की खाली सीटों के लिए संबंधित संस्थानों में होगी स्पॉट काउंसलिंग

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय हमीरपुर ने बीटेक, बीफार्मेसी सहित अन्य पाठ्यक्रमों में लेटरल और डायरेक्ट एंट्री की खाली सीटों को भरने के लिए संबंधित शिक्षण संस्थानों में स्पॉट काउंसलिंग करवाने का निर्णय लिया है। सीटों का आवंटन जमा दो की मेरिट के आधार पर किया जाएगा। तकनीकी विश्वविद्यालय परिसर में बीटेक कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग की नौ खाली सीटों के लिए स्पॉट काउंसलिंग 26 अगस्त को सुबह 10 बजे से होगी। इनमें एक सीट ईडब्ल्यूएस श्रेणी की है। इसके अलावा एमएससी भौतिकी, पर्यावरण विज्ञान, एमए/एमएससी योग, एमबीए पर्यटन, एमटेक सीएसई और बीएचएमसीटी की खाली सीटों के लिए 25 अगस्त तक आवेदन किया जा सकता है। कुलसचिव अनुपम कुमार ठाकुर ने बताया कि संबंधित संस्थानों में खाली सीटों की स्पॉट काउंसलिंग वहीं आयोजित होगी। काउंसलिंग का विस्तृत शेड्यूल विश्वविद्यालय और संबंधित संस्थानों की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

बाहर नौकरी करने वाले हिमाचलियों के बच्चों को राज्य कोटे देने पर विचार करे सरकार: लखनपाल

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र में सोमवार को प्रदेश से बाहर नौकरी या व्यवसाय करने वाले बोनाफाइड हिमाचलियों के बच्चों को मेडिकल और डेंटल कॉलेजों में राज्य कोटे का लाभ देने का मामला उठा।

बड़सर के भाजपा विधायक इंद्रदत्त लखनपाल ने नियम 62 के तहत यह मामला उठाते हुए सरकार से ऐसे बच्चों को 85 प्रतिशत राज्य कोटे के तहत

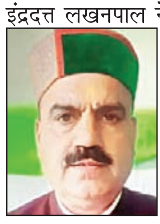

एमबीबीएस और बीडीएस सीटों पर प्रवेश की पात्रता देने पर विचार करने की मांग की। इंद्रदत्त लखनपाल ने कहा कि हिमाचल के बहुत से परिवार रोजगार और व्यवसाय के कारण लंबे समय से प्रदेश से बाहर रह रहे हैं। इन परिवारों के बच्चे कई बार अपनी 12वीं तक की पढ़ाई भी दूसरे राज्यों से पूरी करते हैं। दूसरे राज्यों में पढ़ाई करने के कारण उन्हें वहां के राज्य कोटे का लाभ नहीं मिल पाता। दूसरी ओर, हिमाचल में भी मौजूदा पात्रता शर्तों के कारण उन्हें राज्य कोटे में प्रवेश नहीं मिल पाता।

इससे बोनाफाइड हिमाचलियों के बच्चों के सामने मेडिकल और डेंटल शिक्षा में प्रवेश को लेकर परेशानी खड़ी होती है। उन्होंने कहा कि ऐसे परिवारों का हिमाचल से संबंध बना हुआ है और उनके बच्चों के हितों को ध्यान में रखते हुए नियमों में आवश्यक राहत देने पर सरकार को विचार करना चाहिए। उन्होंने मांग की कि निजी नौकरी या व्यवसाय के कारण प्रदेश से बाहर रहने वाले बोनाफाइड हिमाचलियों के बच्चों को भी राज्य कोटे की एमबीबीएस और बीडीएस सीटों के लिए उचित पात्रता दी जाए। सरकार की ओर से सदन में बताया गया कि मेडिकल और डेंटल कॉलेजों में प्रवेश की पात्रता से जुड़े नियम समय-समय पर बदले गए हैं। वर्ष 2013 से निजी नौकरी या व्यवसाय के कारण प्रदेश से बाहर रहने वाले बोनाफाइड हिमाचलियों के बच्चों को कुछ शैक्षणिक शर्तों में छूट दी गई थी।

यह छूट वर्ष 2018-19 में वापस ले ली गई। इसके बाद वर्ष 2023 में नियमों में फिर राहत दी गई। वर्ष 2025 में सरकार ने वर्ष 2022-23 के प्रॉस्पेक्टस के अनुसार पात्रता की शर्तें जारी रखने का निर्णय लिया। मौजूदा व्यवस्था के अनुसार निजी क्षेत्र में कार्यरत अभिभावकों के बच्चों को निर्धारित चार परीक्षाओं में से कम से कम दो परीक्षाएं हिमाचल प्रदेश के स्कूलों से पास करना जरूरी है। वहीं, केंद्र सरकार, रक्षा सेवाओं और अर्धसैनिक बलों में कार्यरत बोनाफाइड हिमाचलियों के बच्चों के लिए मौजूदा नियमों में विशेष छूट का प्रावधान है।

पौंग बांध विस्थापितों के बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए मिलेगी एक लाख तक सहायता

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। पौंग बांध विस्थापित विकास एजेंसी (पौडा) फंड कमेटी के निर्णय के अनुसार विस्थापित परिवारों के बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए अधिकतम एक लाख रुपए तक की आर्थिक सहायता दी जाएगी। उपायुक्त (राहत एवं पुनर्वास) कुलवीर सिंह राणा ने बताया कि 10वीं और 12वीं उत्तीर्ण करने के बाद सरकारी संस्थानों में व्यावसायिक प्रशिक्षण, पेशेवर पाठ्यक्रम या उच्च शिक्षा में प्रवेश लेने वाले पात्र विद्यार्थियों को प्रवेश एवं ट्यूशन शुल्क की सहायता मिलेगी। योजना के लिए आवेदक का पौंग बांध विस्थापित परिवार से संबंधित होना आवश्यक है। परिवार की वार्षिक आय 50 हजार रुपए से अधिक नहीं होनी चाहिए। आवेदन के साथ मुआवजा प्रमाण पत्र, तहसीलदार द्वारा जारी आय प्रमाण पत्र तथा सरकारी संस्थान में प्रवेश और शुल्क संबंधी प्रमाण पत्र देना होगा।

बागछाल में पुलिस चौकी खोलने के आदेश, जीतराम के प्रयास लाए रंग

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। झंडुता व नयनादेवी विधानसभा क्षेत्रों को जोड़ने वाले बागछाल पुल के पास पुलिस चौकी खोलने की मांग आखिरकार पूरी हो गई है। झंडुता के विधायक जीतराम कटवाल ने विधानसभा के बजट सत्र के दौरान शून्यकाल में यह मामला प्रमुखता से उठाया था, अब मरोतन (बागछाल) में पुलिस चौकी की स्थापना के आदेश जारी कर दिए गए हैं। चौकी के लिए छह पद स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें एक एएसआई, एक हेड कांस्टेबल और चार कांस्टेबल शामिल हैं।

बागछाल पुल का उद्घाटन हुए करीब ढाई वर्ष हो चुके हैं। पुल बनने से कीरतपुर से शाहतलाई, बड़सर, हमीरपुर और कांगड़ा की दूरी करीब 60 किलोमीटर कम हुई है। हालांकि, पुल के बाद इस मार्ग से नशे और अवैध शराब की तस्करी बढ़ने की शिकायतें भी सामने आई थीं। विधायक जीतराम कटवाल ने मार्च-अप्रैल में विधानसभा के बजट सत्र के दौरान कहा था कि बागछाल में अस्थायी पुलिस चौकी तो स्थापित की गई, लेकिन वहां केवल दो कर्मचारी तैनात थे। कर्मचारियों की कमी के कारण चौकी प्रभावी ढंग से काम नहीं कर पा रही थी। कटवाल ने सरकार से स्थायी पुलिस चौकी स्थापित करने और पर्याप्त स्टाफ उपलब्ध करवाने की मांग की थी। उन्होंने कहा कि चौकी खुलने से नशा तस्करी पर अंकुश लगाने के साथ क्षेत्र की कानून व्यवस्था मजबूत होगी। उन्होंने पुलिस चौकी की स्थापना के आदेश जारी होने पर संतोष जताया।

17 दिन से लापता छात्रा का नहीं मिला सुराग परिजनों ने पुलिस की कार्रवाई पर उठाए सवाल

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। उपमंडल बड़सर के करियाला गांव से 17 वर्षीय स्कूली छात्रा के 8 अगस्त की रात से लापता होने का मामला सामने आया है। छात्रा के लापता हुए 17 दिन बीत जाने के बावजूद उसका कोई सुराग नहीं लग पाया है। सोमवार को छात्रा के पिता और ग्रामीणों ने पुलिस अधीक्षक बलबीर सिंह को प्रार्थना पत्र सौंपकर मामले में तत्काल हस्तक्षेप करते हुए तलाश तेज करवाने की मांग की।

परिजनों के अनुसार छात्रा 12वीं कक्षा में पढ़ती है। उसके लापता होने के बाद पुलिस में एफआईआर दर्ज करवाई गई थी। शिकायत में टिक्करी निवासी युवक चमन लाल पर छात्रा को अपने साथ ले जाने का आरोप लगाया गया है। मामले की जांच बिझड़ी पुलिस चौकी के एएसआई मनोज कुमार द्वारा किए जाने की बात भी प्रार्थना पत्र में कही गई है। परिजनों का आरोप है कि 16 अगस्त को पुलिस संबंधित युवक के पिता प्रकाश चंद के घर पहुंची थी। परिवार के अनुसार प्रकाश चंद ने कथित तौर पर बताया कि उसका बेटा चमन लाल ही छात्रा को साथ ले गया है और दो दिन के भीतर छात्रा को पुलिस के समक्ष पेश करने की बात कही थी। हालांकि, दो दिन बीतने के बाद भी छात्रा का पता नहीं चला। परिजनों का कहना है कि वे कई बार पुलिस चौकी जाकर जानकारी लेते रहे। अब उन्होंने एसपी से संबंधित लोगों से गहन पूछताछ कर छात्रा की जल्द तलाश और सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने की गुहार लगाई है।

अब 9वीं व 11वीं कक्षा से होगा बोर्ड पंजीकरण

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने विद्यार्थियों के पंजीकरण नियमों में बदलाव किया है, अब बोर्ड से संबद्ध सरकारी और निजी स्कूलों के विद्यार्थियों का पंजीकरण 10वीं और 12वीं के बजाय 9वीं और 11वीं कक्षा में ही किया जाएगा। बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि संशोधित व्यवस्था के तहत 9वीं का पंजीकरण 10वीं परीक्षा उत्तीर्ण करने तक और 11वीं का पंजीकरण 12वीं परीक्षा तक मान्य रहेगा। दूसरे बोर्ड से माइग्रेट होकर सीधे 10वीं या 12वीं में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को नए अभ्यर्थी के रूप में पंजीकरण करवाना होगा। प्रति विद्यार्थी पंजीकरण शुल्क 200 रुपये निर्धारित किया गया है। बिना विलंब शुल्क पंजीकरण की अंतिम तिथि 15 अक्तूबर है। इसके बाद 500 रुपए विलंब शुल्क के साथ 15 नवंबर तक पंजीकरण कराया जा सकेगा।

हिमाचल में बैन हटने के बाद एक सप्ताह में 110 मीट्रिक टन से अधिक मछली पकड़ी

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। दो माह के मौसमी मत्स्य आखेट प्रतिबंध के बाद हिमाचल प्रदेश के प्रमुख जलाशयों में मछलियों की उपलब्धता में उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

◆ **पिछले वर्ष की तुलना में 46.67 प्रतिशत से अधिक बढ़ी मत्स्य पकड़**

15 अगस्त को प्रतिबंध हटने के बाद महज एक सप्ताह में पांच प्रमुख जलाशयों से 110 मीट्रिक टन से अधिक मछली की पकड़ दर्ज हुई है। पिछले वर्ष इसी अवधि में यह आंकड़ा लगभग 75 मीट्रिक टन था। इस वर्ष शुरुआती सप्ताह में मत्स्य पकड़ में 35 मीट्रिक टन से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 46.67 प्रतिशत से अधिक है। यह जानकारी मत्स्य विभाग के निदेशक ओम कांत ठाकुर ने दी। उन्होंने बताया कि प्रतिबंध हटने के पहले ही दिन लगभग 46 मीट्रिक टन मछली की पकड़ दर्ज की गई। इसके बाद भी पूरे शुरुआती सप्ताह में मत्स्य पकड़ का स्तर उत्साहजनक बना रहा, जो प्रदेश के जलाशयों में मछली की अच्छी उपलब्धता को दर्शाता है। 23 अगस्त तक के जलाशय-वार आंकड़ों के अनुसार पोंग डैम में लगभग 51 मीट्रिक टन मछली की पकड़ दर्ज की गई, जबकि गोविंद सागर में 50 मीट्रिक टन से अधिक मछली पकड़ी गई। रंजीत सागर में लगभग 7.5 मीट्रिक टन तथा चमेरा एवं कोल डैम में संयुक्त रूप से लगभग एक मीट्रिक टन मत्स्य पकड़ दर्ज हुई। प्रजाति-वार आंकड़ों में सिंघाड़ा लगभग 35 मीट्रिक टन और सिल्वर कार्प लगभग 34 मीट्रिक टन के साथ सबसे अधिक पकड़ी गई प्रजातियां रहीं।

इसके अलावा रोहू 12 मीट्रिक टन, कॉमन कार्प लगभग 10 मीट्रिक टन, मिरर कार्प एवं महाशीर संयुक्त रूप से लगभग 5 मीट्रिक टन, कतला 4 मीट्रिक टन से अधिक, अन्य प्रजातियां लगभग 3 मीट्रिक टन, मृगल 2 मीट्रिक टन से अधिक तथा कलबासु लगभग 1.5 मीट्रिक टन दर्ज किया गया। निदेशक मत्स्य ओम कांत ठाकुर ने बताया कि प्रदेश के जलाशयों में मत्स्य संसाधनों को बढ़ावा देने के लिए इस वर्ष लगभग एक करोड़ मत्स्य बीज डाले गए हैं। इसके साथ ही मत्स्य संसाधनों की अतिरिक्त एवं प्रभावी मॉनिटरिंग की गई है, जिससे मछलियों की उपलब्धता तथा मत्स्य आखेट गतिविधियों पर बेहतर निगरानी सुनिश्चित हुई है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष जलाशयों में जलस्तर में भी अच्छी वृद्धि देखने को मिली है।

27 को निकाली जाएगी नशा विरोधी जागरुकता रैली

नुक्कड़ नाटक व गीत-संगीत से दिया जाएगा चिट्टा मुक्त हमीरपुर का संदेश

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। प्रदेश सरकार के चिट्टा मुक्त अभियान के तहत 27 अगस्त को हमीरपुर में एक जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जिला प्रशासन की विशेष पहल के तहत 27 अगस्त को शाम करीब 4 बजे हमीरपुर शहर के गांधी चौक पर आरंभ होने वाले इस कार्यक्रम में 15 से 29 वर्ष तक के युवाओं के अलावा सरकारी अधिकारी-कर्मचारी और शहर की विभिन्न संस्थाओं के कार्यकर्ता भी बड़ी संख्या में भाग लेंगे।

डीसी गंधर्वा राठौड़ ने सोमवार को विभिन्न विभागों के अधिकारियों तथा शहर के शिक्षण संस्थानों के अधिकारियों के साथ बैठक करके इस कार्यक्रम की रूपरेखा तय की। उन्होंने बताया कि गांधी चौक पर गीत-संगीत और नुक्कड़ नाटक के साथ यह कार्यक्रम शुरू होगा, जिसमें स्थानीय लोक कलाकार अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से लोगों को चिट्टा और अन्य नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरुक करेंगे।

इसके बाद विभिन्न शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थी और अन्य युवा गांधी चौक से स्कूल मैदान तक एक जागरुकता रैली निकालेंगे। स्कूल मैदान में सभी लोगों को नशे का विरोध करने की शपथ भी दिलाई जाएगी। डीसी ने शिक्षा विभाग, युवा सेवाएं एवं खेल विभाग, माई युवा भारत केंद्र, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग और अन्य विभागों के अधिकारियों को इस जागरुकता कार्यक्रम एवं रैली में अधिक से अधिक युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नशे की समस्या को पूरी तरह खत्म करने के लिए आम लोगों, विशेषकर युवाओं में जागरुकता और इसके विरुद्ध प्रत्येक नागरिक का सक्रिय योगदान बहुत जरूरी है। इसी के मद्देनजर 27 अगस्त को यह जागरुकता कार्यक्रम एवं रैली आयोजित की जा रही है। बैठक में एसपी बलवीर सिंह, एडीसी अभिषेक गर्ग, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सतीश कुमार, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अजय अत्री, जिला कल्याण अधिकारी चमन लाल शर्मा और अन्य अधिकारियों ने भी महत्वपूर्ण सुझाव रखे।

मंडी के स्नोबाउंड क्षेत्रों में स्व-जनगणना का कार्य जारी

भगत सिंह गुलेरिया, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। मंडी जिले के स्नोबाउंड क्षेत्रों में जनगणना-2027 के तहत स्व-जनगणना का कार्य जारी है। लोग 31 अगस्त तक ऑनलाइन स्व-जनगणना की प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। पहली सितंबर से 30 सितंबर 2026 तक एन्यूमरेटर घर-घर जाकर जनगणना का कार्य करेंगे। इस दौरान एन्यूमरेटर प्रत्येक परिवार से आवश्यक जानकारी प्राप्त करेंगे व जनगणना प्रक्रिया को पूरा करेंगे। अतिरिक्त उपायुक्त मंडी प्रियांशु खाती ने स्नोबाउंड एरिया के लोगों से अपील की है कि वे 31अगस्त तक घर बैठे httpÑ//se-snowbound.census.gov.in पर जाकर स्व-जनगणना की प्रक्रिया पूरी करें तथा जनगणना कार्य में प्रशासन और एन्यूमरेटरों को पूरा सहयोग प्रदान करें। उन्होंने कहा कि जनगणना देश की महत्वपूर्ण प्रक्रिया है और इसमें प्रत्येक नागरिक की सहभागिता आवश्यक है।उन्होंने स्नोबाउंड एरिया के लोगों से आग्रह किया कि घर-घर जनगणना के लिए पहुंचने वाले एन्यूमरेटरों को आवश्यक जानकारी उपलब्ध करवाएं और जनगणना से संबंधित कार्य में सहयोग करें, ताकि जिले में जनगणना का कार्य निर्धारित समय में सुचारू रूप से पूरा किया जा सके।

पंजगाई और बरमाणा स्कूल में छात्रों को नशे के खिलाफ किया जागरूक

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। सामाजिक न्याय व अधिकारिता विभाग के तहत तहसील कल्याण अधिकारी सदर, बिलासपुर के सौजन्य से नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला पंजगाई और राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला बरमाणा में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

महासंगम थियेटर ग्रुप बिलासपुर के कलाकारों ने गीत-संगीत और नुक्कड़ नाटक के माध्यम से विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया। कलाकारों ने नाटक के माध्यम से नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक, सामाजिक व आर्थिक नुकसान को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि नशा केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को प्रभावित नहीं करता, बल्कि पूरे परिवार को मानसिक और आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। युवाओं से नशे से दूर रहने तथा शिक्षा, खेलकूद और रचनात्मक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया गया।

पंजगाई स्कूल के प्रधानाचार्य सुरेंद्र कुमार और बरमाणा स्कूल की प्रधानाचार्या नीलम कुमारी ने विद्यार्थियों को 'नशा मुक्त हिमाचल अभियान' के तहत नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई। इस अवसर पर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत दोनों विद्यालय परिसरों में पौधारोपण भी किया गया। कार्यक्रम में करीब 250 से 300 विद्यार्थियों ने भाग लिया। विद्यार्थियों ने नशामुक्त समाज बनाने में सहयोग देने का संकल्प लिया।

पंचायत समिति के चुनाव न करवाना लोकतंत्र और संविधान की भावना के खिलाफ: राकेश

हमीरपुर में कांग्रेस के खिलाफ किया प्रदर्शन

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। भाजपा जिला हमीरपुर के विभिन्न मोर्चों के पदाधिकारियों ने जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर के नेतृत्व में प्रदेश की कांग्रेस सरकार के खिलाफ जोरदार विरोध-प्रदर्शन किया।

प्रदर्शन में पूर्व जिलाध्यक्ष व नादौन के पूर्व विधायक विजय अग्निहोत्री, हमीरपुर संसदीय क्षेत्र के प्रभारी अमित शर्मा, जिला महामंत्री अजय रिंटू शर्मा व राजेश सहगल सहित विभिन्न मोर्चों के जिलाध्यक्ष, पदाधिकारी और भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर ने कहा कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार हमीरपुर जिले के पांच विकास खंडों में पंचायत समिति अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के चुनाव करवाने में जानबूझकर देरी कर रही है। उन्होंने कहा कि निर्वाचित पंचायत समिति सदस्यों को उनके लोकतांत्रिक अधिकार से वंचित रखना पूरी तरह असंवैधानिक और लोकतंत्र विरोधी है। सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि आखिर किन कारणों से वह पंचायत संस्थाओं को उनके निर्वाचित नेतृत्व से वंचित रखना चाहती है। राकेश ठाकुर ने कहा कि जनता से किए वादों को पूरा करने के बजाय प्रदेश सरकार अपनी नाकामियों से ध्यान भटकाने में लगी हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की जनविरोधी नीतियों और कथित भ्रष्टाचार को उजागर करने वाले भाजपा नेताओं राजिंदर सिंह राणा और सुधीर शर्मा के खिलाफ कानून का दुरुपयोग करते हुए अनुचित एफआईआर दर्ज की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष की आवाज को दबाने के बजाय सरकार को अपने कार्यों का हिसाब जनता के सामने रखना चाहिए। पूर्व जिलाध्यक्ष एवं नादौन के पूर्व विधायक विजय अग्निहोत्री ने कहा कि कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद प्रदेश में विकास की गति प्रभावित हुई है और अनेक संस्थानों की संख्या में कटौती की गई है। उन्होंने कहा कि सरकार के चार वर्ष के कार्यकाल में ऐसा कोई बड़ा उपलब्धि-आधारित कार्य नहीं है जिसे वह जनता के सामने गर्व से रख सके।

विजय अग्निहोत्री बोले- दो साल से तैयार मेडिकल कॉलेज, फिर भी नहीं हुआ शुरू

विजय अग्निहोत्री ने कहा कि जोल-सपड़ स्थित मेडिकल कॉलेज के लिए आवश्यक आधारभूत ढांचा लगभग दो वर्ष पहले तैयार होने के बावजूद आज तक इसे पूरी तरह शुरू नहीं किया जा सका है। उन्होंने कहा कि हमीरपुर जैसे जिले के लिए यह संस्थान स्वास्थ्य सुविधाओं की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है, लेकिन सरकार की उदासीनता के कारण इसका लाभ जनता को नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार को राजनीतिक प्रतिशोध की राजनीति छोड़कर विकास, सुशासन और जनहित के मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए। भाजपा नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने पंचायत समिति अध्यक्षों और उपाध्यक्षों के चुनाव शीघ्र नहीं करवाए तथा लोकतांत्रिक संस्थाओं के साथ इसी प्रकार का व्यवहार जारी रखा, तो भाजपा प्रदेश सरकार के खिलाफ अपना संघर्ष और तेज करेगी।

सरदार पटेल विश्वविद्यालय में रिक्त सीटों के लिए आज होगी ओपन काउंसलिंग

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। सरदार पटेल विश्वविद्यालय परिसर में विभिन्न स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए मंगलवार, 25 अगस्त को ओपन काउंसलिंग आयोजित की जाएगी। काउंसलिंग का आयोजन सुबह 10:30 बजे विश्वविद्यालय परिसर में होगा। विश्वविद्यालय में गैर-सब्सिडाइज्ड एमबीए की 10, एमएससी भौतिक विज्ञान की 10 तथा एमए लोक प्रशासन की 15 सीटें रिक्त हैं। इनमें एमए लोक प्रशासन की सात सीटें सब्सिडाइज्ड श्रेणी की हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार प्रवेश के इच्छुक व पात्र अभ्यर्थी निर्धारित समय पर विश्वविद्यालय पहुंचकर ओपन काउंसलिंग में भाग ले सकते हैं। अभ्यर्थियों को दस्तावेज सत्यापन व प्रवेश संबंधी औपचारिकताओं के लिए सभी आवश्यक मूल दस्तावेजों के साथ उनकी छायाप्रतियां भी साथ लानी होंगी। प्रवेश निर्धारित पात्रता मानदंड व उपलब्ध सीटों के आधार पर दिया जाएगा। विश्वविद्यालय ने पात्र विद्यार्थियों से समय पर पहुंचकर काउंसलिंग प्रक्रिया में भाग लेने का आग्रह किया है।

अमित शाह पर टिप्पणी को लेकर हिमाचल भाजपा ने पवन खेड़ा के खिलाफ पुलिस में दी शिकायत

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल भाजपा ने कांग्रेस नेता पवन खेड़ा द्वारा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ कथित रूप से आपत्तिजनक शब्दों के इस्तेमाल पर पुलिस में शिकायत दी है। भाजपा के मुख्य प्रवक्ता एवं विधायक राकेश जम्वाल, विधायक सतपाल सिंह सत्ती, डीएस ठाकुर और दिलीप ठाकुर ने सोमवार को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के माध्यम से पुलिस अधीक्षक शिमला को लिखित शिकायत सौंपकर पवन खेड़ा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने और तत्काल कानूनी कार्रवाई की मांग की।

राकेश जम्वाल ने आरोप लगाया कि पवन खेड़ा ने सार्वजनिक रूप से अमित शाह के लिए आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि राजनीतिक मतभेद लोकतंत्र का हिस्सा हैं, लेकिन केंद्रीय गृह मंत्री जैसे सार्वजनिक पद पर बैठे व्यक्ति के खिलाफ इस तरह की भाषा उचित नहीं है। जम्वाल ने कहा कि भाजपा ने पुलिस से मामले की जांच करने

और भारतीय न्याय संहिता तथा जांच में लागू होने वाले अन्य कानूनी प्रावधानों के तहत कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि पार्टी संबंधित वीडियो, सोशल मीडिया सामग्री और अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य पुलिस को उपलब्ध करवाएगी। शिकायत में संबंधित बयान के मूल और असंपादित वीडियो तथा ऑडियो सुरक्षित करने, सोशल मीडिया पोस्ट को संरक्षित करने और पूरे बयान के संदर्भ की जांच करने की मांग की गई है। भाजपा ने इलेक्ट्रॉनिक व डिजिटल साक्ष्यों को कानूनी तरीके से सुरक्षित रखने का भी अनुरोध किया है। जम्वाल ने कहा कि जांच में संज्ञेय अपराध के आवश्यक तत्व पाए जाने पर प्राथमिकी दर्ज कर कानून के अनुसार कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि विवाद वंदे मातरम को लेकर अमित शाह के बयान के बाद सामने आया। जम्वाल ने वंदे मातरम को स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़ा राष्ट्रगीत बताते हुए कहा कि इस विषय पर राजनीतिक बहस हो सकती है, लेकिन जवाब व्यक्तिगत टिप्पणी से नहीं दिया जाना चाहिए। जम्वाल ने कहा कि प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, मुख्यमंत्री या किसी अन्य सार्वजनिक पद पर बैठे व्यक्ति की नीतियों और फैसलों की आलोचना की जा सकती है, पर व्यक्तिगत अपमान से बचना सभी राजनीतिक दलों की जिम्मेदारी है। उन्होंने पुलिस से निष्पक्ष जांच और कानूनी कार्रवाई की मांग की।

न्यूज ब्रीफ

बीपीएल चयन के लिए 20 सितंबर तक करें आवेदन

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। हिमाचल प्रदेश पथ परिवहन निगम के उपाध्यक्ष अजय वर्मा ने कांगड़ा विधानसभा क्षेत्र के लोगों से अपील की है कि बीपीएल सूची

में शामिल होने के इच्छुक परिवार 20 सितंबर तक आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि जो परिवार पूर्व में किसी कारणवश आवेदन नहीं कर पाए थे, उनके लिए आवेदन की तिथि बढ़ाई गई है। अजय वर्मा ने कहा कि लोगों की मांग को देखते हुए मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू और पंचायतीराज मंत्री अनिरुद्ध सिंह ने आवेदन की अंतिम तिथि आगे बढ़ाने का निर्णय लिया है। उन्होंने इसके लिए मुख्यमंत्री और मंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कांगड़ा विधानसभा क्षेत्र के पात्र परिवारों से अपील की कि बीपीएल चयन के लिए आवेदन करते समय सभी आवश्यक दस्तावेज पूरे रखें और संबंधित कार्यालय में निर्धारित समय सीमा के भीतर जमा करवाएं। उन्होंने कहा कि पात्र परिवार समय रहते आवेदन प्रक्रिया पूरी करें, ताकि उन्हें योजना का लाभ मिल सके। अजय वर्मा ने बताया कि 25 सितंबर 2026 को बीपीएल परिवारों की अंतिम सूची जारी कर दी जाएगी।

एनआईटी हमीरपुर में होगा 'युवा कनेक्ट' कार्यक्रम

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर मेरा युवा भारत, जिला हमीरपुर की ओर से 27 अगस्त को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) हमीरपुर में विशेष 'युवा कनेक्ट' कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को खेल, खेल विकास, युवा नेतृत्व और राष्ट्र निर्माण से जोड़ना है। जिला युवा अधिकारी दीपमाला ठाकुर ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वर्चुअल संबोधन होगा। देशभर में करीब 1600 स्थानों पर आठ लाख से अधिक युवाओं को प्रधानमंत्री संबोधित करेंगे। एनआईटी हमीरपुर के युवा भी इस राष्ट्रीय कार्यक्रम से जुड़ेंगे। प्रधानमंत्री के संबोधन के बाद स्थानीय युवा संवाद आयोजित होगा, जिसमें माय भारत वॉलंटियर्स, स्थानीय खिलाड़ी और जनप्रतिनिधि भाग लेंगे। इस दौरान युवा अपने विचार, सुझाव और अनुभव साझा करेंगे। खेल सुविधाओं व कोचिंग के विस्तार, प्रतिभाओं की पहचान, 2036 ओलंपिक की तैयारी, युवा नेतृत्व और विकसित भारत में युवाओं की भूमिका पर चर्चा होगी। मेरा युवा भारत ने जिले के युवाओं से अधिक संख्या में कार्यक्रम में भाग लेने की अपील की है।

प्राइमरी स्कूल घरथेड़ी को भेंट किए कंप्यूटर

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। पंजाब नेशनल बैंक के क्षेत्रीय कार्यालय शिमला के महाप्रबंधक राजेश कुमार ने सोमवार को बैंक के सर्कल कार्यालय हमीरपुर का दौरा करके कार्यालय की गतिविधियों एवं कार्य प्रणाली का जायजा लिया। उन्होंने हमीरपुर की निकटवर्ती राजकीय प्राथमिक पाठशाला घरथेड़ी का दौरा करके इस पाठशाला को पंजाब नेशनल बैंक की ओर से कंप्यूटर भेंट किए। उन्होंने स्कूल के विद्यार्थियों को स्टेशनरी का सामान और अन्य सामग्री भी वितरित की तथा स्कूल के परिसर में पौधरोपण भी किया। इस अवसर पर पंजाब नेशनल बैंक के सर्कल कार्यालय हमीरपुर के प्रमुख अरविंद यादव, उप प्रमुख पोविंदर ठाकुर, अग्रणी जिला प्रबंधक धर्मेंद्र स्याल, मुख्य प्रबंधक अखिल गंगवार, बैंक के अन्य अधिकारी, स्कूल के शिक्षक और अन्य गणमान्य लोग भी उपस्थित थे।

बिलासपुर पुलिस ने पशु क्रूरता, मारपीट और जुए के मामलों में दर्ज किए केस

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। बिलासपुर पुलिस ने पिछले 24 घंटों में विभिन्न थाना क्षेत्रों में पशु क्रूरता, रास्ता रोककर मारपीट और सार्वजनिक स्थान पर जुआ खेलने के आरोप में तीन अलग-अलग मामले दर्ज किए हैं। थाना बरमाणा पुलिस ने पिकअप नंबर में एक बैल को कथित रूप से अवैध और क्रूरतापूर्वक ले जाने के आरोप में ललित कुमार निवासी घ्याल, बिलासपुर और रूपलाल निवासी क्यारड, सोलन के खिलाफ पशु क्रूरता निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। वहीं, थाना तलाई में रीना देवी निवासी फटोह की शिकायत पर करतार सिंह, अनिता देवी और कांता देवी के खिलाफ रास्ता रोकने, गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया। थाना सदर पुलिस ने सार्वजनिक स्थान पर ताश के पत्तों से जुआ खेल रहे उत्तर प्रदेश निवासी छह लोगों को पकड़ा। आरोपियों के कब्जे से 2,570 रुपए नकद बरामद हुए। पुलिस ने सार्वजनिक जुआ अधिनियम के तहत कार्रवाई की है। पुलिस अधीक्षक अभिषेक धीमान ने मामलों की पुष्टि करते हुए बताया कि सभी मामलों में नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

चिकित्सा विशेषज्ञ के स्थानांतरण पर लोगों में रोष

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। क्षेत्रीय अस्पताल बिलासपुर में चिकित्सा विशेषज्ञ डॉक्टर नरेश चौहान के स्थानांतरण को लेकर लोगों में भारी रोष है। वरिष्ठ नागरिक सभा के महासचिव मस्त राम वर्मा तथा नियमित उपचार के लिए अस्पताल आने वाले मरीजों ने सरकार से स्थानांतरण रद्द करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि जिले के सबसे बड़े स्वास्थ्य संस्थान में पहले ही डॉक्टरों और अन्य स्टाफ की कमी है। करीब चार लाख की आबादी वाले जिले के अस्पताल में स्वीकृत 28 डॉक्टर पदों में से केवल 21 डॉक्टर सेवाएं दे रहे हैं। ऐसे में एकमात्र चिकित्सा विशेषज्ञ का बिलासपुर से नाहन स्थानांतरण होने से मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि पिछले करीब एक सप्ताह से विशेषज्ञ डॉक्टर की सेवाएं उपलब्ध नहीं होने के कारण मरीजों को निजी अस्पतालों और क्लीनिकों में महंगा इलाज करवाना पड़ रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री सुक्खू, स्वास्थ्य मंत्री धनीराम शांडिल और स्थानीय मंत्री राजेश धर्माणी से डॉक्टर का स्थानांतरण तत्काल रद्द करने की मांग की। अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक एके सिंह ने माना कि विशेषज्ञ के स्थानांतरण से मरीजों को कठिनाई हो रही है। उन्होंने समस्या से विभाग को अवगत करवाने की बात कही।

जापानी फल का क्लस्टर बढ़ाएगा किसानों की आमदनी

लंझता पंचायत में 3.5 हेक्टेयर में लगाए 2019 जापानी फल के पौधे

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जिला बिलासपुर के घुमारवीं उपमंडल की ग्राम पंचायत लंझता में एचपी शिवा परियोजना के तहत जापानी फल का क्लस्टर तैयार किया जा रहा है। करीब 3.5 हेक्टेयर क्षेत्र में स्थापित इस क्लस्टर में 37 किसानों की भूमि पर इस वर्ष फरवरी में 2019 पौधे रोपे गए हैं। परियोजना के पूरी तरह क्रियाशील होने पर किसानों और बागवानों की आर्थिकी को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

बागवानी विभाग के अनुसार लंझता क्लस्टर में फ्यू प्रजाति के जापानी फल के पौधों को 4×4 मीटर की दूरी पर रोपित किया गया है। प्रत्येक पौधे की जियो टैगिंग भी की गई है, जिससे भविष्य में उत्पादन से लेकर बाजार तक पहुंच की निगरानी की जा सकेगी। यह बिलासपुर जिले का दूसरा और घुमारवीं उपमंडल का पहला जापानी फल क्लस्टर है। क्लस्टर

◆ 37 किसानों की आर्थिकी होगी मजबूत

में किसान बहुफसली खेती के तहत लहसुन, प्याज, मिर्च और गेहूं जैसी फसलें भी उगा रहे हैं। इससे उन्हें अतिरिक्त आमदनी के साथ पौधों के बेहतर पोषण में भी मदद मिल रही है। लाभान्वित किसान अंजलि ठाकुर ने बताया कि पहले उनकी जमीन खाली पड़ी थी, लेकिन अब जापानी फल के 235 पौधे लगाए गए हैं। सिंचाई सुविधा मिलने से पानी की समस्या भी दूर हुई है। किसान राजकुमारी ने कहा कि आवारा पशुओं और जंगली जानवरों के कारण जमीन बंजर हो गई थी। बाड़बंदी और पौधरोपण से अब पारंपरिक फसलों को भी लाभ मिल रहा है। किसान पवन कुमार ने बताया कि विभागीय अधिकारी पौधों की देखभाल और दवाइयों संबंधी तकनीकी जानकारी नियमित रूप से दे रहे हैं। उन्हें उम्मीद है कि पांच-छह वर्षों में जापानी फल से अच्छी आमदनी होगी। विभाग के अधिकारियों के अनुसार अगले तीन वर्षों में क्लस्टर से बेहतर उत्पादन मिलने की संभावना है। उत्पादों के विपणन के लिए किसानों की कम्युनिटी हॉर्टिकल्चर प्रोड्यूस मार्केटिंग एजेंसी गठित की गई है। डीसी राहुल कुमार ने कहा कि जापानी फल क्लस्टर ग्रामीणों की आर्थिकी मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने किसानों-बागवानों से सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की।

बिलासपुर में 14.50 ग्राम चिट्टे के साथ दो युवक गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जिला बिलासपुर पुलिस की स्पेशल डिटेक्शन टीम ने पट्टा फोरलेन पर नाकाबंदी के दौरान मोटरसाइकिल सवार दो युवकों को कथित तौर पर 14.50 ग्राम चिट्टे के साथ पकड़ा। पुलिस ने जांच के लिए मोटरसाइकिल को रोका था। तलाशी के दौरान मोटरसाइकिल पर सवार अमन (27) पुत्र चंद्र मणी और अरुण (27) पुत्र मित्र देव, दोनों निवासी स्यांह, डाकघर लोहारा, तहसील बल्ह, जिला मंडी, के कब्जे से कथित तौर पर चिट्टा बरामद हुआ। पुलिस ने दोनों के खिलाफ थाना सदर में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार जांच के दौरान नशीले पदार्थ की सप्लाई के स्रोत और इससे जुड़े अन्य लोगों की पहचान के लिए फॉरवर्ड एवं बैकवर्ड लिंकेज खंगाले जा रहे हैं। मामले की आगामी जांच थाना सदर पुलिस द्वारा की जा रही है।

विद्यार्थियों से संवाद कर डीसी ने दिए सफलता और करियर के मंत्र

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। डीसी बिलासपुर राहुल कुमार ने जवाहर नवोदय विद्यालय कोठीपुरा का दौरा कर विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध शैक्षणिक व आवासीय सुविधाओं का निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने छात्रावास, भोजन व्यवस्था, रसोईघर, पुस्तकालय और विद्यार्थियों की दैनिक जरूरतों से जुड़ी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। विद्यालय के प्रधानाचार्य राकेश कटोच भी मौजूद रहे। डीसी ने विभिन्न कक्षाओं के विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी पढ़ाई, शैक्षणिक प्रगति, करियर लक्ष्य, खेलकूद और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारित कर अनुशासन, मेहनत और समर्पण के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के साथ खेल और अन्य गतिविधियों में भाग लेना भी सर्वांगीण विकास के लिए जरूरी है। उन्होंने विशेष रूप से कक्षा छठी के उन विद्यार्थियों से बातचीत की, जो पहली बार घर से दूर रहकर शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने उनके छात्रावास अनुभव और दैनिक दिनचर्या की जानकारी लेते हुए आत्मविश्वास के साथ पढ़ाई जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया। कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों से संवाद करते हुए उन्होंने कहा कि कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है, बशर्ते उसे हासिल करने के लिए पूरी लगन से मेहनत की जाए। उन्होंने नशे से दूर रहने और समाज में नशा विरोधी जागरूकता फैलाने का भी आह्वान किया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने विद्यार्थियों के साथ बैठकर दोपहर का भोजन भी किया। उन्होंने विद्यालय की व्यवस्थाओं को संतोषजनक बताते हुए स्कूल प्रशासन की विभिन्न मांगों के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया।

वैदिक सप्ताह में विद्यार्थियों ने जाना सेवा संस्कार व सामाजिक जिम्मेदारी का महत्व

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। श्रावणी पर्व के अवसर पर डीएवी पब्लिक स्कूल बरमाणा में वैदिक सप्ताह का आयोजन किया गया। सप्ताह के दौरान विद्यार्थियों को वैदिक संस्कृति, यज्ञ-हवन और आर्य समाज के सिद्धांतों की जानकारी देने के साथ सेवा, अनुशासन, करुणा और सामाजिक जिम्मेदारी से जोड़ा गया।

कार्यक्रम के तहत विद्यालय परिसर में वैदिक हवन करवाया गया, जिसमें विद्यार्थियों और शिक्षकों ने भाग लिया। इस दौरान उन्हें यज्ञ-हवन की आध्यात्मिक एवं वैज्ञानिक उपयोगिता तथा वैदिक परंपरा में इसके महत्व के बारे में बताया गया। विद्यार्थियों ने वैदिक संस्कृति और जीवन मूल्यों से लोगों को परिचित करवाने के लिए शोभायात्रा भी निकाली। विद्यार्थियों को वृद्धाश्रम ले जाकर बुजुर्गों से संवाद करवाया गया। बच्चों ने उनके अनुभव सुने और गीत व खेल जैसी गतिविधियों में भाग लिया। वृद्धाश्रम में वैदिक हवन भी करवाया गया। इस गतिविधि से विद्यार्थियों को बुजुर्गों के प्रति सम्मान और संवेदनशीलता की सीख मिली। इसके अलावा विद्यार्थियों ने गौसदन का भ्रमण कर गौसेवा में भाग लिया और गायों को चारा व पेड़े खिलाए। उन्हें पशु-पक्षियों के प्रति दया, देखभाल और जीव-जगत के संरक्षण का महत्व समझाया गया। विद्यालय की प्रधानाचार्या दीपिका शर्मा ने कहा कि शिक्षा केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों में संस्कार, अनुशासन, मानवीय संवेदनाएं और सामाजिक जिम्मेदारी विकसित करना भी इसका उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से बच्चों को सत्य, सेवा, परोपकार और सदाचार जैसे मूल्यों को व्यवहार में अपनाने का अवसर मिलता है। वैदिक सप्ताह की विभिन्न गतिविधियों में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

को-प्रोडक्शन मार्केट के लिए आवेदन 31 तक

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। अगर आप फीचर्स और वृत्तचित्र यानि डॉक्यूमेंट्री बनाने का शौक रखते हैं और किसी बड़े वृत्तचित्र निर्माता या अंतरराष्ट्रीय स्तर के निर्माता के साथ कोई फीचर या डॉक्यूमेंट्री बनाना चाहते हैं, तो ऐसे प्रतिभाशाली निर्माताओं के लिए राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम (एनएफडीसी) एक बार फिर 'को-प्रोडक्शन मार्केट-2026' के माध्यम से एक सुनहरा अवसर प्रदान कर रही है। को-प्रोडक्शन मार्केट (सीपीएम) दक्षिण एशियाई विषयों पर आधारित चुनिंदा परियोजनाओं के लिए एक ऐसा मंच है, जहां सह-निर्माण के लिए वित्तीय और कलात्मक सहायता उपलब्ध कराई जाती है। हर साल को-प्रोडक्शन मार्केट के लिए चयनित परियोजनाओं के फिल्म निर्माताओं को भारतीय और अंतरराष्ट्रीय निर्माताओं, वितरकों, विक्रय एजेंटों और सह-निर्माण में सक्रिय फाइनेंसरों से जुड़ने के कई अवसर मिलते हैं। इसका उद्देश्य विश्वभर के फिल्म पेशेवरों को एक साथ लाने और अंतरराष्ट्रीय सह-निर्माण के अवसरों को बढ़ावा देना है।

प्लेसमेंट केवल नौकरी नहीं, करियर की पहली सीढ़ी: प्रो. सुलक्ष्य कुमार मुरगई

भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। श्री साईं कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में आयोजित दीक्षारंभ (इंडक्शन) कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों के लिए विशेष प्रेरणात्मक व करियर मार्गदर्शन सत्र का आयोजन किया गया। सत्र में श्री साईं ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स एवं श्री साईं यूनिवर्सिटी के डायरेक्टर प्लेसमेंट्स प्रो. सुलक्ष्य कुमार मुरगई ने विद्यार्थियों से संवाद कर उन्हें करियर और रोजगार की तैयारियों से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी दी।

कार्यक्रम में कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. विपिन गुप्ता तथा वाइस प्रिंसिपल प्रो. संजय पंडित ने प्रो. मुरगई का स्वागत किया। अपने संबोधन में प्रो. मुरगई ने विद्यार्थियों को कॉरपोरेट जगत की वास्तविक कार्यप्रणाली से अवगत करवाया। उन्होंने कहा कि कंपनियां केवल डिग्री या अच्छे अंकों के आधार पर चयन नहीं करतीं। तकनीकी ज्ञान के साथ संचार कौशल, आत्मविश्वास, व्यक्तित्व, टीमवर्क, समस्या समाधान क्षमता और सीखने की इच्छा को भी विशेष महत्व दिया जाता है। उन्होंने विद्यार्थियों को विभिन्न जॉब प्रोफाइल, कॉरपोरेट अपेक्षाओं, कैंपस प्लेसमेंट और करियर गाइडेंस के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को अंतिम वर्ष का इंतजार करने के बजाय पहले वर्ष से ही स्वयं को रोजगार योग्य बनाने की दिशा में प्रयास शुरू कर देना चाहिए। प्रो. मुरगई ने ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल की भूमिका बताते हुए कहा कि इसका उद्देश्य विद्यार्थियों की रोजगार क्षमता विकसित करना, बेहतर प्लेसमेंट अवसर उपलब्ध करवाना और उद्योग तथा अकादमिक जगत के बीच समन्वय स्थापित करना है। उन्होंने प्लेसमेंट प्रक्रिया के विभिन्न चरणों की जानकारी देते हुए

CV/Resume निर्माण, ग्रुप डिस्कशन, मॉक इंटरव्यू, पर्सनैलिटी डेवलपमेंट, इंडस्ट्री विजिट और लिंक्डइन प्रोफाइल डेवलपमेंट जैसी गतिविधियों में भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कॉलेज का समय केवल डिग्री हासिल करने के लिए नहीं, बल्कि ज्ञान, व्यक्तित्व और कौशल को उद्योग की जरूरतों के अनुरूप विकसित करने के लिए है। विद्यार्थियों ने करियर विकल्पों और कॉरपोरेट अपेक्षाओं को लेकर उत्साहपूर्वक संवाद किया तथा सत्र को उपयोगी और प्रेरणादायक बताया। कार्यक्रम के अंत में प्रो. समिंदर तरवाल श्र रितिका ने प्रो. मुरगई का धन्यवाद किया। संस्थान का ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल विद्यार्थियों को उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करने के लिए करियर गाइडेंस, तकनीकी प्रशिक्षण, इंडस्ट्री इंटरैक्शन और कैंपस रिक्रूटमेंट जैसी गतिविधियां लगातार संचालित कर रहा है।

आयोजन कलाग्राम पंजैहठी में एम्फी थियेटर शुरू, कला-संस्कृति को मिलेगा नया मंच

'अकेली' व 'बेसहारा औरत' के मंचन ने किया मंत्रमुग्ध

भगत सिंह गुलेरिया, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। हिमाचल की सांस्कृतिक राजधानी मंडी के पंजैहठी में कला की विभिन्न विधाओं को समर्पित कलाग्राम में नव निर्मित ओपन थियेटर यानी एम्फी थियेटर का शुभारंभ हुआ।

स्वर्गीय टेक चंद्र कपूर के शताब्दी वर्ष के अवसर पर उनके पुत्र एवं कालरू कायथ फाउंडेशन के संस्थापक डॉ. राकेश कपूर ने इस एम्फी थियेटर को अपने पूर्वजों को समर्पित किया। कार्यक्रम में कला, संगीत, नृत्य, साहित्य, रंगमंच और फिल्म जगत से जुड़े कलाकारों ने भाग लिया। कार्यक्रम की खासियत रही कि इसमें न कोई मुख्यातिथि था और न ही कार्यक्रम अध्यक्ष। औपचारिकताओं से अलग खुले आसमान और प्रकृति के बीच आयोजित कार्यक्रम में प्रत्येक प्रतिभागी को समान महत्व दिया गया। फाउंडेशन की सदस्य एवं मंच संचालक डॉ. लतेश कपूर ने बताया कि कलाग्राम और ओपन थिएटर की परिकल्पना फाउंडेशन की युवा

सदस्य उज्ज्वला कपूर ने की थी, जिसे डॉ. राकेश कपूर ने साकार किया। कार्यक्रम का शुभारंभ संगीत सदन मंडी के कलाकारों द्वारा मां सरस्वती की वंदना से हुआ।

लोक कलाकार भीष्म ने बांसुरी की प्रस्तुति से माहौल को संगीतमय बनाया। तपस संगीत एवं नृत्य अकादमी की नन्हीं कलाकारों ने गुरु वंदना प्रस्तुत की। मांडव्य कला मंच ने लोकनृत्य लुड्डी, कृष्णा ठाकुर ने लोकगायन भौरू और लोक साहित्यकार प्रकाश चंद्र धीमान के निर्देशन में ऐतिहासिक लोकगाथा झेहड़ा का गायन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में एनिमेशन फिल्म और कॉमिक्स के माध्यम से स्टोरी टेलिंग पर राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान के स्नातक वत्सल और सुधांशु ने विद्यार्थियों को जानकारी दी। मुंबई से आए आदित्य चवन ने फिल्म पर संवाद एवं चर्चा की, जबकि लखनऊ कॉलेज ऑफ आर्ट के शिक्षक अनिरुद्ध आचार्य ने कला पर विचार साझा किए।

रंगमंचीय प्रस्तुतियों में हिमाचल सांस्कृतिक शोध संस्थान एवं रंगमंडल सतोहल के कलाकारों ने सीमा शर्मा के निर्देशन में मन्नू भंडारी की कहानी 'अकेली' का मंचन किया। वहीं अनिरुद्ध आचार्य, आकार थिएटर सोसाइटी तथा दीप कुमार, वेद कुमार और कश्मीर सिंह ने चेखव की रूपांतरित कहानी 'बेसहारा औरत' प्रस्तुत कर दर्शकों को खूब गुदगुदाया। युवा कलाकार आक्या और पुलकित ने संगीतमयी प्रस्तुति दी, जबकि डॉ. राकेश कपूर ने कविता पाठ किया। फाउंडेशन के युवा सदस्यों ने अपने विजन और उद्देश्यों की जानकारी दी। उज्ज्वला कपूर एडिनबर्ग स्कूल ऑफ आर्ट, स्कॉटलैंड से क्रिएटिव डॉक्यूमेंट्री में पीएचडी कर रही हैं, जबकि सुदीप कपूर राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, अहमदाबाद से स्नातकोत्तर अध्ययन कर रहे हैं।

डॉ. राकेश कपूर ने बताया कि भविष्य में कलाग्राम में बुक क्लब, आर्ट मेला, पोएट्री क्लब, गार्डनिंग क्लब और समर स्कूल जैसी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि कलाग्राम कला, संस्कृति और साहित्य से जुड़े लोगों को एक साझा मंच प्रदान करेगा। कार्यक्रम के अंत में डॉ. राकेश कपूर और उनकी धर्मपत्नी अर्चना कपूर ने सभी प्रतिभागियों एवं अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

इनरव्हील क्लब ऑफ कांगड़ा की नई कार्यकारिणी ने संभाला कार्यभार

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। इनरव्हील क्लब ऑफ कांगड़ा की सत्र 2026-27 की नई कार्यकारिणी का स्थापना समारोह कांगड़ा में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में जिला संपादक अंजना मनकोटिया मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहीं। इस दौरान अध्यक्ष मनीषा कोहली, सचिव नीशी बाला, अंतरराष्ट्रीय सेवा अधिकारी छाया मनकोटिया, कोषाध्यक्ष कृति बाला और संपादक सविता ने अपनी जिम्मेदारियां संभालीं। अध्यक्ष मनीषा कोहली ने कहा कि क्लब सेवा, समर्पण और एकजुटता के साथ समाज के विभिन्न वर्गों के लिए कार्य करेगा। समारोह के दौरान एक आर्थिक रूप से कमजोर विशेष जरूरतों वाली बच्ची की सहायता के लिए स्थायी परियोजना शुरू की गई। इसके तहत उसके मासिक आवागमन खर्च की पहली किश्त के रूप में 500 रुपए का चेक प्रदान किया गया। साथ ही एक नई सदस्य को क्लब में शामिल किया गया। कार्यक्रम में क्लब की 26 सदस्य उपस्थित रहीं। जिला संपादक अंजना मनकोटिया ने पिछले वर्ष की उपलब्धियों की जानकारी देते हुए बताया कि क्लब ने शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, महिला सशक्तिकरण और सामुदायिक सेवा के क्षेत्र में 55 सार्थक परियोजनाएं संचालित कीं। क्लब ने एक दृष्टिबाधित महिला को मासिक आर्थिक सहायता देने के साथ गगल के पास सराह क्षेत्र की गौशाला को स्थायी प्रकल्प बनाया है। उन्होंने बताया कि क्लब ने घुरकड़ी चौक में तीन और सिटी अस्पताल में दो बेंच स्थापित किए। स्वास्थ्य क्षेत्र में चिकित्सा शिविरों का आयोजन करने के साथ भौतिक चिकित्सा केंद्र को व्यायाम साइकिल भी दान की गई। अंजना मनकोटिया ने बताया कि सितंबर के अंतिम सप्ताह में 'वीरांजलि' राष्ट्रीय एकता रैली आयोजित की जाएगी। इस वर्ष कांगड़ा, धर्मशाला, पालमपुर और बैजनाथ के क्लब मिलकर बड़े सामाजिक प्रकल्पों पर कार्य करेंगे। समारोह को नए सत्र की सार्थक शुरुआत बताया गया।

खूबसूरत अंदाज में अनास्तासिया कुज़मीना

स्लोवाकिया। अनास्तासिया कुज़मीना स्लोवाकिया की सबसे सफल महिला खिलाड़ियों में शामिल हैं। उन्होंने बायथलॉन में शानदार प्रदर्शन करते हुए कई ओलंपिक स्वर्ण पदक जीते हैं। लंबे अंतरराष्ट्रीय करियर के दौरान उन्होंने अपनी निरंतरता और मेहनत से विशेष पहचान बनाई।

कोको गॉफ और आर्थर फिल्स ने जीता सिनसिनाटी ओपन खिताब

कोको ने हमवतन खिलाड़ी जे. पेगुला और फिल्स ने फ्रांसिस टियाफो को हराया

एजेंसी, मेसन

कोको गॉफ ने हमवतन अमेरिकी जेसिका पेगुला को सीधे सेटों में हराकर सिनसिनाटी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में दूसरी बार महिला एकल का खिताब जीता, जबकि पुरुष एकल में फ्रांस के आर्थर फिल्स चैंपियन बने। महिला वर्ग के फाइनल में गॉफ ने पेगुला को 6–2, 6–4 से हराया। पुरुषों के फाइनल में फ्रांस के फिल्स ने अमेरिका के फ्रांसिस टियाफो को 6–3, 1–6, 6–0 से हराकर अपना पहला मास्टर्स 1000 खिताब जीता।

पेगुला ने शनिवार को सेमीफाइनल में मौजूदा चैंपियन इगा स्वियातेक को, जबकि गॉफ ने सारा बेजलेक को हराकर 56 वर्षों में सिनसिनाटी ओपन में पहली बार अमेरिकी महिला खिलाड़ियों के बीच फाइनल का मुकाबला तय किया था। इससे पहले सिनसिनाटी ओपन में अमेरिका की दो महिला खिलाड़ियों के बीच फाइनल मुकाबला 1970 में खेला गया था जब रोजी कैसल्स ने नैन्सी रिची को हराया था। गॉफ ने 2023 में कैरोलिना मुचोवा को हराकर यहां अपना पहला खिताब जीता था। उन्होंने रविवार को खेले गए फाइनल में पहले सेट में 5–0 की बढ़त हासिल की और फिर 6–2 से जीत दर्ज की। पेगुला ने दूसरे सेट में वापसी करते हुए स्कोर 5–4 तक पहुंचाया, लेकिन गॉफ ने अंत में जीत हासिल कर ली। गॉफ ने छह में से पांच ब्रेक प्वाइंट जीते। फिल्स और टियाफो का मैच पहली बार था जब दो अश्वेत खिलाड़ी एटीपी मास्टर्स 1000 फाइनल में आमने–सामने थे। 22 वर्षीय फिल्स मास्टर्स 1000 का खिताब जीतने वाले तीसरे अश्वेत पुरुष खिलाड़ी हैं। उनसे पहले बेन शेल्टन ने कनाडा में दो बार और जो–विल्फ्रेड सोंगा ने 2008 में पेरिस में और 2014 में कनाडा में मास्टर्स 1000 का खिताब जीता था।

आर्थर फिल्स मास्टर्स 1000 का खिताब जीतने वाले तीसरे अश्वेत पुरुष खिलाड़ी भी बने

द्रोणाचार्य अवॉर्डी कोच गणेश प्रभाकर पर पोक्सो में केस दर्ज

एजेंसी, नई दिल्ली

द्रोणाचार्य अवॉर्डी कोच गणेश प्रभाकर देवरुखकर के खिलाफ प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रंस फ्रॉम सेक्शुअल ऑफेंस यानी पोक्सो में केस दर्ज किया गया है। 45 साल के मलखंभ कोच के खिलाफ 16 साल की छात्रा ने शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस के मुताबिक छात्रा मुंबई के एक कॉलेज में पढ़ती है और कई साल से आरोपी कोच से जिमनास्टिक की ट्रेनिंग ले रही थी। शिकायत के अनुसार, घटना शुक्रवार सुबह की है। मलखंभ फेडरेशन ऑफ इंडिया के एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि मुंबई के मलखंभ फेडरेशन से घटना को लेकर जानकारी मांगी गई है। आरोपी कोच फिलहाल फरार है। मुंबई पुलिस मामले की जांच कर रही है। छात्रा ने पुलिस को बताया कि 21 अगस्त की सुबह वह घर पर पढ़ाई कर रही थी।

आरोपी कोच

इसी दौरान मोबाइल पर कोच का वॉट्सएप मैसेज आया, जिसमें सिर्फ एचआई लिखा था। छात्रा ने भी जवाब में 'एचआई' लिखा और अपनी मां को इसकी जानकारी दी। मां के कहने पर छात्रा ने कोच से मैसेज करने की वजह पूछी। शिकायत के मुताबिक कोच ने उससे पूछा कि वह कहां है और अगर फ्री हो तो जिम्नेजियम आकर उससे मिले। कई साल से कोच से ट्रेनिंग लेने के कारण छात्रा को लगा कि उसे जिमनास्टिक से जुड़ी किसी बात के लिए बुलाया गया है। इसके बाद वह जिम्नेजियम पहुंच गई। शिकायत के अनुसार, छात्रा जिम्नेजियम पहुंची तो कोच वहां अकेला था। कोच ने छात्रा को चप्पल अंदर लाने और दरवाजा अंदर से बंद करने को कहा। इसके बाद दोनों के बीच कॉलेज और पढ़ाई को लेकर बातचीत हुई।

छात्रा ने आरोप लगाया कि बातचीत के दौरान कोच ने उसका बायां हाथ पकड़ा और उसे खींचकर अपनी गोद में बैठा लिया। जब उसने उठने की कोशिश की तो कोच ने पीछे से उसकी कमर पकड़ ली और उसके साथ छेड़छाड़ की। शिकायत के मुताबिक, छात्रा वहां से निकलकर सीधे कॉलेज पहुंची। परेशान देखकर उसकी सहेलियों ने उससे घटना के बारे में पूछा।

इसके बाद उसने अपनी टीचर को पूरी बात बताई। टीचर ने परिवार को इसकी जानकारी दी। इसके बाद परिजन छात्रा को लेकर पुलिस के पास पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई।

न्यूज शॉर्ट्स

आर. प्रज्ञाननंदा ने कीमर को हराकर फाइनल की तरफ बढ़ाए मजबूत कदम

एजेंसी, सेंट लुई। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञाननंदा ने जर्मनी के विंसेंट कीमर को हराकर 9-3 की बढ़त हासिल कर ली है और इस तरह से ग्रैंड शतरंज टूर के फाइनल में जगह बनाने के करीब पहुंच गए हैं। प्रज्ञाननंदा और कीमर के बीच मुकाबला उतार चढ़ाव वाला रहा। भारतीय खिलाड़ी सफेद मोहरों से खेलते हुए शुरू में नुकसान में दिख रहा था जबकि कीमर का खेल पर नियंत्रण था। प्रज्ञाननंदा ने इसके बाद धीरे-धीरे अपनी स्थिति मजबूत की जबकि कीमर अपनी रणनीतिक चाल में फंस गए। दोनों खिलाड़ियों के पास समय कम बचा था। ऐसे में कीमर ने खेल जारी रखने का रास्ता निकाल लिया, लेकिन दूसरे टाइम कंट्रोल में प्रज्ञाननंदा ने थोड़ी भी नरमी नहीं दिखाई और राजा को चेकमेट करने के करीब पहुंच गए थे। इस जीत का मतलब यह है कि प्रज्ञाननंदा अब 450000 अमेरिकी डॉलर के टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने से केवल छह अंक दूर है, जिसमें विजेता को 200000 अमेरिकी डॉलर मिलेंगे। इसके बाद दो और रैपिड गेम होंगे जिनमें विजेता को चार अंक मिलेंगे और चार ब्लिट्ज गेम होंगे जिनमें जीत हासिल करने पर दो अंक मिलेंगे।

बीसीसीआई ने जूनियर कमेटी में पांच पदों के लिए मांगे आवेदन

एजेंसी, नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने जूनियर क्रिकेट सिलेक्शन कमेटी के 5 पदों के लिए आवेदन मांगे हैं। कमेटी अंडर-22 स्तर तक की भारतीय टीमों के चयन और युवा खिलाड़ियों की प्रतिभा तलाशने में अहम भूमिका निभाएगी। योग्य उम्मीदवार 5 सितंबर 2026 की शाम 5 बजे तक बीसीसीआई की ओर से दिए गए लिंक के जरिए ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। जूनियर क्रिकेट कमेटी की जिम्मेदारी अंडर-22 स्तर तक की टीमों के चयन से जुड़ी होगी। कमेटी के प्रमुख कामों में देश-विदेश में होने वाले घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दौरों के लिए टीमों का चयन करना। जूनियर टीमों के कोच, फिजियो, ट्रेनर, एनालिस्ट और मेडिकल स्टाफ का चयन व समीक्षा करना। अलग-अलग फॉर्मेट में जूनियर टीमों के कप्तान नियुक्त करना और खिलाड़ियों के प्रदर्शन की समीक्षा करना।बीसीसीआई के जूनियर घरेलू टूर्नामेंट और विदेशी दौरों से जुड़े आयोजन व प्रशासनिक काम देखना।

बरपेटा ब्रेव्स ने जीता पहला असम प्रीमियर लीग खिताब

एजेंसी, गुवाहाटी। बरपेटा ब्रेव्स ने रविवार की रात गुवाहाटी के असम क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेले गए फाइनल में गुवाहाटी रॉयल्स को पांच विकेट से हराकर पहली इंपीरियल ब्लू पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर असम प्रीमियर लीग (एपीएल) का खिताब अपने नाम कर लिया। 166 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए बरपेटा ब्रेव्स ने 18.5 ओवर में पांच विकेट पर 166 रन बनाकर जीत दर्ज की। अरुण सोनार ने 20 गेंदों पर नाबाद 34 रन की निर्णायक पारी खेली। सौरव मौसुम दिहिंगिया ने 16 गेंदों पर 33 और ऋषिकेश दास ने 32 गेंदों पर 35 रन बनाए। अभिलाष मौर्य ने भी 20 गेंदों पर 24 रन का योगदान दिया। इससे पहले गुवाहाटी रॉयल्स ने 19.4 ओवर में 165 रन बनाए। रोहित सेन ने तूफानी बल्लेबाजी करते हुए महज 37 गेंदों पर 90 रन बनाए, जिसमें 10 चौके और छह छक्के शामिल थे। कप्तान ऋषव दास ने 34 रन बनाए। बरपेटा की ओर से प्रांजल पॉल ने 18 रन देकर दो विकेट लिए, जबकि शुभम कुमार गुप्ता और दीपज्योति सैकिया ने भी दो-दो विकेट चटकाए।

ऑस्ट्रेलिया ने जीता फीबा अंडर-18 एशिया कप-2026 का खिताब

एजेंसी, अहमदाबाद। अहमदाबाद में हुए फीबा अंडर-18 एशिया कप-2026 के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने चीन को 89-79 से हराकर शानदार जीत हासिल की। पूरे मैच के दौरान शानदार रोमांच के बीच ऑस्ट्रेलिया ने शानदार खेल दिखाते हुए लगातार दूसरी बार फीबा अंडर-18 एशिया कप का खिताब अपने नाम किया। मैच में हाफटाइम तक ऑस्ट्रेलिया 44-42 से आगे चल रहा था और उसने फाइनल स्टेज में निर्णायक गेम से चीन को हरा दिया। ऑस्ट्रेलिया के लिए जय फाले ने 19 पॉइंट्स, बैली हनसन ने 15, याहया बसारन ने 13 हैरी कुक ने 11 पॉइंट्स बनाए। तीसरे स्थान के मैच में, न्यूज़ीलैंड ने कोरिया पर 102-97 की रोमांचक जीत के साथ ब्रॉन्ज़ मेडल जीता। मैच के आखिरी दो मिनट में, जब कोरियाई खिलाड़ी फाउल की परेशानी में पड़ गए, तो न्यूज़ीलैंड ने फ्री थ्रो को पॉइंट्स में बदलकर पोडियम पर जगह बनाई। जापान पांचवें और चीनी ताइपे सातवें स्थान पर रहा।

प्रणेश ने जीता कनिजा शतरंज खिताब

एजेंसी, कनिजा। भारतीय ग्रैंडमास्टर प्रणेश एम ने अंतिम दौर में जर्मनी के वादिम पेट्रोव्स्की के खिलाफ रोमांचक जीत हासिल करके प्रतिष्ठित कनिज़ा ओपन शतरंज टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया। भारत के 19 वर्षीय खिलाड़ी ने नौवें और अंतिम दौर में सफेद मोहरों से खेलते हुए अपना दबदबा बनाया और जीत हासिल करके खिताब अपने नाम पर सुरक्षित किया। प्रणेश की रेटिंग 2673 है और वह नवीनतम फिडे विश्व रैंकिंग में 44वें स्थान पर हैं। हंगरी स्थित भारतीय दूतावास ने प्रणेश को टूर्नामेंट जीतने बधाई दी।

रिंकू ने 414.29 के स्ट्राइक रेट से 7 गेंद पर बनाए 29 रन

एजेंसी, लखनऊ

यूपी प्रीमियर लीग में सिर्फ 7 गेंदों में 29 रन की पारी खेली

लखनऊ के इकाना क्रिकेट स्टेडियम में सोमवार को रिंकू सिंह ने 414.29 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 7 गेंदों पर 29 रन बनाए। मेरठ मावेरिक्स के कप्तान रिंकू ने गोरखपुर लायंस के खिलाफ अपनी पारी में 2 चौके और 3 छक्के लगाए। उनकी इस पारी की मदद से मेरठ ने यूपी टी–20 लीग के 16वें मैच में गोरखपुर को 10 विकेट से हरा दिया। बारिश के कारण मैच 8–8 ओवर का कर दिया गया था। गोरखपुर लायंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 ओवर में 6 विकेट पर 91 रन बनाए। जवाब में मेरठ मावेरिक्स ने 6.4 ओवर में बिना विकेट गंवाए 92 रन बनाकर मैच जीत लिया।

यह मेरठ मावेरिक्स की इस सीजन में लगातार छठी जीत है। टीम 12 अंक के साथ पॉइंट्स टेबल में पहले नंबर पर है। वहीं, गोरखपुर लायंस की 6 मैचों में यह चौथी हार है। मेरठ ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया।

ओपनर अभय प्रताप सिंह ने 16 गेंदों पर 33 रन बनाए। उन्होंने 4 चौके और 2 छक्के लगाए। मेरठ के जीशान अंसारी 2 ओवर में 4 विकेट लेकर प्लेयर ऑफ द मैच बने।

यशस्वी जायसवाल बोले-कोई हद पार करेगा तो जवाब मिलेगा

एजेंसी, कोलंबो। श्रीलंकाई गेंदबाज असिथा फर्नांडो से मैदान पर हुई भिड़ंत के बाद यशस्वी जायसवाल ने पहली बार प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि लोगों को यह जाने बिना फैसला नहीं सुनाना चाहिए कि फर्नांडो ने उनसे क्या कहा था। जायसवाल ने सोशल मीडिया पर लिखा, अगर कोई हद पार करेगा तो हमें उसे बताना होगा। यह भारत है, हम लड़ेंगे और जवाब देंगे। यह पूरा मामला भारत और श्रीलंका के बीच कोलंबो में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के पहले दिन हुआ। फर्नांडो ने जायसवाल को 45 रन पर बोल्ड किया था। इसके बाद श्रीलंकाई गेंदबाज ने उन्हें आक्रामक अंदाज में सेंड-ऑफ दिया। पवेलियन लौट रहे जायसवाल पलटकर फर्नांडो के पास पहुंचे। दोनों के बीच बहस हुई और फिर जायसवाल का हेलमेट फर्नांडो के माथे से टकराया। श्रीलंकाई कप्तान धनंजय डि सिल्वा और दूसरे खिलाड़ियों ने बीच में आकर दोनों को अलग किया। सोमवार को क्रिकबज ने इंस्टाग्राम पर कमेंटेटर हर्षा भोगले का वीडियो पोस्ट किया था। इसमें सवाल उठाया गया था कि क्या जायसवाल ने फर्नांडो से भिड़कर हद पार कर दी। जायसवाल ने इसी वीडियो के कमेंट सेक्शन में लिखा, अगर आपको नहीं पता कि उसने क्या कहा था तो कृपया अपना फैसला मत सुनाइए। अगर कोई हद पार करता है तो हमें उसे बताना होगा।

श्रीलंका ने दूसरे टेस्ट मैच में 2 विकेट खोकर बनाए 8 रन

भारत की पहली पारी 503/9 पर घोषित

एजेंसी, कोलंबो

भारत ने श्रीलंका के खिलाफ कोलंबो में चल रहे दूसरे टेस्ट में अपनी पहली पारी 503/9 रन के स्कोर पर घोषित की। पहली पारी में श्रीलंका का स्कोर 8/2 है। लाहिरू उदारा और कामिल मिशारा क्रीज पर हैं। ध्रुव जुरेल ने 177 बॉल पर 115 रन बनाकर नाबाद लौटे। उन्होंने 171 बॉल पर दूसरा टेस्ट शतक लगाया।

मोहम्मद सिराज 29 बॉल पर 3 रन बनाकर आउट हुए। मानव सुथार ने 18 रन बनाए। सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब में भारत ने दूसरे दिन की शुरुआत 300/5 के स्कोर से की थी। भारतीय टीम ने पहले सेशन में 119 रन जोड़े और एक विकेट गंवाया। डेब्यू कर रहे सारांश जैन 6 रन बनाकर आउट हुए। भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था।

ध्रुव जुरेल के 177 बॉल पर 115 रन

श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में ध्रुव जुरेल ने 177 गेंदों पर 9 चौकों और 2 छक्कों की मदद से नाबाद 115 रन बनाए। यह उनके टेस्ट करियर का दूसरा शतक था।

चोट से लौटे पंत ने लगाया अर्धशतक

टी-ब्रेक से पहले ऋषभ पंत 63 रन बनाकर पवेलियन लौटे। पहले दिन 3 रन पर चोट के कारण रिटायर्ड हर्ट हुए पंत ने दूसरे दिन वापसी करते हुए अर्धशतक लगाया, लेकिन लंच के बाद पहली ही गेंद पर आउट हो गए।

फुटबॉल: भारत से पहले ढाका में ट्रेनिंग कर सकता है ब्राजील

एजेंसी, कोलकाता

ब्राजील की फुटबॉल टीम 3 अक्तूबर को भारत के खिलाफ मुकाबले से पहले बांग्लादेश के ढाका में ट्रेनिंग कैंप लगाने पर विचार कर रही है। ब्राजील फुटबॉल कन्फेडरेशन के पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने 23 अगस्त को ढाका का दौरा किया। टीम ने नेशनल स्टेडियम, बशुंधरा किंग्स एरिना और कई होटलों का निरीक्षण किया।

बांग्लादेश फुटबॉल फेडरेशन के अध्यक्ष तबिथ अवल ने बताया कि ब्राजील के साथ ढाका में ट्रेनिंग करने और बांग्लादेश के खिलाफ फ्रेंडली खेलने समेत सभी विकल्पों पर बात हुई है। हालांकि, अभी कोई फैसला नहीं हुआ है। ब्राजील 25 सितंबर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टाउन्सविले और 29 सितंबर को ब्रिस्बेन में मुकाबला खेलेगा। इसके बाद टीम भारत आएगी। कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में भारत और ब्राजील के बीच फ्रेंडली मैच खेला जाना है।

ब्राजील को ढाका की पिच अधिक बेहजर लगी

बांग्लादेश फुटबॉल फेडरेशन के मुताबिक, ब्राजील के प्रतिनिधिमंडल ने नेशनल स्टेडियम और बशुंधरा किंग्स एरिना की पिच को टीम के लिए सही बताया। हालांकि, ड्रेसिंग रूम, तकनीकी स्टाफ के लिए जगह और एंट्री-एग्जिट पर सुरक्षा व्यवस्था में सुधार की जरूरत बताई गई है। ढाका में ब्राजील और बांग्लादेश के बीच 5 या 6 अक्तूबर को फ्रेंडली मैच की भी चर्चा हुई है। हालांकि, बांग्लादेश की टीम 24 सितंबर से 4 अक्तूबर तक इंडोनेशिया में फीफा एशियन कप में खेलेगी।

ईरान की करेंसी रियाल 20 लाख प्रति डॉलर पर पहुंची

एजेंसी, तेहरान। ईरानी करेंसी रियाल डॉलर के मुकाबले अब तक के सबसे निचल स्तर पर पहुंच गई है। करेंसी ट्रैकिंग वेबसाइट बॉनबास्ट के आंकड़ों के मुताबिक, सोमवार को 1 अमेरिकी डॉलर की कीमत 20 लाख ईरानी रियाल हो गई। गौर रहे कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले हफ्ते ईरान के खिलाफ एक बड़ी आर्थिक कार्रवाई का ऐलान किया था। इस घोषणा के बाद से रियाल में करीब 4.5% की गिरावट दर्ज की गई है।

अमेरिका का मकसद ईरान को आर्थिक रूप से अलग–थलग करना है। इसके लिए अमेरिका ईरान के बचे हुए चुनिंदा कारोबारी पार्टनर्स को चेतावनी दे रहा है, फारस की खाड़ी में उसके मुख्य बंदरगाहों की नाकाबंदी कर रहा है और विदेशी मुद्रा का मुख्य जरिया माने जाने वाले तेल निर्यात पर पूरी तरह रोक लगाने की कोशिश कर रहा है। वहीं, ईरान के सेंट्रल बैंक के गवर्नर अब्दोलनासर हेम्मती के मुताबिक, देश का कच्चा तेल निर्यात 'लगभग पूरी तरह बंद' हो गया है। इसके अलावा, ईरान के सबसे बड़े कारोबारी पार्टनर्स में शामिल संयुक्त अरब अमीरात ने भी अगले आदेश तक ईरान के साथ सभी वित्तीय लेन–देन रोक दिए हैं।

मुंबई में ऑटो–रिक्शा ड्राइवर हड़ताल पर, मराठी बोलने के नियम का विरोध

एजेंसी, मुंबई

मुंबई में ऑटो–रिक्शा ड्राइवरों ने सोमवार को सरकार के मराठी बोलने वाले नियम के विरोध में 3 दिन की हड़ताल बुलाई है। मराठी नहीं बोलने वाले ड्राइवरों का कहना है कि इससे उन पर ज्यादा बोझ पड़ेगा। प्रदर्शनकारी कांदिवली लिंक रोड पर विरोध कर रहे हैं।

सरकार ने कहा था 3 महीने में मराठी भाषा सीखनी होगी

कई उम्रदराज ड्राइवरों का कहना है कि उन्होंने बिलकुल पढ़ाई नहीं की है और 55–60 साल की उम्र में नई भाषा सीखना मुश्किल है। बुधवार को ट्रांसपोर्ट मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा कि ड्राइवरों को पहले नोटिस देकर 3 महीने में मराठी सीखने का मौका दिया जाएगा। इसके बाद भी मराठी नहीं सीखने पर लाइसेंस और बैज सस्पेंड किया जाएगा। राज्य में 20 अगस्त से उन ऑटो–रिक्शा और टैक्सी ड्राइवरों के खिलाफ अभियान शुरू हो गया है। कई ड्राइवरों को नोटिस भी दिया गया है। महाराष्ट्र के गोंदिया में हिंदी बोलने वाले ऑटो ड्राइवरों ने सरकार से कार्रवाई न करने की अपील की।

अधिकारी समय देने के बजाय जुर्माना लगा रहे

ड्राइवरों ने कहा कि कई प्रदर्शनकारी मराठी सीखने और टूटी-फूटी मराठी बोलने की कोशिश कर रहे हैं। उनका दावा है कि अधिकारियों की ओर से उन्हें नियम पूरा करने का समय देने के बजाय जुर्माना लगाया जा रहा है। उन्होंने ने कहा, 'क्या हम 15-20 हजार रुपए का जुर्माना भर सकते हैं? न्याय मिलने तक हम तीन दिन की हड़ताल करेंगे।' भाषा संबंधी इस निर्देश को लेकर परिवहन कर्मचारियों के एक वर्ग में विरोध बढ़ रहा है। चालक अधिकारियों से नियम और इससे जुड़े जुर्माने पर दोबारा विचार करने की मांग कर रहे हैं।

तकनीक कीव में बनेगी लंबी दूरी की मिसाइल; रूस में अंदर तक हमला करने में सक्षम

यूक्रेन को सीक्रेट मिसाइल तकनीक देगा ब्रिटेन

एजेंसी, लंदन/कीव

रूस के खिलाफ जंग में मदद के लिए ब्रिटेन यूक्रेन को अपनी सीक्रेट मिसाइल तकनीक देगा। इससे कीव में ही लंबी दूरी की SCALP क्रूज मिसाइल बनाने का रास्ता साफ होगा। ब्रिटेन में इस मिसाइल को स्टॉर्म शैडो कहा जाता है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री एंडी बर्नहम सोमवार को अपनी पहली विदेश यात्रा पर यूक्रेन पहुंचे। इसी दौरान मिसाइल तकनीक साझा करने का ऐलान किया गया है। वे राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से मुलाकात करेंगे।

फ्रांस और यूक्रेन की योजना है कि इस साल के आखिर तक यूक्रेन में SCALP की उत्पादन लाइन शुरू की जाए। इससे यूक्रेन को मिसाइल की तकनीक समझने और उसे देश में बनाने में मदद मिलेगी। ब्रिटिश पीएम एंडी बर्नहम सोमवार को ट्रेन से कीव रेलवे स्टेशन पहुंचे। इस दौरान यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा (बाएं) ने उनका स्वागत किया। ब्रिटिश पीएम एंडी बर्नहम सोमवार को ट्रेन से कीव रेलवे स्टेशन पहुंचे। इस दौरान यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा (बाएं) ने उनका स्वागत किया।

विमान से छोड़े जाने के बाद यह मिसाइल जमीन के काफी करीब उड़ते हुए अपने लक्ष्य तक पहुंचती है। इसमें उपग्रह से रास्ता पता करने, इलाके की पहचान करने और गर्मी से लक्ष्य पहचानने वाली तकनीक लगी है। इससे यह दुश्मन के एयर डिफेंस से बचते हुए लक्ष्य तक पहुंचने की कोशिश करती है।

ब्रिटिश पीएम एंडी बर्नहम सोमवार को ट्रेन से कीव रेलवे स्टेशन पहुंचे। इस दौरान यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा (बाएं) ने उनका स्वागत किया।

550 किलोमीटर तक मार करने में सक्षम

SCALP को यूरोपीय हथियार कंपनी एमबीडीए ने बनाया है। यह विमान से दागी जाने वाली लंबी दूरी की क्रूज मिसाइल है। इसकी मारक क्षमता करीब 550 किलोमीटर है। इसमें करीब 400 किलो का भारी विस्फोटक लगाया जा सकता है। मिसाइल का वजन करीब 1,300 किलो और लंबाई करीब 5.10 मीटर है। इसे पहले से तय किए गए ठिकानों पर हमला करने के लिए बनाया गया है। यह दिन हो या रात और मौसम कैसा भी हो, हमला कर सकती है।

सेंसेक्स में 172 और निफ्टी 33 अंक की मामूली गिरावट

एजेंसी, मुंबई

शेयर बाजार में 24 अगस्त को गिरावट रही। सेंसेक्स 172 अंक की गिरावट के साथ 77,369 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 33 अंक की गिरावट रही, ये 24,219 पर बंद हुआ। बैंकिंग और मीडिया शेयर्स में आज ज्यादा बिकवाली रही।

3 नए आईपीओ ओपन: सोमवार को सिम्बायोटेक फार्मालैब, हाई–टेक इंजीनियर्स और स्काईवेज एयर सर्विसेज के आईपीओ आज से ओपन हो गए हैं। सिम्बायोटेक फार्मालैब इस आईपीओ के जरिए 1,757 करोड़, हाई–टेक इंजीनियर्स 135.73 करोड़ और स्काईवेज एयर सर्विसेज 582.80 रुपए जुटाना चाहती है। इन आईपीओ में 26 अगस्त तक बोली लगा सकेंगे।

सोना 1983 रुपए महंगा, चांदी 297 रुपए सस्ती

एजेंसी, नई दिल्ली। सोने की कीमतों में 24 अगस्त को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 1,983 रुपए बढ़कर 1.63 लाख रुपए हो गया है। वहीं एक किलो चांदी की कीमत 297 रुपए कम होकर 2.46 लाख रुपए आ गई। इस महीने यानी अगस्त में 24 दिन में सोना 20 हजार और चांदी 28 हजार रुपए महंगी हो चुकी है।